९३२४१७६७६९ | ▶वर्षः ३२, अंक १३९, मुंबई, गुरुवार ११ जुलाई २०२४ ▶पेज १६ ▶मूल्यः ₹ ३ | एम.सी.डब्ल्यू/१६६/२०१८-२०

दोपहर का

संस्थापक संपादक : बाल ठाकरे

सामना

अजीत पवार गुट को बड़ा झटका

शरद पवार के पास वापस लौटेंगे 39 नेता!

तारीख - समय दोनों तय

राजन पारकर / पुणे

विधानसभा चुनाव बस कुछ ही महीने दूर हैं। इसे लेकर सभी दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी बीच राज्य की राजनीति में उथल-पुथल जारी है। राष्ट्रवादी पार्टी में बड़े घटनाक्रम हो रहे हैं। मगर चुनाव से पहले अजीत पवार गुट मुश्किल में है। पिंपरी-चिंचवड़ शहर में अजीत पवार गुट के ३९ पदाधिकारियों के जल्द ही शरद पवार के पास वापस लौटने की खबर है। इसके लिए तारीख और समय आगामी २० जुलाई तय हो गई है।

विधानसभा चुनाव के ठीक पहले अजीत पवार गुट के लिए यह बड़ा झटका है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इससे विधानसभा चुनाव के पहले शरद पवार की ताकत बढ़ेगी। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में अजीत पवार का करिश्मा नहीं चला। अजीत पवार गुट केवल रायगढ़ सीट ही जीत सका। शायद यही कारण है कि अजीत पवार गुट की कमजोर स्थिति को देखते हुए इन ३९ पदाधिकारियों ने यह फैसला लिया है। बता दें कि पिंपरी-चिंचवड़ अजीत पवार का गढ़ है। एनसीपी में विभाजन से पहले भी पिंपरी-चिंचवड़ के एनसीपी पदाधिकारी अजीत पवार का सम्मान करते थे। इसी वजह से कई लोगों ने शरद पवार का हाथ छोड़कर अजीत गुट में शामिल होना पसंद किया, लेकिन अब विधानसभा चुनाव से पहले ये नेता शरद पवार के पास वापस लौटने जा रहे हैं।

‘लोकसभा चुनाव में अजीत पवार का करिश्मा नहीं चला। अजीत पवार गुट केवल रायगढ़ सीट ही जीत सका। शायद यही कारण है कि अजीत पवार गुट की कमजोर स्थिति को देखते हुए इन पदाधिकारियों ने यह फैसला लिया है।’

मिहिर शाह है खूनी राक्षस!

उसे ‘फास्ट ट्रैक’ पर सजा दीजिए

गरजे आदित्य ठाकरे

‘मैं तो कहूंगा मिहिर शाह को कोलीवाड़ा में बीच चौराहे पर छोड़ दीजिए।’

सामना संवाददाता / मुंबई

वरली के ‘हिट एंड रन’ मामले में आरोपी मिहिर शाह ने नखवा की स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दी थी। इसके बाद कावेरी कार के बंपर और पहिए के बीच फंस गई, जिसे निर्दयतापूर्वक घसीटते हुए वह दो किमी दूर तक ले गया। घायल नखवा दंपति की ओर से कार रोकने का आग्रह किया जाता रहा, लेकिन उसने कार नहीं रोकी। इतना ही नहीं, पहिए में फंसी कावेरी को बाहर निकालने के बाद वह उन्हें कुचलते हुए भाग खड़ा हुआ। नरक से आए राक्षस भी इस तरह का भयानक कृत्य नहीं करेंगे। इस तरह की नाराजगी शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता व युवासेनाप्रमुख आदित्य ठाकरे ने जाहिर करते हुए कहा कि सामान्य अपराधी होता तो उसे जेल में डालकर सजा होती। इसके साथ ही आदित्य ठाकरे ने कहा कि मिहिर शाह एक खूनी राक्षस है। उसे फास्ट ट्रैक पर सजा दीजिए। मैं तो कहूंगा मिहिर शाह को कोलीवाड़ा में बीच चौराहे पर छोड़ दीजिए।

वरली ‘हिट एंड रन’ मामला

(बाकी पेज २ पर)

नशे में था मिहिर शाह!

ब्लड रिपोर्ट पॉजिटिव न आए इसीलिए उसे किया गया था फरार

वरली ‘हिट एंड रन’ के आरोपी मिहिर शाह को बचाने की कोशिश की जा रही है। उसके नशे की रिपोर्ट पॉजिटिव न आए इसलिए उसे भगाया गया था। यह आरोप शिवसेना नेता व सांसद संजय राऊत ने लगाया है।

पेज 3

बाबा हैं कि मानते नहीं!

- **मुंबई हाई कोर्ट के आदेश का किया उल्लंघन तो लगा ५० लाख का दंड**
- **रोक के बाद भी दूसरी कंपनी के कॉपीराइट वाले कपूर बेच रही थी पतंजलि**

मुंबई हाई कोर्ट के आदेश का बाबा रामदेव ने उल्लंघन किया है। इस मामले में हाई कोर्ट ने उनकी कंपनी पतंजलि पर ५० लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

पेज 3

सामना एंकर

वरली ‘हिट एंड रन’ के मुख्य आरोपी मिहिर के पिता

राजेश शाह का गुरु साटम कनेक्शन!

एनकाउंटर के डर से भागा था पालघर

सामना संवाददाता / मुंबई

वरली में ‘हिट एंड रन’ मामले के आरोपी राजेश शाह का संबंध अंडरवर्ल्ड के गुरु साटम गिरोह से होने की बात कही जा रहा है। मुंबई क्राइम ब्रांच के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, राजेश शाह के बोरीवली घर के सामने ही अंडरवर्ल्ड डॉन गुरु साटम के साथी राजू दुर्गा प्रसाद सोनी उर्फ राजू लक्का को मार गिराया गया था।

पुलिस सूत्र बताते हैं कि शिवसेना परेल के विधायक विट्ठल चव्हाण की हत्या के बाद गुरु साटम ने मुंबई में तहलका मचा दिया था। गुरु साटम ने जैसी बोरीवली में दहशत फैलाई थी, वैसी ही उसने परेल, लालबाग में भी अपना दबदबा कायम कर लिया था। गुरु साटम गिरोह ने बोरीवली में हफ्ता वसूलना शुरू कर दिया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कारोबारी और बिल्डरों से राजेश शाह हर महीने गुरु साटम को हफ्ता वसूल कर देता था। राजू सोनी जब राजेश शाह के घर के पास आया, तभी १ अगस्त, २००२ को उसका एनकाउंटर कर दिया गया था। राजू शाह ने इसका फायदा उठाया और बोरीवली छोड़कर पालघर पहुंच गया। वहां उसने राजनीतिक नेताओं के साथ मिलकर अपना बचाव किया। एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि राजेश शाह ने कंस्ट्रक्शन बिजनेस में कदम रखा और गब्बर बन गया। ढाई दशक पहले बोरीवली पुलिस स्टेशन में राजेश शाह के खिलाफ जबरन वसूली के मामले दर्ज किए गए थे।

(बाकी पेज २ पर)

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
गुरुवार ११ जुलाई २०२४

गरीबों के अनाज पर एक लाख कर्मचारियों का डाका!

● 'ईडी' सरकार ने किया कबूल
● विपक्ष ने की कठोर कार्रवाई की मांग

सामना संवाददाता / मुंबई

गरीबों के जीवनयापन के लिए दो वक्त का अनाज मुहैया कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत गरीबों को अनाज की आपूर्ति की जाती है। लेकिन 'ईडी' सरकार ने कल विधानसभा में स्वीकार किया कि राज्य के एक लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों ने गरीबों के अनाज पर डाका डाला है। विपक्ष ने सदन में इन कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। इस पर खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने आश्वासन दिया कि इस संबंध में जांच की जाएगी और संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि विधायक संजय सावकारे ने तारांकित प्रश्न के माध्यम से जलगांव जिले में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया। उन्होंने सदन को बताया कि गरीबों के लिए बनी इस योजना का लाभ सरकारी और अर्धसरकारी कर्मचारी उठा रहे हैं। उन्होंने यह भी पूछा कि इस मामले में सरकार ने क्या कार्रवाई की? साथ ही इस योजना के लिए सरकारी कर्मचारियों का रजिस्ट्रेशन करने वाले सेतु केंद्रों पर भी कार्रवाई होगी क्या?

धोखाधड़ी का दर्ज करें मामला -बच्चू कडू

गरीबों का अनाज खाकर सरकार को चूना लगाने वाले सरकारी कर्मचारियों पर मामला दर्ज होना चाहिए। प्रहार जन शक्ति पार्टी के विधायक बच्चू कडू ने मांग की कि दिव्यांग और विधवा महिलाओं को भी इस योजना में शामिल किया जाना चाहिए, अन्यथा राज्य को उनके लिए एक अलग योजना लागू करनी चाहिए।

सीआर में रिकॉर्ड -पृथ्वीराज चव्हाण

कांग्रेस विधायक पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि यह बेहद चौंकानेवाली बात है कि सरकारी कर्मचारी गरीबों का खाना खा रहे हैं। मौजूदा समय में किसी भी सरकारी कर्मचारी की सालाना सैलरी ७० हजार रुपए से कम नहीं है। वे कानून जानते हैं, फिर भी उन्होंने इसका उल्लंघन किया और गरीबों के मुंह से भोजन छीन लिया। हमें लगता है कि सरकार उन्हें निलंबित नहीं करेगी, लेकिन उन्होंने मांग की कि इसे उनके सीआर में दर्ज किया जाए। सदस्यों के सवालों का जवाब देते हुए मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि इस योजना से १,००२६२ सरकारी कर्मचारी लाभान्वित हो रहे हैं। भुजबल ने कहा कि इसमें गरीबी रेखा से ऊपर के ६३,७९४ कर्मचारी और वर्ग-३ के ३०,३५३ कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि इनके विरुद्ध कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को निर्देशित किया जाएगा।

वाह रे मोदी सरकार...

आरबीआई की नजर में खेती-दिहाड़ी भी रोजगार!

अर्थशास्त्रियों का मानना है, 'ये नियमित वेतन वाले काम नहीं'

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

मोदी सरकार दावा करती है कि देश में रोजगार बढ़ा है और इसके लिए वह तमाम आंकड़े गिनाती है। मगर अब पता चला है कि इसमें घपला है। हाल ही में आई आरबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, खेती करनेवाले और दिहाड़ी पर मजदूरी करनेवालों को भी रोजगार की श्रेणी में डाल दिया गया है। ऐसे में मोदी सरकार और आरबीआई की काफी फजीहत हो रही है। इस मामले में अर्थशास्त्रियों का मानना है कि ये नियमित वेतन वाले काम नहीं हैं।

इस बारे में प्राइवेट सेक्टर के अर्थशास्त्रियों का कहना है कि ये नौकरियां रेगुलर वेतन वाली औपचारिक नौकरियों के बराबर नहीं हैं। यह बयान श्रम विभाग के आंकड़ों के बाद आया है, जो इस हफ्ते जारी किए गए थे। इन आंकड़ों के अनुसार, २०१७-१८ से हर साल २ करोड़ नए रोजगार पैदा हुए हैं। यह सिटी बैंक की उस रिपोर्ट को गलत साबित करता है, जिसमें कहा गया था कि २०१२ के बाद से हर साल केवल ८८ लाख नौकरियां ही दी गई हैं। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर सस्टेनेबल एम्प्लॉयमेंट के हेड अमित बसाले ने कहा, 'यह स्पष्ट है कि रोजगार में होने वाली बढ़ोतरी का एक बड़ा हिस्सा कृषि और स्व-रोजगार से आ रहा है, जिसमें खुद का काम करना या बिना वेतन वाला पारिवारिक काम शामिल है।' बसाले ने कहा कि वित्तीय वर्ष २०२२-२३ तक के विस्तृत आंकड़ों के आधार पर रोजगार में हुई वृद्धि को नियमित वेतन वाली औपचारिक नौकरियों के बराबर नहीं माना जा सकता है। मार्च २०२४ में खत्म हुए वित्तीय वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार की संख्या में ४.६७ करोड़ की बढ़ोतरी हुई है। रिजर्व बैंक के अनुसार, कुल रोजगार अब ६४.३३ करोड़ हो गया है, जो कि एक साल पहले ५९.६७ करोड़ था।

हालांकि, आंकड़ों के पीछे की कहानी थोड़ी जटिल है। अमित बसाले का कहना है कि रिजर्व बैंक के डेटा में बताए गए १० करोड़ नए रोजगारों में से ४.८ करोड़ सिर्फ खेती से जुड़े हैं। बसाले ने ये भी कहा, 'मैं इन्हें असली नौकरी नहीं मानता। ये वो लोग हैं, जो खेती कर रहे हैं या खुद का छोटा काम कर रहे हैं, क्योंकि बाजार में कंपनियों द्वारा पर्याप्त कर्मचारियों की मांग नहीं है।' रिजर्व बैंक ने रोजगार में हुई बढ़ोतरी का अनुमान तो लगाया है, लेकिन यह नहीं बताया कि किन क्षेत्रों में ये नौकरियां पैदा हुई हैं। भाजपा हालिया लोकसभा चुनावों में बहुमत नहीं पा सकी थी। सत्ता बचाए रखने के लिए उसे सहयोगी दलों का सहारा लेना पड़ा। मोदी ने २०१४ में पहली बार सत्ता हासिल की थी, उस वक्त उन्होंने हर साल २ करोड़ नौकरियां पैदा करने का वादा किया था। लेकिन विश्लेषकों और राजनीतिक विरोधियों ने वादा पूरा न करने के लिए उनकी आलोचना की है।

राजेश शाह का... (पेज १ का बाकी)

पालघर भागने पर उसके खिलाफ कोई अपराध दर्ज नहीं किया गया। उसने नेताओं की मदद से पालघर में कई संपत्तियां बनाईं। वहां उनका एक फार्महाउस है। सूत्रों ने बताया कि यह भी कहा जाता है कि वहां अपराधियों को शरण दी जाती है। राजेश शाह को 'पालघर आरपी' उपनाम से जाना जाता है। ऐसे आदतन अपराधियों के करीबी रहे राजेश शाह ने वरली कांड के बाद अपने बेटे मिहिर को भागने की सलाह दी थी। वरली पुलिस ने राजेश शाह और उसके बेटे मिहिर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा १०५, २८१, १२५ (बी), २३८, ३२४ (४) के साथ-साथ १८४, १३४ (ए), १३४ (बी), १८७ के तहत मामला दर्ज किया है। चूंकि राजेश शाह आपराधिक प्रवृत्ति का है और उसे राजनीतिक नेताओं और शासकों का समर्थन प्राप्त था इसलिए राजेश शाह ने अपने बेटे को भागने में मदद की; लेकिन कहा जा रहा है कि विपक्ष के हंगामे के कारण सत्ताधारियों के लिए पिता-पुत्र मिहिर शाह और राजेश शाह को बचाना मुश्किल हो रहा है।

मिहिर शाह... (पेज १ का बाकी)

आदित्य ठाकरे ने कल नखवा परिवार के वरली स्थित निवास स्थान पर जाकर सांत्वना दी। इस बीच उन्होंने विश्वास दिलाया कि किसी भी हालत में नखवा परिवार को न्याय दिला करके ही रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हम नखवा परिवार के साथ हैं। इस दौरान उनके साथ विधायक असलम शेख, पूर्व उपमहापौर हेमांगी वरलीकर आदि उपस्थित थे। इस बीच मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वरली की घटना दिल दहला देने वाली है। उन्होंने कहा कि यदि राक्षस मिहिर रुका होता तो यह दुर्घटना टल गई होती। लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। उसकी इस राक्षसी प्रवृत्ति के कारण अकारण ही एक जान चली गई। इसका गुस्सा और घर के सदस्य के जाने का दुख नखवा परिवार की आंखों में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। मिहिर एक राक्षस है। सीसीटीवी पूरा है, इंटेलिजेंस है फिर आरोपी को गिरफ्तार करने में ६० घंटे क्यों लगे? इस तरह का सवाल भी आदित्य ठाकरे ने खड़ा किया। उन्होंने पूछा कि अगली कार्रवाई कब करेंगे? बार पर कार्रवाई करनेवाला प्रशासन क्या राजेश शाह के घर पर बुलडोजर चलाएगा?

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

एईएम/ओडी/925/ दि.10.07.2024

दरपत्रक सूचना

सहाय्यक.आर/दक्षिण प्रभागाके महापालिका आयुक्त आर/दक्षिण में कांदिवली (पूर्व) के आर/एस प्रभाग कांदिवली (पूर्व) के बीट क्र. 23,24,25 और 26 में सभी सडकों के एलिमेंट जांज के लिए संस्थाकी नियुक्ती के लिए मुहोरबंद दरपत्रक की मांग कर रहे है. दरपत्रक सहाय्यक महापालिका आयुक्त आर/दक्षिण के नाम होनी चाहीए और उसपर आर/एस प्रभाग कांदिवली (पूर्व) कें बीट क्र. 23,24,25 और 26 में सभी सडकों के एलिमेंट जांज के लिए संस्थाकी नियुक्ती ऐसा लिखे.

अनु क्र.	कार्य का नाम	बकाया राशी (रु.)	छाननी शुल्क (रु.)	अर्ज बिक्री से शूरु	जमा करने के लिए देय दिनांक
1	आर/एस प्रभाग कांदिवली (पूर्व) के बीट क्र. 23,24,25 और 26 में सभी सडकों के एलिमेंट जांज के लिए संस्थाकी नियुक्ती	रु. 14,500/-	1320/- + 18% जीएसटी (237.60/-) = कुल 1557.60/- याने 1558/-	11.07.2024 के दिन 11.00 बजे से 17.07.2024 के दिन दो. 1.00 बजे तक	17.07.2024 के दिन दो 1.00 बजे तक

नियम और शर्तो के साथ ब्लांक अर्ज एच.सी. (ईएक्सपी) से खरी करके एच.सी. (ईएक्सपी) उपरयुक्त दिए गये पत्तेपर 11.07.2024 के दिन सुबह 11:00 से 17.07.2024 के दिन 01:00 बजे तक रु. 1558/- चा भूक्तान करके (छुट्टी के दिन छोड) प्राप्त किए जा सकते हें

ईओआय जमा (बकाया) रु. 14,500/- उपर दिए गये पत्तेपर जमा किए दिनांक के पहिले नगद/ डिमांड ड्राफ्ट का भूक्तान करणा जरुरी हें. बकाया राशी चेक के स्वरूपमें स्वीकार नही की जाएगी सभी जरुरी कागदपत्रोकेसाथ लाखसे मोहरबंद किए गये अर्ज 11.07.2024 के दिन सुबह 11:00 से 17.07.2024 के दिन 01:00 बजेतक स्वीकार किया जायेगे.

लाखसे पुरी मोहरबंद की गई निविदा 17.07.2024 के दिन दोपहर 01:00 बजे तक जमा करे और उसी दिन 18.07.2024 के दिन दोपहर 1.00 बजे खुली जाऐंगी.

सहाय्यक आयुक्त आर/दक्षिण प्रभाग कोई वजह दिए बगैर कोई भी तथा सभी ईओआय सूचना में बदल करणेके तथा रद्द करणेके अधिकार रखते हें.

पीआरओ/464/जाही/2024-25

सही/-
सहाय्यक अभियंता
आर/एस आयसी

स्वमर्जीने औषधोपचार करू नका

दोपहर का सामना
www.hindisaamana.com
epaper.hindisaamana.com
गुरुवार ११ जुलाई २०२४ 3

नशे में था मिहिर शाह!

ब्लड रिपोर्ट पॉजिटिव न आए इसीलिए उसे किया गया था फरार

संजय राऊत का सनसनीखेज आरोप

सामना संवाददाता / मुंबई

वरली हिट एंड रन मामले में घाती सरकार आरोपी मिहिर शाह को बचाने की कोशिश कर रही है। दुर्घटना के समय मिहिर ड्रग्स के नशे में था। उसके द्वारा किया गया नशा रिकॉर्ड पर और पॉजिटिव न आ सके इसलिए उसे तीन दिनों तक फरार रखा गया। इस तरह का खनसनीखेज आरोप शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता व सांसद संजय राऊत ने कल लगाया। संजय राऊत ने आगे कहा कि संदेह की सुई मुंबई पुलिस पर भी जा रही है।

मीडिया से बातचीत में संजय राऊत ने वरली के हिट एंड रन मामले पर सरकार पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि यह सामान्य मामला नहीं है। पुणे के पोर्शे कार मामले में अग्रवाल परिवार की तरह ही यह भी नेता फैमिली है। संजय राऊत ने कहा कि मिहिर को पहले दिन से ही बचाने की कोशिश हो रही है। उनका अंडरवर्ल्ड से संबंध है क्या? इतनी महंगी कार कहां से आती है? ये संपत्ति कहां से आई? इसका हिसाब मुंबई पुलिस को अब करना पड़ेगा। वे मुख्यमंत्री के नजदीकी कैसे हुए? इस तरह के सवाल संजय राऊत ने किया। बोरीवली पुलिस थाने में जाकर सभी रिकॉर्ड चेक करने पर राजेश शाह कौन है, ये पता चल जाएगा। उन्होंने पुलिस आयुक्त से आग्रह किया कि राजेश शाह का रिकॉर्ड सभी के सामने लाएं।

विधान परिषद में क्रॉस वोटिंग का भय सत्ताधारियों को ही

विधान परिषद के चुनाव को लेकर संजय राऊत ने कहा कि क्रॉस वोटिंग का सबसे ज्यादा भय सत्ताधारियों को ही है। विधान परिषद का मतदान राज्यसभा की तरह खुला होना चाहिए। इस तरह का रुख हमेशा से महाविकास आघाड़ी का रहा है। विधान परिषद में प्रज्ञा सातव, जयंत पाटील और मिलिंद नार्वेकर आघाड़ी के तीनों प्रत्याशी चुने जाएंगे। इस तरह का विश्वास भी संजय राऊत ने व्यक्त किया। घोड़ा बाजार रोकना है तो महायुति अपने प्रत्याशी को पीछे ले, क्योंकि घाती गुट के पास इतने मत नहीं हैं कि उसका दूसरा प्रत्याशी चुनकर आ सके। इस तरह की तीखी प्रतिक्रिया भी इस दौरान उन्होंने दी।

सड़कों पर उतरकर मुख्यमंत्री और पुलिस से मांगें जवाब

संजय राऊत ने गुस्सा जताते हुए कहा कि मिहिर नशे में एक निरपराध महिला को कुचल दिया। एक बार नहीं, बल्कि कई बार कुचलते रहा। सड़क पर फेंककर फिर से कुचला। यह बहुत ही अमानवीय कृत्य है। संजय राऊत ने कहा कि ऐसा निर्दयी व्यक्ति कानून के शिकंजे से नहीं छूटना चाहिए और यदि वह छूटता है तो सड़क पर उतरकर लोगों को जवाब मांगना चाहिए। मुंबई पुलिस और मंत्रालय में बैठे मुख्यमंत्री से पूछना चाहिए।

शिवसेना के आगे झुकी सरकार!

सामना संवाददाता / मुंबई

प्रसूति गृह में मां-बच्चे की मौत की जांच का दिया आदेश

भांडुप में मनपा के सुषमा स्वराज प्रसूति गृह में सिजेरियन सेक्शन के दौरान मां और बच्चे की मौत की घटना की नए सिरे से जांच की जाएगी। इस तरह का आश्वासन शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की मांग पर सरकार ने कल दिया। इस संबंध में शिवसेना विधायक रमेश कोरगांवकर ने विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव रखा था। शिवसेना की मांग के आगे सरकार ने झुकते हुए नए सिरे से जांच का आदेश दिया है।

यह घटना २९ अप्रैल २०२४ को हुई थी। सैदुनिसार अंसारी का सिजेरियन सेक्शन चल रहा था, तभी प्रसूति वॉर्ड में बिजली चली गई थी। उस समय जेनरेटर भी बंद था। डॉक्टरों ने बैटरी की रोशनी में ऑपरेशन किया था। इस बीच सर्जरी के दौरान ही बच्चे की मौत हो गई थी। इस बीच अत्यधिक रक्तस्राव के कारण सायन अस्पताल में सैदुनिसार की भी मृत्यु हो गई थी। इसके बाद जांच समिति ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी थी, लेकिन समिति ने सर्जरी करने वाले दोनों डॉक्टरों की गलती नहीं पाई और किसी को दोषी नहीं ठहराया। इसके बाद विधायक कोरगांवकर ने सवाल उठाया कि इन मौतों का जिम्मेदार कौन है।

मनपा अस्पतालों में ऐसी असुविधाओं के कारण मृत्यु होना अत्यंत गंभीर है, इसलिए विधायक कोरगांवकर ने मांग की कि इस घटना की दोबारा जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो इसके लिए भी उपाय किए जाएं। उन्होंने यह भी बताया कि भांडुप में सावित्रीबाई फुले प्रसूति गृह भी मरम्मत के लिए बंद कर दिया गया, जिससे नागरिकों को असुविधा हो रही है।

शिंदे-दादा गुट में खटपट!

पुणे की तीनों सीटों पर शिंदे गुट का दावा

सामना संवाददाता / मुंबई

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के बाद सभी पार्टियां विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई हैं। शिंदे गुट और अजीत पवार गुट में आगामी विधानसभा चुनाव में सीटों को लेकर अभी से खटपट शुरू हो गई है। यानी दोनों गुट आमने-सामने आ गए है। शिंदे गुट, दादा गुट की अधिकृत वाली सीट वडगांवशेरी और हडपसर विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए कह रहा है।

पुणे के शिंदे गुट के नेता नाना भांगिरे ने कहा कि हमने पार्टी नेतृत्व से कहा है कि पुणे में आठ विधानसभा सीटें हैं और इनमें से कम से कम ३ सीटों पर हमें चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हडपसर, वडगांवशेरी और खडकवासला सीटों पर शिंदे गुट की अच्छी पकड़ है इसलिए पार्टी को सीट बंटवारे में ये सीटें मिलनी चाहिए। भांगिरे ने कहा कि सीट बंटवारे के तहत कोई भी प्रत्याशी मैदान में उतरे, पार्टी महायुति के उम्मीदवार के लिए ही काम करेगी।

नाना भांगिरे ने कहा कि शहर में अपनी ताकत के बावजूद शिंदे गुट ने शहर में किसी भी सीट पर चुनाव नहीं लड़ा, वहीं अलायंस के दूसरे सहयोगियों को आठ सीटों पर चुनाव लड़ने दिया। उन्होंने कहा कि इस बार पार्टी को कम से कम तीन सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए। यहां पर पार्टी की पकड़ काफी मजबूत है। भांगिरे ने कहा कि एकनाथ शिंदे ने अभी हुए लोकसभा चुनाव के दौरान महायुति के साथी उम्मीदवारों को काफी वोट दिए हैं और विधानसभा चुनाव की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं।

मराठा- ओबीसी आरक्षण मुद्दे को लेकर

दोनों सदनों में हंगामा

● हंगामे में अनुपूरक मांगें और विधेयक पास

सामना संवाददाता / मुंबई

विधानमंडल में कल मराठा-ओबीसी आरक्षण को लेकर जमकर हंगामा हुआ। हंगामे के कारण विधानसभा का कामकाज चार बार स्थगित करना पड़ा। वहीं हंगामे के बीच सत्ता पक्ष ने अनुपूरक मांग सहित चार विधेयक पास कर दिए। विधानसभा की नियमित कार्यवाही कल ११ बजे शुरू हुई। प्रश्नोत्तर काल समाप्त होने के बाद भाजपा के अमित साटम खड़े हुए और मराठा-ओबीसी आरक्षण पर सर्वदलीय बैठक में महाविकास आघाड़ी के सदस्यों की अनुपस्थिति का मुद्दा उठाया। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने महाविकास आघाड़ी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। एक तरफ जहां सत्ताधारी सदस्यों की तरफ से जमकर हंगामा शुरू था,वहीं दूसरी तरफ विपक्ष के सदस्य शांत बैठे हुए थे। सत्ता पक्ष के सदस्यों को जवाब देने के लिए विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार खड़े हुए थे, लेकिन सत्ता पक्ष के विधायकों की नारेबाजी जारी रही। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सत्ता पक्ष के सदस्यों से शांत रहने और विपक्षी नेताओं की बात सुनने की अपील की। इस बीच विजय वडेट्टीवार ने सत्ता पक्ष के हंगामें के बीच अपने भाषण की शुरुआत की।

महायुति ने ही पैदा किया तनाव

महायुति ने ही मराठा और ओबीसी समाज के बीच दरार पैदा की। अब यह साफ हो गया है कि यह सरकार आरक्षण के मुद्दे का समाधान नहीं करना चाहती। उम्मीद थी कि सरकार सदन में अपनी स्थिति स्पष्ट करेगी, ताकि जनता को आरक्षण के बारे में जानकारी मिल सके। लेकिन सरकार जनता को अंधेरे में रखना चाहती है इसलिए सरकार आरक्षण मुद्दे पर सदन में नहीं बोलती। सरकार आरक्षण मुद्दे का समाधान नहीं करना चाहती इसलिए महायुति को सत्ता से बाहर हो जाना चाहिए। विजय वडेट्टीवार ने कहा कि हम भ्रष्टाचार और घोटालों को सामने ला रहे हैं। इसलिए सरकार भ्रम पैदा कर काम रोकने की कोशिश कर रही है। सत्ताधारियों के हंगामे में विपक्षी दल के नेताओं के भाषण शुरू थे। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने बार-बार सत्ता पक्ष से शांत रहने की अपील की। सत्ता पक्ष की बात नहीं सुनने पर स्पीकर ने पहले सत्र में सदन की कार्यवाही क्रमशः पांच मिनट, दस मिनट, ४५ मिनट फिर बीस मिनट के लिए स्थगित कर दी। इसके बाद जैसे ही कामकाज दोबारा शुरू हुआ, वित्त मंत्री अजीत पवार ने अनुपूरक मांगे और चार विधेयक मंजूरी के लिए पेश किए। तभी फिर से सत्ता पक्ष के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया, हंगामें के बीच अनुपूरक मांगें और विधेयक पारित हो गए। इसके बाद पीठासीन अध्यक्ष संजय शिरसाट ने सदन को दिन्सभर के लिए स्थगित कर दिया।

महायुति के पास २०० से अधिक विधायक होने के बावजूद सरकार आरक्षण मुद्दे का समाधान नहीं कर रही है, उल्टे सदन में अव्यवस्था के कारण काम रोका जा रहा है। विपक्ष को सदन में बोलने की इजाजत नहीं है, क्योंकि इससे महायुति की पोल खुल जाएगी।

- विजय वडेट्टीवार, विधानसभा में विपक्ष के नेता

कम से कम विपक्षी दल के नेताओं की बात तो सुनें। शांत बैठे। ये सही बात नहीं है। आसन पर बैठे रहिए। विपक्षी दल के नेताओं की बात सुनें। कार्य स्थगित करना पड़ रहा है।

-राहुल नार्वेकर, विधानसभा अध्यक्ष

बाबा है कि मानते नहीं!

■ मुंबई हाई कोर्ट के आदेश का किया उल्लंघन तो लगा ५० लाख का दंड
■ रोक के बाद भी दूसरी कंपनी के कॉपीराइट वाले कपूर बेच रही थी पतंजलि

सामना संवाददाता / मुंबई

बाबा रामदेव को बार-बार कोर्ट से फटकार सुनने को मिल रही है पर बाबा हैं कि मानते ही नहीं। अब मुंबई हाई कोर्ट ने बाबा पर ५० लाख का जुर्माना लगा दिया है। असल में बाबा ने कोर्ट का आदेश नहीं माना और एक कंपनी के कॉपीराइट वाले कपूर को अपनी कंपनी के नाम से बेच रहे थे। इससे नाराज हाई कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद को ५० लाख रुपए जमा करने का आदेश दिया है।

बता दें कि मंगलम ऑर्गेनिक्स लि. ने दावा किया था कि पतंजलि उनके कपूर उत्पादों की कॉपीराइट का उल्लंघन कर रही है। अगस्त २०२३ में हाई कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश दिया था, जिसमें पतंजलि आयुर्वेद को अपने कपूर उत्पादों को बेचने से रोक दिया गया था। जस्टिस आरआई चागला की सिंगल बेंच ने कहा कि पतंजलि ने जून में दाखिल हलफनामे में माना है कि उसने पहले वाले आदेश का उल्लंघन किया है, जो कपूर उत्पादों की बिक्री को रोकने के लिए दिया गया था। जज चागला ने आदेश में कहा, '३० अगस्त २०२३ के कोर्ट के आदेश का लगातार उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।' अदालत ने कहा कि अवमानना या आदेश तोड़ने के लिए आदेश पारित करने से पहले पतंजलि को ५० लाख रुपए जमा करने का निर्देश देना उचित होगा। हाई कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई १९ जुलाई को तय की है। अगस्त २०२३ में हाई कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश दिया था, जिसके तहत पतंजलि को अपने कपूर उत्पादों को बेचने या उनका विज्ञापन करने से रोक दिया गया था। मंगलम ऑर्गेनिक्स नाम की कंपनी ने पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ मुकदमा दायर किया था, जिसमें दावा किया गया था कि पतंजलि उनके कपूर उत्पादों के कॉपीराइट का उल्लंघन कर रही है। बाद में मंगलम ऑर्गेनिक्स ने एक आवेदन दायर किया, जिसमें कहा गया था कि पतंजलि आदेश का उल्लंघन कर रही है, क्योंकि वह कपूर उत्पाद बेच रही है। हाई कोर्ट ने जून २०२४ में पतंजलि के डायरेक्टर रजनीश मिश्रा द्वारा दायर हलफनामे का संज्ञान लिया। हलफनामे में मिश्रा ने बिना किसी शर्त माफी मांगी और कहा कि वह हाई कोर्ट के आदेशों का पालन करेंगे।

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
गुरुवार ११ जुलाई २०२४
8

महाराष्ट्र में मौसमी बीमारियों का तिहरा अटैक

मलेरिया बन रहा मारक, डेंगू मार रहा डंक

- चुनौती खड़े कर रहा जीका
- फिर भी शिंदे सरकार है सोई

सामना संवाददाता / मुंबई

महाराष्ट्र में झमाझम बारिश हो रही है। यह बारिश कई तरह की मौसमी बीमारियों को भी अपने साथ लाई है। मौजूदा स्थिति ऐसी है कि महाराष्ट्र की जनता पर मौसमी बीमारियों का तिहरा अटैक हुआ है। एक तरफ जहां डेंगू डंक मार रहा है, तो वहीं मलेरिया भी मारक होता जा रहा है। इसके साथ ही अब जीका ने भी चुनौती खड़ी कर दी है। इसके बावजूद शिंदे सरकार न केवल सोई हुई है, बल्कि इस तिहरे अटैक को कंट्रोल करने में भी कोताही बरतती हुई दिखाई दे रही है।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में दमदार बारिश हो रही है। इसके साथ ही मच्छरजनित बीमारियां भी बढ़ने लगी हैं। इस वर्ष अब तक मलेरिया के ३,०६२, डेंगू के १,७५५ मामले सामने आए हैं। इस बीच जीका ने अब अपना सिर उठा लिया है। पुणे में जीका के मरीजों की संख्या १२ तक पहुंच गई है, जिनमें पांच गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, राज्य में मलेरिया के कुल रोगियों में से ८० फीसदी मरीज मुंबई और गढ़चिरौली जिलों से हैं। सबसे ज्यादा १,३२४ मरीज मुंबई, जबकि १,१४२ मरीज गढ़चिरौली जिले में सामने आए हैं। इन दोनों जिलों की तुलना में अन्य जिलों में मरीजों की संख्या कम है। पिछले साल राज्य में अब तक २,२३० मलेरिया के मरीज सामने आए थे। पिछले साल की तुलना में इस साल मलेरिया के मरीजों की संख्या में ४० फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

डेंगू मरीजों की संख्या में डेढ़ गुना बढ़ोतरी

इस साल राज्य में डेंगू के १,७५५ मामले सामने आए हैं, जबकि पिछले साल यह संख्या १,२३७ थी। इसके साथ ही डेंगू के १ लाख २७ हजार १४० संदिग्ध मामले पाए गए। पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या ८१,७३१ थी। इस वर्ष निदान किए गए डेंगू मरीजों की संख्या १ हजार ७५५ है। इस साल मरीजों की संख्या पिछले साल से डेढ़ गुना ज्यादा है। राज्य में पालघर जिले में डेंगू के सबसे अधिक १७४ मामले हैं। उससे बाद कोल्हापुर में ११७, अकोला में ७१, नांदेड़ में ५८, सोलापुर में ५१ मरीज मिले हैं। राज्य के मनपाओं में मुंबई मनपा क्षेत्र में सबसे ज्यादा २८५ मरीज मिले हैं। उसके बाद नासिक मनपा क्षेत्र में ७९, कोल्हापुर मनपा क्षेत्र में ४५, सांगली मनपा क्षेत्र में ४१ और पनवेल मनपा क्षेत्र में ३८ मरीज मिले हैं।

जीका की चुनौती

पुणे में जीका के १६ मरीज मिले हैं। इनमें से पांच गर्भवती समेत ११ महिलाएं शामिल हैं। इस बीमारी का खतरा मुख्य रूप से गर्भवती महिला और उसके गर्भस्थ शिशु को होता है। पुणे के अलग-अलग हिस्सों में मरीज मिल रहे हैं। इसके चलते स्वास्थ्य विभाग ने इस क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं की जांच का अभियान चलाया है। शहर के विभिन्न हिस्सों में जीका फैलने से स्वास्थ्य प्रणाली को भी इसे रोकने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

सरकार है लापरवाह

बताया गया है कि मलेरिया के मरीज बढ़ने की आशंका है। राज्य में कुल मरीजों की संख्या का ३६ प्रतिशत गढ़चिरौली में पाए जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अधिकारियों ने मुंबई में कीटजनित बीमारियों की समीक्षा की थी। इसमें पता चला कि ये बीमारी भी बढ़ती जा रही है। इस पृष्ठभूमि में स्वास्थ्य विभाग ने मुंबई और गढ़चिरौली में मलेरिया के प्रसार को रोकने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाया है। इसके तहत स्थानीय प्रशासन के साथ स्वास्थ्य विभाग द्वारा युद्धस्तर पर निवारक उपाय लागू किए जा रहे हैं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सार्वजनिक आरोग्य विभाग

इन्फोर्मेशन एज्युकेशन और कम्युनिकेशन सेल

क्र. एचओ /114/आयईसी सेल दि. 10.07.2024

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (एमसीजीएम) के आयुक्त ई-निविदा नीचे दिये गये कार्य के लिये लिफाफा ए, बी और सी पद्धती में शतमान दर के आधार पर मांग रहे है.

विभाग	सार्वजनिक आरोग्य विभाग
उप विभाग	इन्फोर्मेशन एज्युकेशन और कम्युनिकेशन सेल
बोली क्र	2024_एमसीजीएम_1049601
विषय	एचबीटी क्लिनिक के लिये सिटीजन चार्टर सनबोर्ड बनाना और स्थापित करना
निविदा बिक्री	08.07.2024 के दिन 17.00 बजे से
	26.07.2024 के दिन 12.15 बजे
सादरीकरण दिनांक और समय	26.07.2024 के दिन 12.15 बजे
पूर्व बोली बैठक	---
बोली खुलने का दिनांक	30.07.2024 के दिन 12.15 बजे
संकेतस्थळ	**www.portal.mcgm.gov.in**
संपर्क व्यक्ती	नाव : डॉ. सचिन भोसले सहाय्यक आरोग्य अधिकारी (आयईसी सेल) कार्यालय क्र. 022 24125569 मोबाईल क्र. 9920759833 ई – मेल **ahoieccell2021gmail.com**

पीआरओ/450/जाही/2024-25

सही/-

सहाय्यक आरोग्य अधिकारी

(आयईसी)

वेळेत निदान, वाचवी प्राण

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

घन कचरा व्यवस्थापन

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) "भूस्खलन आपदा से निपटने के लिए मानसून अवधि के दौरान ग्रेटर मुंबई के पूर्वी उपनगरों में तैनात एनडीआरएफ टीम के उपयोग के लिए किराए पर 2 सूमो या समकक्ष प्रकार के वाहन की तैनाती के लिए ऑनलाइन बोलियां आमंत्रित करता है।"

बोलियां ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम से डाउनलोड की जा सकती हैं महाराष्ट्र सरकार (महाटेंडर्स) (http://mahatenders.gov.in) से तथा बीएमसी के पोर्टल http://portal.mcgm.gov.in से "ई-प्रोक्योरमेंट" सेक्शन के तहत भी टेंडर कॉपी डाउनलोड की जा सकती है।

बोली प्रारंभ होने की तिथि और समय 10.07.2024 पूर्वाहन 11:00 बजे के बाद है। और बोली समाप्ति तिथि 16.07.2024 अपराहन 04.00 बजे तक है।

इच्छुक बोलीदाताओं को निविदा के अधिक विवरण के लिए http://mahatenders.gov.in पर महाटेंडर पोर्टल पर जाना होगा। बोली दस्तावेज़ डाक द्वारा जारी या प्राप्त नहीं किया जाएगा।

पीआरओ/460/जाही/2024-25

सही/-

कार्य. अभि. ट्रान्सपोर्ट (शहर)

वेळेत निदान, वाचवी प्राण

शिवसेना ने सौंपा सहायक आयुक्त को पत्र

बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराएं

सामना संवाददाता / नालासोपारा

वसई-विरार शहर महानगरपालिका वॉर्ड समिति 'एच' में बुनियादी सुविधाओं के लिए शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के एक प्रतिनिधिमंडल ने वॉर्ड के सहायक आयुक्त निलेश म्हात्रे से मुलाकात की और एक निवेदन पत्र दिया है।

इसके माध्यम से वॉर्ड की दैनिक सफाई, लंबित नल कनेक्शन, सीवरेज मरम्मत, अवैध पार्किंग, वरिष्ठ नागरिकों के लिए बैठक व्यवस्था और उद्यान रखरखाव आदि नागरिक मुद्दों और आवश्यकताओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर महिला जिलाध्यक्ष किरण चेंदवणकर, वसई विधानसभा संगठक विनायक निकम, वसई शहरप्रमुख संजय गुरव, उपजिलाप्रमुख राजाराम बाबर, जिलासचिव मिलिंद खानोलकर, भरत पाटील, शशि शर्मा, सुनील मुले और जसिंटा फिंच आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

साइबर क्राइम अलर्ट पर विशेष सेमिनार

एचएसएनसी यूनिवर्सिटी मुंबई का आयोजन

सामना संवाददाता / मुंबई

एचएसएनसी यूनिवर्सिटी, मुंबई के तत्वावधान में आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की लेडीज विंग की आमची मुंबई सेफ मुंबई समिति के सहयोग से 'साइबर क्राइम अलर्ट' पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया

गया। जागरूकता परक इस कार्यक्रम में एचएसएनसी विश्वविद्यालय, मुंबई के शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस सेमिनार में सम्मानित अतिथि के रूप में संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) सत्यनारायण चौधरी शामिल हुए। इस दौरान आईएमसी लेडीज विंग की अध्यक्ष ज्योति दोषी, आमची मुंबई, सुरक्षित मुंबई समिति की अध्यक्ष भारती गांधी, सह-अध्यक्ष रीना रूपानी, विश्वविद्यालय के डीन, निदेशक एवं संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित थे। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए एचएसएनसी विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. हेमलता बागला ने लगातार विकसित हो रहे प्रौद्योगिकी परिदृश्य के अनुकूल परिवर्तनकारी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया। इसी क्रम में संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) सत्यनारायण चौधरी ने कहा कि 'पिछले चार वर्षों में साइबर अपराध में जबरदस्त वृद्धि हुई है।

बीएआरसी में सुरक्षा के दावों की उड़ी धज्जियां

मजदूर पर चाकू से हमला

सामना संवाददाता / पालघर

तारापुर में भाभा अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) परिसर में सुरक्षा के सभी दावों की धज्जियां उड़ गई हैं। यहां नवनिर्मित इंटिग्रेटेड न्यूक्लिअर रिसायकल प्लांट (आईएनआरपी) के परिसर में एक मजदूर द्वारा दूसरे मजदूर पर चाकू से हमले की सनसनीखेज घटना सामने आई है। हमले में मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया है। बीएआरसी परिसर में इस आईएनआरपी संयंत्र का निर्माण कुछ वर्षों से चल रहा है और इसका काम कुछ ठेकेदारों को दिया गया है। निर्माण कार्य में शामिल एक कंपनी के दो ठेका श्रमिकों के बीच बैचिंग प्लांट के पास आराम करने के लिए रखे गए कंटेनर केबिन में बहस हो गई। बुधवार दोपहर को कल्याण निवासी किसान विजय गुंजाल (२५) ने पालघर जिले के निवासी रूपेश बाबू वावरे (२३) के सीने में सब्जी काटने वाले धारदार चाकू से वार कर दिया।

सीआईएसएफ की सुरक्षा में सेंधमारी

तारापुर बीएआरसी की घटना तारापुर परमाणु ऊर्जा स्टेशन के १.६ किमी यानी एक्सक्लूजन जोन के भीतर हुई। खासतौर पर इस क्षेत्र में प्रवेश करते समय श्रमिकों और वाहनों की गहन जांच की जाती है। आईएनआरपी संयंत्र निर्माणाधीन है, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) मुख्य प्रवेश द्वार पर तैनात है और सीआईएसएफ नवनिर्मित परियोजना स्थल पर भी कड़ी नजर रखती है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के नियंत्रण वाले मुख्य प्रवेश द्वार से धारदार चाकू किसी मजदूर द्वारा ले जाने पर राष्ट्रीय महत्व के इस महत्वपूर्ण केंद्र की सुरक्षा एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है।

दोपहर का सामना
www.hindisaamana.com
epaper.hindisaamana.com
गुरुवार ११ जुलाई २०२४

गई शिवशाही आई गुंडाशाही!

शिंदे सरकार में महिलाएं और लड़कियां हो रही हैं गायब

- कानून व्यवस्था के मुद्दे पर विपक्ष आक्रामक
- विधानमंडल की सीढ़ियों पर विपक्ष का प्रदर्शन

सामना संवाददाता / मुंबई

राज्य में कानून व्यवस्था राम भरोसे है। महिलाएं असुरक्षित हैं। 'हिट एंड रन' की घटनाएं बढ़ गई हैं, लेकिन सरकार इन घटनाओं को लेकर गंभीर नहीं है, इसलिए मानसून सत्र के ग्यारहवें दिन विपक्षी दल विधानमंडल में आक्रामक हो गया। विपक्षी दल के विधायक विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

'गई शिवशाही आई गुंडाशाही' कहकर सरकार के खिलाफ महाविकास आघाड़ी के विधायकों ने विधानमंडल की सीढ़ी पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। 'किसान विरोधी सरकार का धिक्कार है, गैंगस्टरों को बढ़ावा देने वाली सरकार का धिक्कार है' महाविकास आघाड़ी के विधायकों ने विधान मंडल की सीढ़ियों पर आक्रामक तरीके से सरकार के विरोध में प्रदर्शन किया और नारे लगाए।

महिला सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं, ट्रिपल इंजन सरकार की नीतियों का कोई पता नहीं, राज्य से महिलाएं, बच्चियां गायब हो रही हैं लोगों की बदनामी करना और कुचलना यह महायुति सरकार का धंधा आदि नारे लगाकर विरोधी दलों के विधायकों ने प्रदर्शन किया। राज्य की बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर हाथ में तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

सरकार ने माना दूध में होती है मिलावट

विधानसभा में विपक्ष आक्रामक!

सामना संवाददाता / मुंबई

मुंबई सहित राज्य में दूध में हो रही मिलावट को लेकर कल विधानसभा में विपक्ष आक्रामक दिखाई दिया। विपक्ष की आक्रामकता को देखते हुए उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने सदन को आश्वस्त किया कि दूध में मिलावट करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि दूध में मिलावट करने वालों के खिलाफ फांसी की सजा का प्रावधान किया गया है। विधानसभा से यह बिल पास होकर राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा गया है। दूध की मिलावट को लेकर फांसी की सजा को राष्ट्रपति मंजूरी देंगी, इसकी संभावना कम ही दिखाई दे रही है, क्योंकि दूध में मिलावट की तुलानात्मक सजा बहुत अधिक है।

दूध में मिलावट करने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

वित्त मंत्री अजीत पवार का आश्वासन

उपमुख्यमंत्री पवार ने विधानसभा में आश्वासन दिया कि राज्य सरकार इस बात को लेकर गंभीर है कि नागरिकों को गाय-भैंस का शुद्ध दूध मिले और दूध में मिलावट करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। पवार ने कहा कि खाद्य और औषधि प्रशासन को दूध में मिलावट रोकने के लिए अत्याधुनिक तकनीक, मशीनरी और पर्याप्त जनशक्ति उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक धनराशि दी जाएगी। विधानसभा सदस्यों द्वारा पूछे गए दूध मिलावट संबंधी प्रश्न का उत्तर देते हुए अजीत पवार ने इस संबंध में की जा रही कार्रवाई की जानकारी सदन को दी।

उन्होंने कहा कि ग्राहकों को शुद्ध और मिलावट मुक्त दूध मिलना चाहिए। इस संबंध में सरकार गंभीर है और वित्त मंत्री की अध्यक्षता में, संबंधित मंत्रियों की उपस्थिति में खाद्य और औषधि प्रशासन विभाग की बैठक की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान स्थिति में दूध उत्पादकों को उनके दूध का अच्छा-खासा दाम मिलने लगा है। इस समय झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों या अन्य अज्ञात स्थानों पर कुछ व्यक्तियों द्वारा मिलावट की जा रही है। महंगे ब्रांड के दूध के पैकेटों में पानी मिलाया जा रहा है, इंजेक्शन से मिलावट जैसी अनियमितताएं की जा रही हैं। ऐसे मिलावटी दूध से बीमारियां बढ़ने के साथ ही जान को खतरा हो सकता है। ये बातें अत्यंत गंभीर हैं और राज्य सरकार इस पर अत्यंत कड़ी कार्रवाई करने की तैयारी में है। इस संबंध में आवश्यक उपाय किए जाएंगे, ऐसी जानकारी पवार ने विधानसभा में दी।

राज्य को आर्थिक अराजकता की ओर ले जा रही है सरकार

प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटील ने सरकार पर लगाया आरोप

सामना संवाददाता / मुंबई

राकांपा (शरदचंद्र पवार) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटील ने कहा कि ९४ हजार करोड़ की अनुपूरक मांगों को बिना चर्चा के मंजूरी दे दी गई। सत्ता पक्ष ने सदन में हंगामा किया और सदन स्थगित कर महाराष्ट्र पर ९४ हजार करोड़ रुपए का नया बोझ लाद दिया है। उन्होंने सरकार की इस मनमानी के लिए तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार को यह मालूम था कि विरोधी दल इस पूरक मांगों को अस्वीकार कर देगा।

सत्ता पक्ष हंगामा कर बिना चर्चा के ९४ हजार करोड़ की अनुपूरक मांगें की मंजूर

जयंत पाटील ने आगे कहा कि कल सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी। इससे पहले भी दो बैठकें हो चुकी हैं। महाविकास आघाड़ी के सभी घटक दलों ने बार-बार अपनी भूमिका स्पष्ट कर दी थी। मराठा और ओबीसी आरक्षण के संदर्भ में बैठक बुलाई गई थी। उम्मीद थी कि विधान परिषद और विधान सभा में विपक्षी दलों को ध्यान में रखते हुए ये बैठकें सर्वसम्मति से होंगी और बैठक को उचित स्वरूप दिया जाएगा। लेकिन सत्तारूढ़ दल कोई चर्चा नहीं की। सरकार ने मराठा और ओबीसी समुदाय के प्रतिनिधियों से बातचीत की। सरकार को इस बारे में कुछ निर्णय लेना चाहिए। बिना कोई ठोस निर्णय लिए यह शिकायत करने का कोई मतलब नहीं है कि विपक्ष बैठक में नहीं आया। पाटील ने कहा कि आपके पास २०६ विधायकों का बहुमत है, फिर सभागृह चलाते समय डरने की कोई बात नहीं है। जयंत पाटील ने आरोप लगाया कि कल अनुपूरक मांगों को गैरकानूनी तरीकों से मंजूर किया गया। उन्होंने कहा कि ६ लाख ७० हजार करोड़ का बजट पेश करने के बाद दूसरे मिनट में ९४ हजार करोड़ की अतिरिक्त पूरक मांगें पेश की गईं। उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की यह प्रवृत्ति महाराष्ट्र में वित्तीय अराजकता पैदा कर रही है।

‘मेघा इंजीनियरिंग कंपनी पर सरकार की ‘मेगा’ मेहरबानी!’

सामना संवाददाता / मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटील ने कल विधानसभा में बड़े घोटाले का पर्दाफाश किया है। इस बारे में बात करते हुए जयंत पाटील ने कहा कि मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रा कॉर्प प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद इस ने इलेक्टोरल बॉन्ड के लिए लगभग ५८४ करोड़ रुपए का भुगतान किया है। इस कंपनी को सतारा पंढरपुर हाईवे का करीब ९३२ करोड़ रुपए का काम मिला था। इसके लिए कंपनी ने खटाव तालुका में ५००० ब्रॉश लघु खनिजों के खनन की अनुमति मांगी। लेकिन वास्तव में २ लाख ४५ हजार ब्रॉश लघु खनिजों का खनन किया गया। इसके लिए खटाव के तहसीलदार ने करीब १०५ करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। प्रांत अधिकारी ने आदेश पारित किया कि तहसीलदार खटाव द्वारा की गई कार्यवाही नियमानुसार सही एवं वैधानिक है। लेकिन कंपनी ने प्रांत अधिकारी के आदेश के खिलाफ अतिरिक्त कलेक्टर, सतारा के पास अपील की। शासन द्वारा उपखनिज का विषय अतिरिक्त जिलाधिकारी कार्यालय में सूचीबद्ध किया गया है। जबकि सतारा कलेक्टर कह रहे हैं कि उन्होंने मामले की सुनवाई अपने पास ले ली है और नियमों के बाहर जाकर आदेश पारित किया है, तो क्या इसमें कलेक्टर की कोई रुचि थी? उन्होंने ऐसा सवाल उपस्थित किया।

जयंत पाटील ने आगे कहा कि संबंधित कंपनी द्वारा प्रस्तुत हलफनामे में यह स्वीकार किया गया है कि ड्रोन सर्वेक्षण से पता चला है कि १ लाख ८५ हजार ब्रॉश का खनन किया गया था। इसके बावजूद कलेक्टर ने कंपनी का जुर्माना माफ कर दिया है। कुल मिलाकर तत्कालीन कलेक्टर सातारा की इस मामले में कोई व्यक्तिगत रुचि है क्या? इस तरह के अवैध आदेश पारित करने से लाभ हुआ है क्या? उन्होंने मांग की कि सरकार इस संबंध में जांच का आदेश दे।

सरकार हो रही है दिवालिया

दादा की ‘दादागीरी’ हो रही है कम!

अजीत पवार पर विपक्ष ने कसा तंज

सामना संवाददाता / मुंबई

राज्य में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की धाक ऊर्फ ‘दादागीरी’ कम हुई है, ऐसा तंज कसते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नाना पटोले ने सदन में अजीत पवार को विधानसभा में घेरा। नाना पटोले ने कहा कि इन दिनों दादा के आदेश देने के बावजूद उनके निर्देशों को लागू नहीं किया जाता है। अधिकारी अब दादा अजीत पवार की नहीं सुनते हैं, दाल में कुछ काला जरूर है जो अजीत पवार दादा की ‘दादागीरी’ कम हो रही है।

उन्होंने कहा कि हमने दो दिन पहले वित्त मंत्री अजीत पवार के साथ बैठक की थी। उन्होंने नियोजन विभाग को भी निर्देश दिए, लेकिन उसे लागू नहीं किया गया है। मैं इस गंभीर बात को सदन के माध्यम से सरकार तक पहुंचाना चाहता हूं। राज्य सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों का कहीं भी अनुपालन नहीं हो रहा है। सदन में चर्चा के दौरान नाना पटोले ने कहा कि अतिरिक्त मांगें आने का सिलसिला अब भी जारी है। अनुमान है कि ९४ हजार करोड़ की अतिरिक्त मांग हो सकती है। लेकिन जो मांग मंजूर हुई है उसे लागू कब किया जायेगा? उन्होंने कहा कि सदन में एक से ज्यादा वित्त मंत्री बैठे हैं। सरकार अब जो संकेत दे रही है उसका मतलब है कि दाल में कुछ काला है। ऐसा लग रहा है कि सरकार दिवालिया हो रही है।

महायुति को टेंशन!

दो दल होंगे जुदा, बनाएंगे नया गठबंधन

सामना संवाददाता / मुंबई

लोकसभा चुनाव में भाजपा की हार के बाद से उसके गठबंधन दलों में हलचल मच गई है। महाराष्ट्र में महायुति को मिली शिकस्त के बाद तो महायुति में दरार बढ़ गई थी। अब उसमें फूट पड़ने की खबर आ रही है। महायुति के सहयोगी दलों में से दो दल अब अलग होकर नए मोर्चे की तैयारी में हैं, जिससे महायुति को एक और झटका लगने वाला है। सूत्रों के अनुसार, महायुति से बच्चू कडू के प्रहार संगठन और संभाजी राजे छत्रपति की स्वराज्य पार्टी अलग होकर नया गठबंधन बनाने की तैयारी में हैं। महाविकास आघाड़ी की गलत नीतियों के चलते परेशान बच्चू कडू और संभाजी राजे छत्रपति के साथ किसान स्वाभिमान संगठन के रविकांत तुपकर और आम आदमी पार्टी एक साथ आएगी। ये चारों दल मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। ऐसे में महायुति की टेंशन बढ़ गई है। लोकसभा से भी खराब परफॉर्मेंस महायुति की विधानसभा में होने की संभावना जताई जा रही है।

बता दें कि राज्य के तमाम दल विधानसभा चुनाव के लिए कमर कस रहे हैं, लेकिन इस बीच महायुति के दो दल उससे अलग हो रहे हैं। ये दोनों दल महाराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों में मजबूत पकड़ रखते हैं। महायुति से अलग होकर ये लोग महाराष्ट्र में अब तीसरा गठबंधन बना रहे हैं। इसमें आम आदमी पार्टी और किसान स्वाभिमान संगठन भी शामिल होगी। बताया जा रहा है कि जल्द ही बच्चू कडू और संभाजी राजे एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और विधानसभा चुनाव को लेकर आधिकारिक घोषणा करेंगे, इसलिए राज्य में जल्द ही महायुति और मविआ के बाद तीसरा गठबंधन बन सकता है। जब बच्चू कडू से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने जवाब दिया कि अगर मुख्यमंत्री से सकारात्मक चर्चा नहीं हुई तो वह अलग फैसला लेंगे। साथ ही रविकांत तुपकर ने कहा कि तीसरे मोर्चे का विकल्प अच्छा हो सकता है।

बच्चू कडू ने बढ़ाया महायुति का तनाव

महायुति के घटक दल प्रहार जन शक्ति संगठन के नेता बच्चू कडू ने महायुति की टेंशन बढ़ा दी है। बच्चू कडू ने विधानसभा चुनाव में अकेले २० सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। चर्चा यह भी है कि बच्चू कडू महायुति से नाखुश हैं। बच्चू कडू ने विधानसभा में एकला चलो चा... का नारा दिया है। अपने दम पर विधानसभा चुनाव लड़ने पर फैसला लेने के लिए बैठक बुलाई है।

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
गुरुवार ११ जुलाई २०२४ ६

भाजपा राज में बाहर के लोगों ने मुनाफा के लिए की खरीदी

अयोध्या में अरबों का भूमि घोटाला

अखिलेश यादव ने की जांच की मांग

सामना संवाददाता / लखनऊ

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि अयोध्या में अरबों रुपए के भूमि घोटाले हुए हैं। यहां पर भू-माफियाओं ने जमीनें खरीदी हैं। उन्होंने मांग की है कि इसकी जांच की जानी चाहिए। सोशल मीडिया साइट एक्स पर उन्होंने लिखा कि जैसे-जैसे अयोध्या की जमीन के सौदों का भंडाफोड़ हो रहा है, उससे ये सच सामने आ रहा है कि भाजपा राज में अयोध्या के बाहर के लोगों ने मुनाफा कमाने के लिए बड़े स्तर पर जमीन की खरीद-फरोख्त की है।

- **07** सालों से नहीं बढ़ा सर्किल रेट
- स्थानीय लोगों के खिलाफ आर्थिक षड्यंत्र
- विकास के नाम पर हुई भारी 'धांधली'

भाजपा सरकार द्वारा पिछले सात सालों से सर्किल रेट न बढ़ाना, स्थानीय लोगों के खिलाफ एक आर्थिक षड्यंत्र है। इसकी वजह से अरबों रुपए के भूमि घोटाले हुए हैं। यहां आस्थावानों ने नहीं, बल्कि भू-माफियाओं ने जमीनें खरीदी हैं। इन सबसे अयोध्या-फैजाबाद और आसपास के क्षेत्र में रहनेवालों को इसका कोई भी लाभ नहीं मिला। गरीबों और किसानों से औने-पौने दाम पर जमीन लेना, एक तरह से जमीन हड़पना है। हम अयोध्या में तथाकथित विकास के नाम पर हुई 'धांधली' और भूमि सौदों की गहन जांच और समीक्षा की मांग करते हैं।

अयोध्या में हुए भूमि सौदों की जांच की जाए। इन सौदों में अरबों का घोटाला हुआ है। अयोध्या में हुए भूमि सौदों की समीक्षा की जाए। जांच के बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। इन सौदों में भाजपा नेताओं की भी संलिप्तता है। जांच हुई तो कई चेहरे बेनकाब हो जाएंगे।

-अखिलेश यादव, पूर्व मुख्यमंत्री

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने खोली पोल

मंत्रियों की जासूसी करवा रहा भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व

नौकरशाही हावी होने के कारण मंत्रियों की कोई भूमिका नहीं

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व पर आरोप लगाते हुए कहा है कि वो प्रदेश में कैबिनेट मंत्रियों की जासूसी करवा रहा है। उन्होंने कहा कि विशेष सहायक, मंत्रियों की जासूसी कर इसकी रिपोर्ट दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व को भेज रहे हैं। डोटासरा ने जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक के बाद कहा कि नौकरशाहों के हावी होने के कारण मंत्रिमंडल में मंत्रियों की कोई भूमिका नहीं रह गई है। विशेष सहायक भी उनके आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे उनकी गतिविधियों और फाइलों के बारे में मुख्य सचिव और दिल्ली में पार्टी नेतृत्व को रिपोर्ट करने के लिए उनकी जासूसी कर रहे हैं।

यह लोकतंत्र का अपमान है कि कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को भेजा, लेकिन वह इसे स्वीकार या अस्वीकार नहीं कर सके। क्या कृषि बजट के संबंध में मीणा से चर्चा की गई या उनके सुझाव लिए गए थे?

-गोविंद सिंह डोटासरा, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

मोदी का मिशन, बेरोजगार रहें युवक

मल्लिकार्जुन खरगे ने की केंद्र सरकार की तीखी आलोचना

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्र की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि युवाओं को बेरोजगार बनाए रखना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का एकमात्र मिशन है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक लंबी पोस्ट में कहा, 'मोदी सरकार, भले ही बेरोजगारी पर सिटी ग्रुप जैसी स्वतंत्र आर्थिक रिपोर्ट्स को खंडन कर रही हो, लेकिन वो सरकारी आंकड़ों को कैसे नकारेगी?'

उन्होंने आगे लिखा, 'सच ये है कि पिछले १० साल में करोड़ों युवाओं के सपनों को चकनाचूर करने की जिम्मेदार केवल मोदी सरकार है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने हाल में जारी ताजा सरकारी डेटा का हवाला देते हुए इसे सरकार के दावों की पोल खोलने वाला सच बताया। उन्होंने कहा, 'ताजा आंकड़ों में एनएसएसओ के सर्वेक्षण के मुताबिक विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र में साल २०१५ से २०२३ के बीच सात वर्षों में असंगठित इकाइयों में ५४ लाख नौकरियां खत्म हो गई हैं। 'उन्होंने आगे बताया कि वर्ष २०१०-११ में पूरे भारत में १०.८ करोड़ कर्मचारी अनिगमित गैर-कृषि उद्यमों में कार्यरत थे, जो अब २०२२-२३ में १०.९६ करोड़ हो गए हैं, यानी १२ वर्षों में केवल १६ लाख की मामूली वृद्धि है।'

ये क्या कर रहे हैं बिहार के मुख्यमंत्री

अब अधिकारी के पैरों में गिरे नीतीश!

गंगा पथ उद्घाटन के दौरान हुआ यह सब

सामना संवाददाता / पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कल पटना में जेपी गंगा पथ के पटना सिटी के कंगनघाट तक विस्तार का उद्घाटन करने पहुंचे थे। गंगा पथ को और आगे तक जाना है इसलिए काम में तेजी की बात करते हुए मुख्यमंत्री अफसरों को ताकीद कर रहे थे। यह सब होते-होते अचानक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि अगर आप कहें तो हम आपके सामने हाथ जोड़ लेते हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने मातहत आईएएस अधिकारी प्रत्यय अमृत की ओर झुकते हुए आगे बढ़ने लगे कि जैसे सचमुच उनके पैर छू लेंगे। प्रत्यय अमृत भी किंकर्तव्यविमूढ़ होकर हाथ जोड़ते हुए उन्हें रोकते हुए दिखे।

बिहार में अगले साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होना है। हर चुनाव के पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तमाम बड़ी परियोजनाओं को पूरा कराने का लक्ष्य रखते हैं। जेपी गंगा पथ को लेकर वह पहले भी अफसरों को ताकीद करते रहे हैं। नीतीश लगातार मातहत अफसरों को साफ शब्दों में कह भी चुके हैं कि किसी हाल में चुनाव से पहले काम पूरा कर लें, ताकि जनता के सामने जाना आसान हो। बुधवार को भी ऐसी ही बात चल रही थी, जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जेपी गंगा पथ को समय से पूरा करने के लिए अफसरों को ताकीद कर रहे थे। वह निर्माण एजेंसी के इंजीनियरों और प्रोजेक्ट से जुड़े अफसरों से कह रहे थे कि काम तेजी से कीजिए। उन्होंने हाथ जोड़कर कहा कि हम आपके सामने हाथ जोड़ते हैं, कहिए तो हम आपका पैर छू लेते हैं, लेकिन काम समय पर पूरा कराइए। सामने खड़े आईएएस प्रत्यय अमृत मुख्यमंत्री को रोकने के लिए हाथ जोड़कर खड़े हो गए।

वीआईपी नंबर, ऑडी कार पर लाल बत्ती

आईएएस पूजा खेडकर पर हुआ बड़ा एक्शन

सामना संवाददाता / मुंबई

महाराष्ट्र की महिला आईएस काफी चर्चा में हैं। इनका नाम है डॉ. पूजा खेडकर। पूजा को लेकर सोशल मीडिया से लेकर अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर कई तरह की खबरें तैर रही हैं। ऐसे में बहुत सारे लोग डॉ. पूजा खेडकर के बारे में जानना चाहते हैं। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि डॉ. पूजा खेडकर वीआईपी नंबर प्लेट वाली अपनी पर्सनल ऑडी कार का इस्तेमाल करती थीं। इसके अलावा इस ऑडी कार पर लाल और नीली बत्ती लगाकर भी चलती थीं। आरोप यह भी है कि पूजा खेडकर ने पुणे के कलेक्टर कार्यालय से विशेषाधिकार मांगने के बाद विवाद खड़ा कर दिया था, जिसके बाद पुणे से उनका ट्रांसफर कर दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि डॉ. पूजा खेडकर पुणे में बतौर ट्रेनी आईएएस अधिकारी कार्यरत थीं। अभी वह प्रोबेशन पर हैं। इस दौरान वे वीआई डिमांड को लेकर चर्चा में आ गईं। डीएम ने उनके खिलाफ मुख्य सचिव से शिकायत कर दी। पुणे के कलेक्टर डॉ. सुहास दिवसे ने इस संबंध में मुख्य सचिव को एक लेटर लिखा था।

योगी सरकार के गाल पर तमाचा

दबंगों ने दलित को पिलाया पेशाब!

श्रावस्ती पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

सामना संवाददाता / श्रावस्ती

श्रावस्ती जिले के गिलौला थाना क्षेत्र के ग्राम रायपुर बिलेला निवासी एक किशोर का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उसने गांव के ही तीन लोगों पर बियर की बोतल में पेशाब कर उसे पिलाने का आरोप लगाया है। मामले में किशोर के भाई की तहरीर पर गिलौला पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़ित के अनुसार, एक जुलाई को गांव के ही किशन उर्फ भूरे तिवारी पुत्र बड़के उर्फ पवन ने उसके १५ वर्षीय छोटे भाई से डीजे मशीन रखवाने को कहा था, जिसे रखवाकर लौटते समय तीनों ने उसे दोबारा जेनरेटर रखवाने को कहा था। आरोप है तभी मोटरसाइकिल से पहुंचे गांव के ही दिलीप मिश्रा पुत्र बाबूराम, सत्यम तिवारी पुत्र रमाकांत ने उसे रोक लिया। इस दौरान दिलीप मिश्रा ने बियर की बोतल में भरकर किशोर को पेशाब पिलाने का प्रयास किया। किशोर के विरोध करने पर आरोपी ने उसे मारा-पीटा साथ ही तमंचा दिखाते हुए जान से मारने की धमकी दिया, तभी सत्यम व किशन ने किशोर को जमीन पर पटक कर पेशाब पिला दिया। साथ ही मामले की शिकायत करने पर जान से मारने व गांव से उजाड़ने की धमकी भी दी। पीड़ित की तहरीर पर गिलौला पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस बारे में प्रभारी निरीक्षक गिलौला महिमा नाथ उपाध्याय का कहना है कि मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पतंजलि को हलफनामा दाखिल करने का आदेश

14 उत्पादों के विज्ञापन वापस लिए जाने का मामला

सामना संवाददाता / मुंबई

उच्चतम न्यायालय ने योगगुरु स्वामी रामदेव के पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड को एक हलफनामा दाखिल करने को कहा, जिसमें यह बताया जाए कि उन १४ उत्पादों के विज्ञापन वापस लिए गए हैं या नहीं, जिनके विनिर्माण लाइसेंस शुरू में निलंबित किए गए थे और बाद में बहाल कर दिए गए। उत्तराखंड राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण ने १५ अप्रैल को एक आदेश जारी कर पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड और दिव्य फार्मेसी के १४ उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस निलंबित कर दिए थे। राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण ने एक ताजा घटनाक्रम में उच्चतम न्यायालय में एक हलफनामा दायर कर कहा है कि विवाद के मद्देनजर पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड की शिकायतों की जांच करने वाली एक उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट के बाद निलंबन आदेश रद्द कर दिया गया है। उसने १७ मई को कहा कि १५ अप्रैल के आदेश पर अमल को रोक दिया गया और बाद में निलंबन आदेश रद्द कर दिया गया। हालांकि, सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने पतंजलि के १६ मई के हलफनामे का संज्ञान लिया, जिसमें कंपनी ने कहा था कि १५ अप्रैल के निलंबन आदेश के मद्देनजर उक्त १४ उत्पादों की बिक्री रोक दी गई है। शीर्ष अदालत भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की ओर से दायर उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

दोपहर का सामना
www.hindisaamana.com
epaper.hindisaamana.com
गुरुवार ११ जुलाई २०२४

ऐसे कैसे पढ़ेगा इंडिया?

स्कूल भवन जर्जर है छत टपक रही है!

प्रशासन की अनदेखी से अंधेरे में है छात्रों का भविष्य

सामना संवाददाता / मुंबई

सरकार की तरफ से 'स्कूल चले हम, पढ़ेगा इंडिया तो बढ़ेगा इंडिया' जैसे नारे लगाए जा रहे हैं। हालांकि, ग्रामीण इलाकों में शिक्षा व्यवस्था बदहाल है। कुछ ऐसा ही वाकया चंद्रपुर जिला परिषद के गोंडपिपरी तहसील में स्थित स्कूल की है, जिसकी इमारत जर्जर हो गई है और छत से पानी टपक रहा है। इस कारण पिछले दो सालों से इस स्कूल की कक्षाएं नाट्यगृह में चलाई जा रही हैं। इस पर न तो स्थानीय प्रशासन और न ही सरकार का ध्यान है। कुल मिलाकर इसमें पूरी तरह से अनदेखी की जा रही है।

चंद्रपुर जिले के गोंडपिपरी तालुका के आडेगांव में जिला परिषद के एक स्कूल में १ली से ५वीं कक्षा तक के ५० बच्चे पढ़ते हैं। इस स्कूल की इमारत पिछले चार वर्षों से जर्जर अवस्था में है। इमारत की दीवारें क्षतिग्रस्त हो गईं। बारिश के समय छत से पानी टपकता है। इस स्कूल में छात्रों को बैठना खतरनाक था, इसलिए पिछले दो साल से स्कूल का संचालन बगल में स्थित नाट्यगृह में किया जा रहा है। पेयजल की व्यवस्था न होने से बच्चों को घर से पानी लाना पड़ता है। शौचालय नहीं होने के कारण छात्रों को खुले में जाना पड़ता है। चार साल से स्थिति जस की तस बनी हुई है।

भाजपा की लापरवाही ने ली 18 जानें!

उन्नाव सड़क हादसे पर अखिलेश का आरोप ● योगी सरकार पर उठाए सवाल

सामना संवाददाता / लखनऊ

उत्तर प्रदेश के उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुए दर्दनाक हादसे को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा हैं। उन्होंने हादसे में हुई मौतों के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार बताते हुए कई सवाल उठाए हैं। अखिलेश यादव ने इस हादसे को लेकर पार्किंग व्यवस्था सीसीटीवी की निगरानी, नियमित पेट्रोलिंग, एंबुलेंस सर्विस से लेकर टोईंग व्यवस्था तक को लेकर सवाल उठाए और सरकार से इन तमाम बिंदुओं पर जवाब मांगा है।

सपा अध्यक्ष ने एक्स पर लिखा, 'लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में १८ लोगों की मौत का कारण भाजपा सरकार की लापरवाही है। ये जांच का विषय है कि एक्सप्रेसवे पर विशेष पार्किंग जोन की व्यवस्था होते हुए भी कोई वाहन बीच रास्ते में क्यों खड़ा हुआ था। सीसीटीवी के लगे रहने के बावजूद खड़े वाहन की निगरानी में चूक कैसे हुई? क्या सीसीटीवी काम नहीं कर रहे थे? हाईवे पुलिस कहां थी, क्या नियमित पेट्रोलिंग नहीं हो रही थी? इस हादसे के बाद हाईवे एंबुलेंस सर्विस कितनी देर में पहुंची और हताहतों के संबंध में उसकी भूमिका क्या रही? यदि गाड़ी खराब होने के कारण खड़ी थी, तो उसे टोइंग सहायता क्यों नहीं पहुंची?

2023 में सड़क हादसे ने निगली 32,907 लोगों की जिंदगी

देश में वाहनों में पीछे से टक्कर की वजह से हादसों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ट्रांसपोर्ट मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, साल २०२२ में ८७,३६८ सड़क हादसे हुए हैं। इनमें २८,७१२ लोगों की मौत और ८१,८०० लोग घायल हुए हैं। वहीं, साल २०२३ में ९८,६६८ सड़क हादसे हुए हैं, इनमें ३२,९०७ मौत और ९५,२४१ लोग घायल हुए हैं। इस तरह एक साल में ११ हजार से अधिक पीछे से टक्कर की वजह से घटनाएं ज्यादा हुई हैं।

शहीद की पत्नी पर अभद्र टिप्पणी

गिरफ्तारी की उठी मांग

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बीते शुक्रवार को कैप्टन अंशुमान सिंह को मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित किया। यह सम्मान प्राप्त करने के लिए कैप्टन अंशुमान सिंह की पत्नी स्मृति समारोह में मौजूद थीं। सम्मान समारोह के दौरान स्मृति काफी भावुक थीं। स्मृति का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ। इतनी कम उम्र में अपने पति को खोने वाली स्मृति के प्रति लोगों ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त की, वहीं सोशल मीडिया पर एक शख्स ने स्मृति के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की है। इस मामले पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने संज्ञान लिया है। एनसीडब्ल्यू ने इस शख्स पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। अहमद के नाम के एक्स हैंडल से ये अभद्र टिप्पणी की गई है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने दिल्ली पुलिस को एक पत्र लिखते हुए शख्स के खिलाफ गिरफ्तारी की मांग की है।

योगी के राज में न्याय के लिए तरस रही गैंगरेप पीड़िता!

सामना संवाददाता / लखनऊ

खुलेआम घूम रहे आरोपी

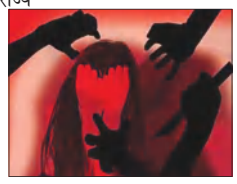

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भले ही राज्य में सुख-शांति और अपराध कम होने की बात करते हों, लेकिन रिकॉर्ड बताते हैं कि यूपी में बदमाश बेखौफ होकर खुलेआम घूम रहे हैं। नियम-कानूनों की खुलेआम धज्जियां उड़ रही हैं। इन बेखौफ बदमाशों को न तो कानून का कोई खौफ है और न ही चिंता। यूपी के गोंडा जिले के एक मामले ने इस बात को और भी पुख्ता कर दिया है।

यहां की एक युवती पिछले ६ महीने से न्याय की गुहार लगा रही है, लेकिन उसकी एक नहीं सुनी जा रही है। दरअसल, उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में एक गैंगरेप पीड़िता ने जमकर बवाल काटा। गैंगरेप पीड़िता जिले में स्थित देवीपाटन मंडल कमिश्नर ऑफिस के बाहर पानी की टंकी पर चढ़कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रही थी। पुलिस ने ५ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पीड़िता को नीचे उतारा। पीड़िता ५ घंटे तक पानी की टंकी पर चढ़कर गैंगरेप के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करती रही। गिरफ्तारी की मांग करते हुए वह थक कर टंकी पर ही सो गई। यह देख पुलिस टंकी पर चढ़ी और पीड़िता के नीचे ले आई।

मामला नवाबगंज थाना क्षेत्र का है। गैंगरेप पीड़िता का आरोप है कि उसके साथ तीन लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि तीनों लोग उसे जबरदस्ती बाइक पर बैठाकर ले गए थे। उसके बाद उन तीनों लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया।

यूपी के स्कूलों में क्या हो रहा है?

विद्या के मंदिर में मटरगश्ती!

स्कूल की शिक्षिका और प्रिंसिपल का अश्लील वीडियो वायरल

सामना संवाददाता / लखनऊ

यूपी में भाजपा सरकार के शासन में शिक्षा का सत्यानाश हो रहा है। स्कूलों में पढ़ाई कम और लापरवाही ज्यादा देखने को मिल रही है तथा सरकार अपनी राजनीति में व्यस्त है। आरोप लग रहे है कि राज्य में स्कूलों में छात्रों की फिक्र छोड़ कुछ और हो रहा है। यूपी के जौनपुर में एक नया मामला सामने आया है, जो बेहद शर्मनाक है। यहां जौनपुर के एक स्कूल में एक प्रिंसिपल और एक मैडम इश्क लड़ा रहे थे। तभी किसी ने उनकी इस हरकत का वीडियो बना लिया। जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। स्कूल के एक कमरे में प्रिंसिपल को अय्यासी करते पाया गया। जबकि शिक्षिका के साथ मटरगश्ती करते पाए गए उस प्रिंसिपल पर कार्रवाई भी कुछ नहीं हुई। ये मामला सरपतहा इलाके के पास कॉन्वेंट स्कूल का है, जहां प्रिंसिपल के रूम में मैडम जब पहुंचती हैं, दोनों एक दूसरे से लिपट जाते हैं।

भाजपा की मानसिकता शिक्षा विरोधी

राहुल गांधी का भाजपा पर हमला

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

देश में बढ़ रही युवा बेरोजगारी को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश के युवा बेरोजगारी से पूरी तरह हतोत्साहित हो गए हैं और दावा किया कि भाजपा की 'शिक्षा विरोधी मानसिकता' के कारण उनका भविष्य अंधकार में है। पूर्व कांग्रेस प्रमुख की टिप्पणी एक मीडिया रिपोर्ट पर आई है, जिसमें दावा किया गया है कि २०२४ में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) से स्नातक होनेवाले इंजीनियरों के वेतन में नियुक्ति में मंदी के कारण गिरावट आई है। गांधी ने अपने व्हॉट्सऐप चैनल पर कहा कि आर्थिक मंदी का दुष्परिणाम अब देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आईआईटी को भी भुगतना पड़ रहा है। आईआईटी से प्लेसमेंट में लगातार गिरावट और वार्षिक पैकेज में गिरावट से युवाओं की हालत और खराब हो रही है, जो बेरोजगारी के चरम का सामना कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि २०२२ में १९ फीसदी छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट नहीं मिल सका और यही दर इस साल दोगुनी होकर ३८ फीसदी हो गई। गांधी ने कहा कि जब देश के सबसे प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों का यह हाल है तो बाकी संस्थानों की क्या दुर्दशा होगी। आज युवा बेरोजगारी से पूरी तरह हतोत्साहित है। माता-पिता पेशेवर शिक्षा प्राप्त करने के लिए लाखों खर्च कर रहे हैं, जबकि छात्र उच्च ब्याज दरों पर ऋण लेकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। फिर नौकरी या सामान्य आय न मिलना ही उनकी वित्तीय स्थिति में गिरावट का कारण बन रहा है। गांधी ने कहा कि यह भाजपा की 'शिक्षा विरोधी' मानसिकता का परिणाम है, जिसके कारण इस देश के मेधावी युवाओं का भविष्य 'अध्यक्ष' में है। क्या मोदी सरकार के पास भारत के मेहनती युवाओं को इस संकट से मुक्त कराने की कोई योजना है?

आतंकी हमले के खतरे के बीच

अमरनाथ यात्रा में महारिकॉर्ड की आस!

सुरेश एस डुग्गर / जम्मू

इस बार की अमरनाथ यात्रा ने ११ दिनों में ही २ लाख का आंकड़ा पार कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। ऐसे में उम्मीद यह की जा रही है कि इस बार की अमरनाथ यात्रा आज तक का सबसे बड़ा आंकड़े का रिकॉर्ड कायम करेगी, अगर सब कुछ सामान्य तौर पर चलता रहा तो। हालांकि, अमरनाथ यात्रा के प्रति एक रिकॉर्ड सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं के शामिल होने का वर्ष २०११ की यात्रा में बना था, जब रिकॉर्ड तोड़ ६.३५ लाख श्रद्धालुओं ने इस यात्रा में शिरकत की थी। हालांकि, अब जम्मू संभाग में आतंकी हमलों के उपरांत प्रशासन को श्रद्धालुओं की चिंता इसलिए सताने लगी है क्योंकि अब खुफिया अधिकारी भी चेताने लगे हैं कि अमरनाथ यात्रा आतंकी हमलों से दो चार हो सकती है।

11 दिन में पहुंचे 2 लाख श्रद्धालु

वैसे मौसम इस बार अमरनाथ यात्रा में उम्मीद से अधिक मेहरबान है, जिस कारण प्रशासन का एक ही टारगेट है कि इस बार की अमरनाथ यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालु शिरकत करें। वैसे प्रशासन प्रतिदिन २० से २५ हजार श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए रवाना कर गुफा के बाहर जबरदस्त भीड़ एकत्र किए हुए है। वैसे इस बार की यात्रा ५२ दिनों की है और अभी यात्रा समाप्त होने में ४१ दिन बाकी हैं प्रशासन की चिंता ४१ दिनों तक इसमें उत्साह बरकरार रखने की भी है, क्योंकि अक्सर देखा गया है कि अमरनाथ यात्रा के प्रतिक हिमलिंग के पिघलने के बाद से ही यात्रा हमेशा ही ढलान पर आ जाती है चिंता का विषय यह भी है कि इस बार भी भक्तों की सांसों की गर्मी से हिमलिंग कब का पिघल चुका है।

आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष २००७, २००८, २००९, २०१०, २०११, २०१२, २०१३, २०१४, २०१५, २०१६, २०१७ तथा २०१८ में क्रमशः २.६३, ५.५०, ३.७५, ४.५९, ६.३५, ६.२०, ३.५३, ३.७२, २.२०, २.६० तथा २.८५ लाख श्रद्धालुओं ने शिरकत की थी।

वर्ष २००७ से लेकर २०१९ के आंकड़ों को देखा जाए तो वर्ष २०१६ में जब हिज्बुल मुजाहिदीन के पोस्टर ब्वॉय बुरहान वानी की मौत हुई थी, सबसे कम २.२० लाख श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए थे। वर्ष २००८ में जब अमरनाथ भूमि आंदोलन को लेकर जम्मू में दो माह तक लगातार आंदोलन, हड़ताल और कर्फ्यू लागू रहा था तब भी सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक, ५.५० लाख श्रद्धालुओं ने १४,५०० फुट की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा में बनने वाले हिमलिंग के दर्शन किए थे।

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
गुरुवार ११ जुलाई २०२४

बल्लेबाजी ही नहीं, गेंदबाजी में भी हिट है यंग इंडिया!

भारत ने जिंबाब्वे को हराकर २-१ की बनाई बढ़त

एक बार फिर यंग टीम इंडिया जीत हासिल करने में हिट रही। भारत ने तीसरे टी-२० मैच में जिंबाब्वे को २३ रनों के विशाल अंतर से हरा दिया है। इसी के साथ भारतीय टीम ने ५ मैचों की सीरीज में २-१ की बढ़त कायम कर ली है। पहले बल्लेबाजी करने आई भारतीय टीम के लिए कप्तान शुभमन गिल ने ६६ रन की अर्धशतकीय पारी खेली। दूसरी ओर ऋतुराज गायकवाड़ फिफ्टी लगाने से चूक गए, उन्होंने ४९ रन की पारी खेली। वहीं यशस्वी जायसवाल ने भी ३६ रन बनाकर टीम इंडिया को १८२ रन के विशाल स्कोर तक पहुंचने में मदद की। लक्ष्य का पीछा करने आई जिंबाब्वे इस बार भी खराब शुरुआत के बाद उबर नहीं पाई। मेजबान जिंबाब्वे के सामने १८३ रन का विशाल लक्ष्य था, लेकिन टीम की शुरुआत इतनी खराब रही कि ३९ रन के स्कोर तक आधी टीम पैवेलियन लौट चुकी थी। अभी तक बढ़िया फॉर्म में चल रहे वेसली मधेवेरे इस बार मात्र १ रन बनाकर आउट हो गए। कप्तान सिकंदर रजा एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। उन्हें अच्छी शुरुआत तो मिली लेकिन मैच का रुख मोड़ देनेवाली पारी नहीं खेल सके। रजा १६ गेंद में १५ रन बनाकर आउट हो गए।

गेंदबाजों ने पलटा मैच

आखिरी ५ ओवर में जिंबाब्वे को जीत के लिए ७३ रन बनाने थे। जिस तरह से मायर्स और मडांडे बैटिंग कर रहे थे, उस हिसाब से आसानी से इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता था। मगर १६वें ओवर में खलील अहमद ने सिर्फ २ रन दिए, जिससे जिंबाब्वे के बल्लेबाजों पर दबाव आ गया। बाकी कसर १८वें ओवर में आवेश खान ने पूरी कर दी, जिनके इस ओवर में केवल ६ रन आए, जिससे भारत की जीत तय हो गई थी। भारतीय टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट वॉशिंग्टन सुंदर ने लिए, जिन्होंने ४ ओवर के स्पेल में ३ विकेट झटके।

क्लीन बोल्ड

अमिताभ श्रीवास्तव

गंभीर होना कठिन है

तमाम संदेहों और आलोचनाओं के बाद टीम इंडिया के कोच बन गए गौतम गंभीर के लिए सफर आसान नहीं होगा, यह तय है मगर गंभीर जैसा होना भी कठिन है। जब खेलते थे तब अपनी गुस्सैल प्रवृत्ति के कारण विख्यात रहे। बाद में जब आईपीएल में मेंटर जैसे पद संभाले तब भी उनकी मजबूत खेल प्रवृत्ति ने सुर्खियां बटोरी। दरअसल, गंभीर की छवि कुछ ऐसी बना दी गई है, जैसे वो झगड़ालू हैं। मगर ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। गंभीरता से देखेंगे तो गंभीर ने हमेशा अपने देश, अपनी टीम के लिए झगड़ा किया है, वो भी सामने वाले की गलती पर। अन्यथा इतना क्रिकेट खेला है हर बार तो वो झगड़ा करते नहीं देखे गए। गंभीर में जो सबसे अच्छी बात है वो उनका देश के लिए समर्पित होना है और टीम को किसी भी हालत में जीतना सिखाना है। अंतिम क्षणों तक हार न माननेवाली प्रवृत्ति ही आज के क्रिकेट में आवश्यक है। हालांकि, गंभीर के लिए परिस्थितियां विकट होंगी। उन्हें खिलाड़ियों का पूरा साथ मिलना चाहिए। ऐसा हुआ तो संभव है वो एक सफल कोच बनकर उभरेंगे। दुनिया खासतौर पर पाकिस्तान गंभीर के कोच बनने से डरा हुआ है। कोच की अपनी पारी में गंभीर से बहुत उम्मीदें हैं और वो सफल भी होंगे, ऐसा विश्वास है।

उसने वर्ल्डकप ही बना डाला

रोहित शर्मा के हाथों वर्ल्डकप देखकर पूरा देश झूम उठा था, बच्चे से लेकर बूढ़ों तक में जोश और उमंग का संचार हुआ था, यह उसी का नतीजा है कि एक छोटे से बालक ने विश्वकप की हू-बहू ट्रॉफी बना डाली। यह है क्रिकेट के प्रति दीवानगी। जोधपुर के प्रताप नगर में ८वीं कक्षा में पढ़नेवाले दक्ष आसेरी ने इस ऐतिहासिक खुशी के बीच अपनी खुशी का इजहार करते हुए वर्ल्डकप जैसा ही हू-बहू मॉडल तैयार किया है। इसको दूर से देखने पर एक बार तो वर्ल्डकप का ही एहसास होता है। इस बच्चे ने पहली बार ऐसा कमाल नहीं किया। इससे पहले वो अयोध्या में बने भगवान श्रीराम के मंदिर के जैसा ही हू-बहू मॉडल भी तैयार कर चुका है। इस वर्ल्डकप मॉडल को बच्चे ने अपने मोहल्ले से लेकर पूरे जोधपुर में सभी लोगों को दिखाया, तो हर कोई उनकी तारीफ करता दिखाई दिया। बच्चे का यह मॉडल ऐसा लग रहा है मानो कि यह वर्ल्डकप की डुप्लीकेट कॉपी है। बड़ी मेहनत से इस बच्चे ने इस मॉडल को तैयार कर दिखाया है।

द्रविड़ की दरियादिली

पांच करोड़ रुपए लेने से दीवार का इनकार

कोई इंसान अगर दरियादिल हो तो भारत के पूर्व कप्तान और राहुल द्रविड़ की तरह हो वरना न हो। यह बात आज समूचा देश कह रहा है और ये बात यूं ही नहीं निकली है। राहुल द्रविड़ ने काम ही ऐसा किया है कि क्रिकेट जगत में उनकी चर्चा हो रही है।

उनके इस फैसले ने एक बार फिर उनकी सादगी की मिसाल पेश की है। वर्ल्ड चैंपियन के इस फैसले ने फैंस का दिल जीत लिया। राहुल ने ऐसा फैसला लिया, जिसने यह साबित कर दिया कि वह खुद को किसी से ऊपर नहीं मानते हैं। बता दें कि बीसीसीआई ने टी-२० वर्ल्डकप चैंपियन टीम के लिए १२५ करोड़ रुपए का इनाम घोषित किया था। टीम के सभी १५ खिलाड़ियों और हेड कोच राहुल द्रविड़ को पांच-पांच करोड़ रुपए दिए जाने थे। कोचिंग स्टाफ में मौजूद बाकी सदस्यों को २.५ करोड़ रुपए देने का फैसला किया गया था। राहुल द्रविड़ ने पांच करोड़ रुपए लेने से इनकार कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राहुल द्रविड़ ने पांच करोड़ की जगह केवल २.५ करोड़ रुपए लेने का फैसला किया है क्योंकि बाकी कोचिंग स्टाफ को इतनी ही रकम दी गई। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़, फील्डिंग कोच टी दिलीप और गेंदबाजी कोच पारस म्हांब्रे के लिए २.५ करोड़ रुपए देने का एलान किया गया था। द्रविड़ अपने आपको सहयोगी दल से ऊपर नहीं मानते और इसलिए केवल २.५ करोड़ रुपए लेने का फैसला किया है। वाकई राहुल द्रविड़ बनना आसान नहीं है...!

तेरे जैसा यार कहां...

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली क्रिकेट की पिच पर जितने गंभीर नजर आते हैं अपनी निजी जिंदगी में वे उतने ही मस्तमौला और बेहद मजाकिया इंसान हैं। इसका उदाहरण कई बार सोशल मीडिया के माध्यम से देखने को मिलते रहते हैं और अब तो उनके सबसे अच्छे दोस्त और भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तना सुनील छेत्री ने भी इस बात की पुष्टि कर दी है। दरअसल, हाल ही में एक पॉडकास्ट को इंटरव्यू देते समय सुनील ने बताया कि विराट जैसा दोस्त पाना वाकई मेरे लिए गर्व की बात है। उन्होंने विराट को एक शानदार व्यक्ति बताया। सुनील छेत्री ने बताया कि उन्होंने विराट कोहली का बहुत अलग अवतार देखा है, जिसके बारे में कम ही लोगों को जानकारी है। छेत्री ने यूट्यूब पॉडकास्ट में बताया कि विराट कोहली अच्छे व्यक्ति हैं। वो सचमुच कमाल के इंसान हैं। हमारी परवरिश एक तरह की हुई। हम एक जगह से आते हैं, हमारे सपने एक जैसे हैं। हमने दो अलग तरह के खेल चुने। संभवतः हम एक-दूसरे से ज्यादा कनेक्ट कर पाते हैं। मैं उनके और उनके परिवार की बहुत इज्जत करता हूं। वाकई दोनों की दोस्ती देखकर तो अमिताभ बच्चन की फिल्म 'याराना' का वो गीत 'तेरे जैसा यार कहां, कहां ऐसा याराना...' याद आता है।

नकलची कहीं की!

यह तो सभी जानते हैं कि अभिनेत्री अनुष्का शर्मा अपने पति और टीम इंडिया के खिलाड़ी विराट कोहली को चीयर करने के लिए अक्सर स्टेडियम में मौजूद रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनके कई क्यूट से क्लिप्स आते रहते हैं। लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते। लेकिन लगता है अब उन्हीं की तरह तारीफें बटोरने के चक्कर में उनकी नकल की जाने लगी है। यह नकल और कोई नहीं बल्कि पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक की बेगम सना जावेद कर रही हैं। दरअसल, इन समय शोएब इंग्लैंड में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स २०२४ में खेल रहे हैं। उनकी पत्नी भी उनके साथ उन्हें चियर करने के लिए उनके साथ गई हैं, लेकिन इन सबके बीच वह ट्रोलर्स के निशाने पर आ गई हैं। ट्रोलर्स का मानना है कि सना जावेद ने टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज अनुष्का शर्मा की नकल की है। बता दें कि रविवार को खेले गए भारत चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच मैच में पाकिस्तान चैंपियंस की टीम ने बाजी मारी थी। सना की इस मैच से जुड़ी कुछ फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन फोटोज में देखा जा सकता है कि सना जावेद अपने पति शोएब को चीयर कर रही हैं और उनके दमदार प्रदर्शन से काफी खुश हैं। अब इस पर ट्रोलर्स का कहना है कि वह अनुष्का शर्मा के तरीके की नकल कर रही हैं। जिस तरह से वह विराट कोहली को चीयर करती हैं।

महिला खिलाड़ियों पर तालिबानी चाबुक

यह तो होना ही था। अफगानिस्तान की ओर से तालिबानी फरमान है कि कोई भी महिला खिलाड़ी ओलिंपिक का हिस्सा नहीं बनेगी और जो विदेश में रहकर अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व करती हैं उन्हें मान्यता नहीं मिलेगी। जी हां, तालिबान सरकार ने लड़कियों के खेलने पर देश में रोक लगाई है, इसलिए कोई भी महिला खिलाड़ी अफगानिस्तान की ओलिंपिक की टीम में नहीं हो सकती है। दरअसल, ३ महिलाओं और २ पुरुष खिलाड़ी अफगानिस्तान के बाहर रहते हैं। वहां सिर्फ एक जूडो खिलाड़ी ही देश में रहकर अभ्यास कर रहा है। अफगानिस्तान में महिलाओं की हालत बहुत ही खराब है। यहां पर लड़कियों की पढ़ाई-लिखाई तक पर पाबंदी है। ऐसे में खेल के मैदान पर महिलाओं की भागीदारी न के बराबर है। हालांकि, ओलिंपिक में जो भी महिला खिलाड़ी हिस्सा लेने वाली हैं वह अफगानिस्तान में नहीं रहती हैं, लेकिन उनकी नागरिकता अफगानिस्तान की है तो इसी कारण तालिबान की सरकार उन्हें ओलिंपिक में महिला खिलाड़ियों को मान्यता देने को राजी नहीं है।

(लेखक वरिष्ठ खेल पत्रकार व टिप्पणीकार हैं।)

९३२४१७६७६९ | ▶वर्षः ३२, अंक १३९, मुंबई, गुरुवार ११ जुलाई २०२४ ▶पेज १६ ▶मूल्यः ₹ ३ | एम.सी.डब्ल्यू/१६६/२०१८-२०

दोपहर का

संस्थापक संपादक : बाल ठाकरे

सामना

कुंभकर्णी नींद में चुनाव आयोग!

विधायक कांग्रेस का, मंत्री बना भाजपा का

दलबदल कानून की सरेआम उड़ीं धज्जियां

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

बीते लोकसभा चुनाव में ऐसे कई मौके आए, जब चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर विपक्ष द्वारा सवाल उठाए गए। एक बार फिर चुनाव आयोग सवालों के घेरे में आ गया है। दरअसल, जहां भाजपा की सरकारें हैं, वहां संविधान और कानून का कोई महत्व नहीं रह जाता। इसका उदाहरण एक बार फिर मध्य प्रदेश में देखने को मिला। मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार में खुलेआम दलबदल विरोधी कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं और चुनाव आयोग कुंभकर्णी नींद में है। दरअसल, मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार में कांग्रेस की टिकट पर ६ बार विधायक चुने गए रामनिवास रावत ने मंत्री के रूप में शपथ ली। शपथ के बाद मंत्री रामनिवास रावत को लेकर प्रदेश में राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। अब यह सवाल उठ रहे हैं कि कोई विधायक अपनी मूल पार्टी से इस्तीफा दिए बगैर ही दूसरी पार्टी की सरकार में मंत्री बन जाए।

बता दें कि एमपी के सीएम मोहन यादव की कैबिनेट के विस्तार के दौरान रामनिवास रावत ने मंत्री पद की शपथ ली, जबकि विधानसभा के रिकॉर्ड में वे कांग्रेस विधायक ही हैं। यदि उन्हें मंत्री बनना ही था तो पहले कांग्रेस विधायक पद से इस्तीफा देते, फिर बीजेपी प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़कर जीतते और इसके बाद मंत्री बनते। यह कैसा अजूबा है

भाजपा का काम असंवैधानिक

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने यह भी आरोप लगाया, 'मध्य प्रदेश में लगातार कर्ज में डूबती रही सरकार कर्ज लेकर घी में नहाने का काम कर रही है। दूसरी तरफ असंवैधानिक रूप से कांग्रेस के विधायक को भाजपा के मंत्री पद की शपथ दिला दी गई है।'

कि मतदाताओं ने उन्हें कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में बार-बार जिताया, लेकिन बीजेपी सरकार का मंत्री बनने की धुन में उन्होंने बगैर कांग्रेस विधायक पद से इस्तीफा दिए सीधे शपथ ले ली। चुनाव आयोग को भी इस तरह की धांधली पर कड़ी आपत्ति जताते हुए एक्शन लेना चाहिए था। पता नहीं कैसे और क्यों उसने इसकी अनदेखी कर दी। यह घटना लोकतंत्र का उपहास है। विधायक ने उन मतदाताओं से भी गद्दारी की, जिन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी मानकर उसे वोट देकर चुनाव जिताया। यदि बीजेपी सरकार में मंत्री बनने का इतना ही शौक था तो विधायक को पहले कांग्रेस से इस्तीफा देना चाहिए था। दलबदल कानून के तहत यह विधायक अयोग्यता का पात्र है।

सामना एंकर

दलित विरोधी है भाजपा!

सामना संवाददाता / कर्नाटक

बीजेपी के दलित सांसद का अपनी ही पार्टी से सवाल

कर्नाटक से भारतीय जनता पार्टी के सांसद और दलित नेता रमेश जिगाजिनागी ने पार्टी के खिलाफ अपनी नाराजगी जताई है। उन्होंने दावा किया है कि ज्यादातर केंद्रीय मंत्री ऊंची जातियों से हैं और दलितों को दरकिनार किया गया है। बता दें कि ७२ साल के रमेश जिगाजिनागी ७ बार सांसद रहे हैं और सूबे के कद्दावर दलित नेताओं में गिने जाते हैं। २०२४ के लोकसभा चुनाव में विजयपुरा सीट से जीत दर्ज करने वाले जिगाजिनागी २०१६ से २०१९ तक राज्य मंत्री भी रहे हैं। भाजपा में शामिल होने से पहले वह जनता पार्टी, जनता दल, लोक शक्ति और जनता दल यूनाइटेड में रह चुके हैं। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उनका दर्द छलक पड़ा और मंत्री न बनाए जाने से आहत सांसद ने अपना दुखड़ा सुनाया। २०२४ के लोकसभा चुनावों के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह न बना पाने पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए जिगाजिनागी ने कहा, 'आप लोग ही बताइए कि यह कैसा न्याय है या अन्याय है?'

साइकिल चोर, घड़ी चोर सुना था सांसद चोर पहली बार सुना है!

राजकुमार आनंद के भाजपा में जाने पर संजय सिंह का तंज

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

बुधवार को आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता राजकुमार आनंद ने बीजेपी का दामन थाम लिया, वहीं अब उनके बीजेपी में शामिल होने पर आप सांसद संजय सिंह ने प्रतिक्रिया दी है। संजय सिंह ने कहा, 'आपने साइकिल चोर, घड़ी चोर, बाइक चोर, कार चोर, सोना चोर सुना होगा लेकिन बीजेपी पार्षद चोर, विधायक चोर, सांसद चोर, पार्टी चोर है सारे दाग चुटकियों में धुले मोदी वॉशिंग पाउडर।'

बता दें कि पूर्व नेता राजकुमार आनंद ने कल दिल्ली बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की मौजूदगी में बीजेपी का दामन थाम लिया। अप्रैल में ही आनंद ने आम आदमी पार्टी और मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद वे बसपा में शामिल हो गए थे, वहीं अब विधानसभा चुनाव से पहले वह बीजेपी में शामिल हो गए हैं।

७२ घंटे से जवान आतंकियों से लड़ रहे थे

मोदी पुतिन के सुर में सुर मिला रहे थे!

पीएम के मास्को दौरे पर विपक्ष का हल्लाबोल

सामना संवाददाता / जम्मू-कश्मीर

बीते दिनों जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले में पांच जवान शहीद हो चुके हैं और डोडा, उधमपुर, कठुआ के घने जंगलों में आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन जारी है। जहां एक ओर देश के जवान आतंकियों से लड़ रहे थे, वहीं दूसरी ओर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस की राजधानी मास्को में रंग जमा रहे थे। पीएम मोदी रुस दौरे के दौरान मास्को में भारतीयों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत-रुस की दोस्ती का जिक्र करते हुए राज कपूर की फिल्म का गाना 'सिर पर लाल टोपी रूसी...' भी गाया। इसके चलते विपक्ष द्वारा एनडीए सरकार की जमकर आलोचना की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

मुस्लिम महिलाएं भी पति से मांग सकेंगी गुजारा भत्ता!

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक बड़ा और ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा है कि मुस्लिम महिला सीआरपीसी की धारा १२५ के तहत अपने पति से गुजारा भत्ता मांग सकती है। कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिलाएं इसके लिए याचिका भी दायर कर सकती हैं।

दरअसल, तेलंगाना हाई कोर्ट ने एक मुस्लिम युवक को अंतरिम तौर पर अपनी पूर्व पत्नी को गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। इस आदेश के खिलाफ युवक ने फरवरी २०२४ में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। शख्स ने अपनी याचिका में कहा था कि इस मामले में गुजारा भत्ता १२५ सीआरपीसी के बजाय मुस्लिम महिला अधिनियम, १९८६ के प्रावधानों द्वारा शासित होना चाहिए। मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मुस्लिम महिला सीआरपीसी की 'धर्म तटस्थ' धारा-१२५ के तहत पति से गुजारा भत्ता मांगने की हकदार है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस नागरथन और जस्टिस जॉर्ज मसीह की पीठ ने कल इस मामले की विस्तृत सुनवाई करते हुए दो अलग-अलग लेकिन समवर्ती फैसले दिए हैं।

> **एक भारतीय विवाहित पुरुष को इस बात के प्रति सचेत रहना चाहिए कि अगर उसकी पत्नी आर्थिक रूप से स्वतंत्र नहीं है तो पति को उसके लिए उपलब्ध रहना होगा। इस तरह के सशक्तीकरण का मतलब उसके संसाधनों तक पहुंच होगी।'**
>
> **-सुप्रीम कोर्ट**

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
गुरुवार ११ जुलाई २०२४ १०

संपादकीय

लाड़ली बहना की हत्या

महाराष्ट्र की 'लाचार सरकार' यानी अपराधियों द्वारा अपराधियों को बचाने के लिए चलाई जाने वाली सरकार है इस बाबत किसी के मन में कोई संदेह नहीं रह गया है। अपराधी बेखौफ हो गए हैं और उन्हें कानून का कोई डर नहीं है। पुलिस कमिश्नर, फौजदार सिर्फ वर्दी पहनने के लिए रह गए हैं और राज्य के गृहमंत्री कठपुतली की तरह हो गए हैं। वर्ली 'हिट एंड रन' क्राइम के आरोपी मिहिर शाह को मुंबई पुलिस ने तीन दिन बाद गिरफ्तार किया। मिहिर शाह ने सड़क पर एक निर्दोष महिला की हत्या कर दी है। नशे में लग्जरी कार चलाकर उसने कावेरी नखवा की नृशंस तरीके से हत्या कर दी। कावेरी नखवा को वह सौ मीटर की दूरी तक घसीटता ले गया। नखवा के पति भी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आरोपी मिहिर शाह फरार हो गया। मिहिर के पिता का राजनीतिक दबदबा है और चूंकि उसका सीधे-सीधे

मुख्यमंत्री के खास सर्कल में उठना बैठना है, इसलिए पुलिस पर काफी दबाव होगा। अगर पुलिस मिहिर को तुरंत पकड़ लेती तो मेडिकल जांच में यह साबित हो जाता कि वह नशे में था। लेकिन तीन दिन बाद आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा इसलिए क्या पुलिस उसका नशे में होना साबित कर पाएगी? दरअसल, जुहू के एक पब में मिहिर के शराब हलक में उड़ेलने और ड्राइविंग सीट पर बैठने के सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। मिहिर शाह ने एक निर्दोष महिला को कुचलकर मार डाला। यह कोई आकस्मिक दुर्घटना नहीं है, बल्कि आरोपी द्वारा शराब के नशे में की गई गैर इरादतन हत्या (सदोष मनुष्यवध) है। बिगड़े हुए बापों की ये बिगड़ी हुई औलादें सड़क पर आम लोगों को कीड़े-मकोड़ों की तरह कुचलते हुए निकल जाते हैं और उन्हें पता भी नहीं चलता कि उनकी गाड़ी के नीचे कोई जिंदगी बचाने के लिए तड़पता हुआ छटपटाता है। पुलिस और कानून को खरीदकर ऐसे मामले में आरोपी जमानत पर रिहा हो जाते हैं और किसी को नहीं पता कि इन मामलों का क्या होता है। पुणे में 'पॉर्श' कार मामले में ऐसे ही एक आरोपी वेदांत अग्रवाल ने नशे में युवक-युवती की जान ले ली। तब राजनीतिक दलों ने उन्हें भी बचाने की जी-तोड़ कोशिश की थी। इस तथ्य को छिपाने के लिए कि आरोपी शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था, आरोपी के खून का नमूना बदल दिया गया और आरोपी की जगह उसकी मां का खून लेकर हत्यारे को बचाने का प्रयास किया गया। पुलिस और कोर्ट ने मिलीभगत कर आरोपियों को जमानत दिला दी, लेकिन इस मामले में पुणेकरों का आक्रोश इतना उग्र था कि पुलिस को दोबारा जांच करनी पड़ी और आरोपियों को फिर हिरासत में लेना पड़ा। इस मामले में भी आखिरकार आरोपी की मां, पिता और दादा को गिरफ्तार कर लिया गया। वर्ली मामले में भी आरोपियों के पूरे परिवार को गिरफ्तार किया गया। परंतु यह कार्रवाई केवल ऊपरी दिखावा भर तो नहीं है न? सरेआम एक महिला की हत्या कर उसे पचाकर डकार लेने की क्षमता आरोपी मिहिर शाह और उसके परिवार में है। आरोपी के पिताश्री की आपराधिक पृष्ठभूमि है और यही वजह है कि उसका मुख्यमंत्री के खास सर्कल में उठना-बैठना है। मुख्यमंत्री और उनके कार्यालय से सीधे पुलिस स्टेशन में फोन जाता है और समर्थक अपराधियों को बचाने का निर्देश दिया जाता है। अब कहा जा रहा है कि राजेश शाह नामक 'महात्मा' को मुख्यमंत्री ने अपनी पार्टी से निकाल दिया है। अपराध के इतना साफ होने के बावजूद मुख्यमंत्री को इन सज्जन को पार्टी से निकालने में ६० घंटे लग गए। महाराष्ट्र सरकार सिर्फ अमीरों और अपराधियों के लिए काम कर रही है। अन्यथा कावेरी नखवा की हत्या करने वाले मिहिर शाह के पिता को जमानत नहीं मिलती। इस राजेश शाह ने अपने हत्यारे लड़के के भागने में मदद की और सबूत मिटाने की कोशिश भी की। फिर भी हत्यारे के पिता के जमानत पर छूटने का चमत्कार शिंदे सरकार में ही हो सकता है। क्या मृत कावेरी नखवा की बेटी और पति की चीख, उनका आक्रोश बहरी सरकार तक पहुंचेगा? कावेरी नखवा के पति का कहना है, 'जब हादसा हुआ तो मैं आरोपी से कार रोकने की गुहार लगा रहा था। हालांकि, मैंने उसकी कार के बोनट पर जोर से हाथ पटका फिर भी उसने कार नहीं रोकी और मेरी पत्नी को ऐसे घसीटता हुआ ले गया। इस दुनिया में गरीब का कोई अभिभावक नहीं है।' ये आर्तनाद है कावेरी के पति प्रदीप नखवा की। मुख्यमंत्री राजनीतिक लाभ के लिए 'लाडकी बहीण' (लाड़ली बहना) योजना का ढोल पीट रहे हैं। लेकिन उनके ही भीतरी सर्किल के अपराधी ने प्यारी बहना कावेरी नखवा की हत्या कर दी। उसे कुचलकर मार डाला और अब बहन के हत्यारों को बचाने की कोशिश जारी है। वर्ली की 'हिट एंड रन' घटना से मुंबई की सड़कों पर मानवता कुचल कर मर गई है। मुंबई के रईसों में मानो जैसे संवेदना बची ही नहीं है। इस हादसे में जान गंवाने वाली कावेरी नखवा मशहूर मराठी कलाकार जयवंत वाडकर की करीबी रिश्तेदार हैं। वाडकर ने यह भी आरोप लगाया है कि मामले में आरोपियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, ऐसे मौकों पर मुंबई का मराठी कलाकार भी खामोश है। लाचार सरकार से सवाल पूछने की किसी की हिम्मत नहीं, क्योंकि हर कोई लाचार बन चुका है। कुछ को पुरस्कार दिए गए, कुछ को विदाई दी गई और उनके बोझ तले प्यारी बहना कावेरी नखवा की चीखें दबकर मर गई हैं। आरोपी मिहिर शाह का अपराध सदोष मनुष्यवध गैर इरादतन हत्या है। पुलिस को कोर्ट में उसकी फांसी की मांग करनी चाहिए, तभी प्यारी बहना को न्याय मिलेगा!

सम-सामयिक

संजय श्रीवास्तव

सुनक के बाद भी ब्रिटेन में कायम है भारतवंशियों का जलवा!

ब्रिटेन के आम चुनावों में भारतीय मूल के २९ सांसदों का चुना जाना ऐतिहासिक है। भले ही भारतवंशी प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की बुरी तरह हुई हार निराश करने वाली हो, पर यह परिदृश्य उम्मीद जगाने वाला है कि आनेवाले समय में न सिर्फ ब्रिटेन में भारतवंशी सत्ता के शीर्ष पर होंगे, बल्कि दुनिया के तमाम देशों में भी राजनीतिक तौर पर उनकी प्रभावी उपस्थिति होगी। फिलहाल, ब्रिटेन की संसद में प्रवेश पाने वाले भारतीय मूल के सांसदों से हमारी क्या अपेक्षा हो सकती है और उनकी आगे की राजनीति क्या होगी, इस पर विचारना समीचीन होगा।

ब्रिटेन के चुनावों में भारतीय मूल के २९ सांसद जीते हैं, पिछली बार उनकी संख्या १५ थी। पांच साल में १५ से २९ की संख्या पर पहुंचना मायने रखता है। यह बढ़त बताती है कि भारतीय मूल के नेता वहां किस तरह से अपना जनाधार बढ़ा रहे हैं। ब्रिटेन में सत्ता संघर्ष अमूमन लेबर और कंजरवेटिव पार्टियों के बीच ही रहता है। तीसरी मुख्य पार्टी लिबरल डेमोक्रेट है। ग्रीन पार्टी और दूसरे दलों के अलावा निर्दलीय भी चुनाव लड़ते हैं। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि भारतीय मूल के ये नेता किसी एक विचारधारा या दल तक सीमित नहीं हैं, वे सभी दलों के अलावा निर्दलीय भी जीते हैं। जीते २९ सांसदों में से १९ सत्ताधारी लेबर पार्टी से, ७ मुख्य विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी से, १ लिबरल डेमोक्रेट्स से और २ निर्दलीय हैं।

जिन निर्वाचन क्षेत्रों में भारतीय मूल के मतदाताओं की संख्या अधिक है उन्हें कुछ ज्यादा मत मिलना समझा जा सकता है, लेकिन जहां ऐसी स्थिति नहीं थी, वहां भी ब्रिटिश मूल के उम्मीदवारों के समक्ष भारतीय मूल के जन प्रतिनिधियों का सीट जीतना, उनकी जनप्रियता और स्वीकार्यता का संकेत है। ६५० सीटों में से करीब ५० सीटों पर दक्षिण एशियाई लोगों का पूरा दबदबा है, यों तो पाकिस्तानी, श्रीलंकाई, चीनी मूल के नेता भी यहां हैं, मगर भारतीयों का वर्चस्व ज्यादा है। १३ सांसद तो पंजाबी मूल के ही हैं। लेबर पार्टी ने अपने १९ भारतीय मूल के सांसदों में से एक विगान से चुनकर आयी ४४ साल की लिसा नंदी को संस्कृति मंत्री बनाया है, वह मीडिया और खेल विभाग देखेंगी। संभव है कि भविष्य में इन सांसदों में से कुछ को मंत्री पद या उससे इतर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलें। सीमा मल्होत्रा, प्रीत कौर गिल जैसी कुछ महिला सांसद काफी अनुभवी हैं और शैडो मंत्रालय में भी रह चुकी हैं। कुछ ऐसे सांसद भी हैं जो पहली बार जीतकर आये हैं, लेकिन उनकी चमक तेज है। ब्रिटिश सरकार उनकी क्षमता, प्रतिभा को परख सकती है।

सियासत संभावनाओं का खेल है संभव है कि कल कोई फिर भारतीय मूल का नेता ऋषि सुनक की तरह ब्रिटिश सरकार में सर्वोच्च पद पर पहुंचे, प्रधानमंत्री बने। भारतीय मूल के नेताओं की सफलता और स्वीकार्यता जिस तरह से वहां की जनता और सभी दलों में बन रही है, उसे देखते हुए ये कभी भी संभव हो सकता है। फिलहाल तो स्थिति यह है कि प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की करारी हार से आम भारतीयों को दुःख हुआ है। देश और ब्रिटेन में जो भाजपा के समर्थक हैं, मूलतः कंजरवेटिव पार्टी के समर्थक माने जाते हैं, क्योंकि उसकी राजनीतिक शैली तकरीबन वही है। ब्रिटेन में रहने वाले १८ लाख से ज्यादा भारतीय मूल के मतदाताओं में से ४२ फीसद से ज्यादा हिंदू हैं, उनका और यहां के युवा वर्ग का झुकाव कंजरवेटिव की ओर माना जाता रहा है। कंजरवेटिव अपने स्पष्ट मुस्लिम विरोध के लिए भी जाने जाते रहे हैं। लेबर पार्टी के समर्थक सिखों की आबादी हिंदुओं के मुकाबले कम है, मुसलमान भी बंटे हुए हैं फिर भी लेबर पार्टी ने कंजरवेटिव का सूपड़ा साफ कर दिया।

ब्रिटेन की सत्ता पर काबिज लेबर पार्टी अतीत में भारत की आजादी की समर्थक थी, तत्कालीन प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली के फैसले का कंजरवेटिव पार्टी के पूर्व पीएम विंस्टन चर्चिल ने खूब विरोध किया था। इसी वजह से ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय लेबर पार्टी के समर्थक बने। अभी हाल तक, २०१० में ६१ प्रतिशत भारतवंशियों ने लेबर पार्टी को वोट दिया था, पर २०१५ में जब लेबर नेता जेरेमी कॉर्बिन ने कश्मीर पर विवादित बयान दिया, अनुच्छेद ३७० खत्म करने पर कश्मीर पर एक आपातकालीन प्रस्ताव लाकर बोले कि कश्मीरियों को स्वनिर्णय का अधिकार मिलना चाहिए। ब्रिटिश इंडियन हिंदू मैटर नाम के एक संगठन ने उनके विरुद्ध एंटी हिंदू, एंटी इंडिया का अभियान चलाया। नतीजा यह हुआ कि २०१९ में यह समर्थन घट कर ३० फीसद पर पहुंच गया, कंजर्वेटिव पार्टी का हिंदू कार्ड काम कर गया और उसने २४ प्रतिशत वोट कब्जा लिया। पर इस बार प्रधानमंत्री होते हुए मंदिरों में जाना, हर मंगलवार घर पर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन, हिंदू, हिंदुत्व, सनातन की बात करते रहने के साथ तमाम तीज-त्योहारों पर हिंदू जनता का जुटान, भोज कराने की रणनीति काम न आई। प्रवासी भारतीयों के गर्व, सुनक यॉर्कशायर में रिचमंड और नार्थार्ल्टन के उस निर्वाचन क्षेत्र से जहां वे खुद रहते हैं, भारतीयों की भारी आबादी है, अपनी सीट दो दौर में पीछे रहने के बाद बमुश्किल २३,०५९ वोटों से बचा पाए। जाहिर है मतदाताओं ने धार्मिक और भावनात्मक अपील से ज्यादा कामकाज को तरजीह दी।

निस्संदेह भारतवंशी सांसदों की जीत हम भारतीयों को आत्मगौरव और प्रसन्नता देती है। पर हमें इन सांसदों से कोई अपेक्षा पालना उचित नहीं कि वे ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों की मुखर आवाज बनेंगे अथवा ब्रिटेन-भारत के बीच संबंधों में लागू या आने वाली नीतियों को प्रभावित कर सकेंगे। ६५० सांसदों की संसद में १९ या ७ सांसदों का संख्या बल नगण्य है। भारत के संदर्भ में वही नीतियां प्रभावी रहेंगी जो प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर तय करेंगे। विपक्षी भारतवंशी सांसदों से किसी प्रखर प्रतिरोध की अपेक्षा भी बेमानी है। स्टार्मर ने अपने मंत्रिमंडल में मात्र एक भारतवंशी नंदी को ही जगह दी है और नंदी के साथ पाकिस्तानी मूल के भारत विरोधी शबाना महमूद को भी न सिर्फ स्थान दिया है, बल्कि महत्वपूर्ण न्याय मंत्रालय सौंपा है। इस बात को भी ध्यान में रखना होगा कि कम संख्या के बावजूद पाकिस्तानी मूल के नेताओं ने भी १५ सीटें जीती हैं, लंदन का मेयर भी एक पाकिस्तानी मूल के नेता ही हैं।

असल में ब्रिटेन की समावेशी नीति ने सभी देशों के लोगों को वहां बसने के अलावा राष्ट्रीय राजनीति में हिस्सा लेने के समान अवसर दिए हैं। उसी का परिणाम है कि भारतवंशी और दूसरे देशों के लोग वहां की संसद में पहुंच पा रहे हैं। ब्रिटेन की जनता ने भी कुछ अपवादों को छोड़कर ज्यादातर गैर विभेदकारी नीति ही अपनाई है, जाहिर है कि भारतवंशी सांसदों की जीत में ब्रिटेनवासियों के भी वोट हैं। जहां विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी के जीते सांसदों के सामने अगले पांच सालों के लिए इस बात की कड़ी चुनौती है कि वे अपने खिसके वोट बैंक और बाकी मतदाताओं का विश्वास फिर से कैसे प्राप्त करें, सुनक की दशा से सीख लें अपनी सियासी रणनीति में क्या बदलाव लाएं। अपने छिटके हुए युवा और हिंदू मतदाताओं को बटोरने के लिए क्या नए उपक्रम करें? वहीं लेबर पार्टी के भारतवंशी सांसदों के सामने भी कम सांसत नहीं है। उम्मीदों के बोझ तले दबी सरकार को इस जनसमर्थन को पांच बरस सहेजना कठिन रहेगा। महंगाई और बेरोजगारी का इन सांसदों का अपने मतदाताओं को क्या जवाब होगा? लेबर पार्टी के पक्ष में कई दशकों तक वोट करने वाले भारतीय मूल की कारोबारी समुदाय का झुकाव पिछले कुछ सालों में हिंदूवादी, राष्ट्रवादी कंजर्वेटिव पार्टी की तरफ हो गया था, अब जब इस बार लेबर पार्टी सत्ता में आ चुकी तो ये कम्युनिटी चिंतित है और कई तो दुबई जैसे देशों का रुख कर रहे हैं। लोगों को आशंका है कि खस्ताहाल अर्थव्यवस्था को देखते हुए लेबर पार्टी शिक्षा पर २० फीसद टैक्स लगा देगी। लेबर के लिए भारत के साथ दोस्ताना संबंध बनाए रखना होगा, जबकि सुनक के जाने में यह भी एक मुद्दा था। खांडा प्रवासी योजना रद्द करने के बावजूद इमिग्रेशन एक बड़ा मुद्दा बना रहेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और विज्ञान व तकनीकी विषयों के जानकार हैं)

संपादक : **श्री उद्धव बालासाहेब ठाकरे** ■ निवासी संपादक (मुंबई) : **अनिल तिवारी*** ■ कार्यालय : **सदगुरु दर्शन, नागू सयाजी वाड़ी, दैनिक सामना मार्ग, प्रभादेवी, मुंबई- ४०० ०२५** ■ मुद्रक -प्रकाशक : **विवेक कदम** द्वारा प्रबोधनकार ठाकरे संकुल, वाशी, नई मुंबई में मुद्रित एवं प्रकाशित। **टेलीफोन** : २४३७०५९१-९२ **टेलीफैक्स** : २४३११२७४ **email : dks.saamana@gmail.com आरएनआई पंजीकरण क्रमांक : ५४८७६/९३** *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।

दोपहर का सामना
www.hindisaamana.com
epaper.hindisaamana.com
गुरुवार ११ जुलाई २०२४ 11

अवधी व्यंग्य

एड. राजीव मिश्र मुंबई

हवाई जहाज के सवारी

नोखई कचहरी जाए बदे सुबहिये से तैयारी मा लागि अहइ। गोरुन के सानी-पानी कइके नहाय धोइ के तैयार होय गयें। दुइ बरिस पहिले के सियावा कुरता पैजामा डटाय के मुड़े पर गमझा लपेटि के सड़क पे झोला लइके आइ धमके। एक घंटा होइ गवा पर कउनउ सवारी रुकतय नही है। जवन गाड़ी देखो ठसाठस भरी है। एक ओरी सवारी नही मिलत है दूसरी ओर घाम है कि चंडासा फारे देइ रहा है। सवा घंटा के बाद हिलत-डोलत एक ठो सरकारी रोडवेज बस चरचरात अइसन रुकी कि मानो आज के बाद ओहि बस के रिटायरमेंट होय। खिड़की में से गुटका मुँह में दबाए कंडक्टर बोलि परे, कहाँ जइहौ? जायके तो जौनपुर रहा! तो आइके बइठिहो कि परछन करय होइ। खी-खी करत नोखई बस मा चढ़ि गयें। एकदम पाछे वाली सीट खाली रही तो बिना देर किहे तुरतय कब्जियाय लिहे। नोखई अबहीं साँसउ नही लेइ पाए रहे तब तक कंडक्टर साहब हाँक लगाइन, टिकट लेइ लेव हो लंबरदार। मन मसोस के नोखई दस के नोट निकारि के कंडक्टर की ओर बढ़ायेन, साहब टिकट के पीछे २ लिखिके गोलियाय दिहिन अउर नोखई के देइके बोले उतरत समय दुइ रुपिया वापिस मांगि लिहो। साहब बस तो पॉलिटेक्निक चौराहा पहुँचि गय है तो पइसवा देइ देव का पता भुलाय जाई उतरय बेरी। अरे यार गजब हौ, तुम्हार दुइ रुपिया कही भागा नही जाइ रहा है। जाओ चुप्पय बईठो। ई का बात है साहेब ? बैग भरि के चिल्लर लिहे बइठे हो अउर दुइ रुपिया वापिस करय मा नरी सूत लागि गय अहइ। अइसा है ज्यादा नेतागिरी न करो, आगे से सरकारी बस मा बइठो तो छुट्टा पइसा लइके बइठो। पता नही कहाँ से आय जात है। अइसा है भइया हमका कमजोर न समझो हम वोटर हैं भले पाँव मा हवाई चप्पल पहिने हँय पर देश के परधानमंत्री हमका हवाई जहाज मा बैठइहैं। अरे जाओ जहाज के किराया पता करो अब एयरइंडिया नही बची है कि तीन हजार में हवाई जहाज में बईठी जइहौ। हवाई जहाज में अब जूता वाले न बईठ पइहैं तू हवाई चप्पल पहिन के बकलोली न करो अउर उतरो। नोखई गुस्सा में बड़बड़ात बस से उतरय लगे तब तक बस के दरवाजा में उचरी चद्दर में कुरता फसि के चर्र से फटि गवा। हवाई जहाज के सपना देखय के चक्कर मा नोखई सरकारी बस के किरपा से कुरता भी बलिदान कइ दिहें।

हिसाब-किताब

राजनीति के हिसाब-किताब का अपना अलग ही गणित होता है। इस गणित का जोड़-घटाव भी अलग-अलग होता है। जैसे बिहार में चुने गए एक सांसद ने सार्वजनिक तौर पर कह दिया था कि मैं मुसलमानों का काम नहीं करूंगा, क्योंकि उन्हें लगता था कि मुसलमानों ने उन्हें वोट नहीं दिए थे। इधर गुजरात की जूनागढ़ लोकसभा सीट पर लगातार तीसरी बार जीत दर्ज करने के बाद भाजपा सांसद राजेश चुडासमा ने कथित तौर पर १९ जून को एक सभा में कहा था कि 'भाजपा चाहे हिसाब करे या न करे', वह उन लोगों को नहीं छोड़ेगी जिन्होंने, पिछले पांच सालों में उन्हें परेशान किया है। जाहिर है चुडासमा अपनी ही पार्टी के उन लोगों पर निशाना साध रहे थे, जिन्होंने चुनाव के दौरान प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से चुडासमा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। उनके इस बयान के बाद गीर सोमनाथ के वेरावलकस्बे में बिल्डर और स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता राकेश देवानी ने पुलिस में एक आवेदन दायर किया था, जिसमें उन्हें डर था कि चुडासमा की टिप्पणी उनके लिए थी, क्योंकि उन्होंने चुनावों में चुडासमा को वोट न देने की सार्वजनिक अपील की थी। अब इस कहानी में नया मोड यह है कि बीते सोमवार को गीर सोमनाथ में कांग्रेस की एक बैठक में, पार्टी के वरिष्ठ नेता पुंजा वंश ने सुझाव दिया कि चुडासमा की टिप्पणी उनके लिए थी और वह भाजपा सांसद की पसंद के समय और स्थान पर 'किसी भी तरह के हिसाब' के लिए तैयार हैं। हालांकि, पुंजा ने कोई पुलिस शिकायत वगैरह दर्ज नहीं कराई है, मगर पुंजा ने ऐसा क्या लिया कि चुडासमा उनके बारे में ही बयान दे रहे थे। जो लोग उड़ता तीर का मुहावरा जानते हैं, उनके लिए भी यह समझना मुश्किल हो रहा है कि चुडासमा के बयान को अपने लिए उड़ता तीर किसने बनाया? देवानी ने या पुंजा ने! समय का इंतजार करिए।

झांकी

अजय भट्टाचार्य

किसका अभिषेक

राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव की भक्ति की चर्चाएं अक्सर होती रहती हैं। कभी वे श्रीकृष्ण का रूप धारण कर लेते हैं तो कभी भोलेनाथ का। इस बार सावन से पहले तेज प्रताप यादव का एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें उनकी शिव भक्ति का अनोखा अंदाज दिखाई दे रहा है। राजद नेता और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में तेज प्रताप शिवलिंग से लिपटे नजर आ रहे हैं। इस दौरान मंदिर के पुजारी दूध और भांग से स्नान करा रहे हैं। साथ ही मंत्रों का भी जाप हो रहा है। इसके बाद तेज प्रताप यादव ने शिवलिंग को हाथ जोड़कर प्रणाम किया। तेज प्रताप शिवलिंग से लिपटे नजर आ रहे हैं और पुजारी कभी दूध तो कभी भांग तो कभी जल चढ़ाते नजर आ रहे हैं। महंत की ओर से ये सब चीजें राजद नेता के ऊपर गिराई जा रही थीं। वीडियो के अंत में तेज प्रताप ने पुजारी का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान मंदिर में हर-हर महादेव के जयकारे लग रहे हैं। राजद नेता ने वीडियो के साथ लिखा कि महादेव परम सत्य के प्रतीक हैं। महादेव को गले लगाना अपने आप में सबसे गहरे, सबसे गहन पहलुओं को गले लगाना है। अराजकता के बीच शांति पाना ही महादेव को पाना है। हर हर महादेव तेज प्रताप यादव ने एक्स पर राहुल गांधी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव को टैग किया। वीडियो को देखने पर यह तय करना मुश्किल है कि अभिषेक शिव का हो रहा था या तेज प्रताप का? अगर शिव का अभिषेक हो रहा था तो तेज प्रताप को नाग बनकर शिवलिंग से लिपटना जरूरी था क्या!

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं और देश की कई प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में इनके स्तंभ प्रकाशित होते हैं।)

विश्व जनसंख्या दिवस

पॉपुलेशन कंट्रोल इतना मुश्किल क्यों?

सम-सामयिक

डॉ. रमेश ठाकुर नई दिल्ली

बढ़ती जनसंख्या का मुद्दा निःसंदेह चिंतनीय है और सियासी रूप से चुभने वाला भी? केंद्र सरकार इस पर कोई कठोर निर्णय नहीं ले पा रही है। वैसे सौ आने सच है कि जनसंख्या विस्फोट बिना सरकारी सख्ती से थमने वाला नहीं है। अनुमानित करीब १४०-१५० करोड़ के बीच लोगों की विशाल आबादी के साथ हमारा देश अब्बल पायदान पर खड़ा हो गया है। ये आंकड़ा किसी को भी चैन से सोने नहीं देता। सोचने पर मजबूर करता है कि आगे होगा क्या? इसलिए 'विश्व जनसंख्या दिवस' के मायने को खासकर प्रत्येक हिंदुस्थानियों को समझना अति आवश्यक है। भारत में जनसंख्या की फुलस्पीड ने चीन को भी पछाड़ दिया है। २०११ से अधिकृत जनगणना भारत में नहीं हुई, जब होगी तो उसके आंकड़े भी बुखार चढ़ाएंगे। जनसंख्या १५० करोड़ के आस-पास पहुंच चुकी है। इतनी आबादी के लिए भारत की धरती भी कम पड़ेगी।

आज विश्व जनसंख्या दिवस है, जो सालाना ११ जुलाई को मनाए जाने वाला सार्वजनिक रूप से सामूहिक और संयुक्त सरकारी व सामाजिक कार्यक्रम है, जिसका मकसद युद्धस्तर पर बढ़ती जनसंख्या पर वैश्विक में चेतना जागृत करना मात्र है। संयुक्त राष्ट्र ने नवंबर २०२२ के मध्य तक विश्व की जनसंख्या ८.० बिलियन होने का अनुमान लगाया था, लेकिन ये आंकड़े उससे पहले ही पूरा हो गया। इस समय सबसे अधिक जनसंख्या वाले १० देशों में भारत टॉप पर है। बाकी, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, ब्राजील, नाइजीरिया, बांग्लादेश, रूस और मैक्सिको हैं। मौजूदा वक्त में विश्व के करीब १५६ देशों के बराबर जनसंख्या केवल भारत में है। भारत के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश जिसकी अकेले की आबादी दो पड़ोसी मुल्क नेपाल और पाकिस्तान के बराबर है। इसलिए विश्व जनसंख्या दिवस समारोह एक दिन के आयोजन से कहीं आगे बढ़कर वैश्विक जनसंख्या वृद्धि की चुनौतियों और अवसरों पर वैश्विक संवाद और कार्रवाई को बढ़ावा देता है। ये दिन जनसंख्या संबंधी मुद्दों को समग्र और टिकाऊ तरीके से संबोधित करने की आवश्यकता की एक महत्वपूर्ण याद दिलाता है। जागरूकता बढ़ाने और कार्रवाई को बढ़ावा देने के जरिए, यह दिन संतुलित और न्यायसंगत भविष्य हासिल करने के वैश्विक प्रयासों में योगदान भी देता है।

संसार में बीते दो दशकों में जितनी आबादी बढ़ी, उतनी पहले कभी नहीं? जनसंख्या बढ़ोतरी की गति अगर यूं ही बरकरार रही तो जमीन और संसाधनों को छीनने के लिए लोग एक-दूसरे के जान के प्यासे होंगे। कमोबेश, ऐसी स्थिति बननी भी आरंभ हो गई है। पार्किंग को लेकर झगड़ा आम हो गया है। आवासीय घर और जंगल तो कम पड़ते ही जा रहे हैं। बढ़ती जनसंख्या

के चलते बेरोजगारों की बड़ी फौज हर मुल्क में खड़ी है। कुल मिलाकर आधुनिक समय में पनपी हर समस्या की जड़ एक ही है और वो है जनसंख्या? इस नासूर समस्या से कैसे निपटा जाए, कौन सा रास्ता खोजा जाए? इसके लिए हुकूमत को गंभीरता से सोचना होगा। बिना सरकारी सख्ती से बात नहीं बनने वाली?

इस सब्जेक्ट पर वैश्विक जागरूकता की भी दरकार है। जनसंख्या के पहिए को रोकने के लिए वैश्विक सहयोग की जरूरत है। जो साझा जनसंख्या चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा दे सके। जनसंख्या नियंत्रण को लेकर भारत में कुछ विसंगतियां और भ्रम की स्थितियां भी हैं। एक वर्ग नहीं चाहता कि ऐसा कोई कानून अमल में आए, जिससे उन्हें बच्चों को पैदा करने रोका जाए। वहीं पढ़ा-लिखा समाज नियंत्रण का पक्षधर है, फिर चाहे वो हिंदू हो या कोई अन्य धर्म-जाति का। जनसंख्या नियंत्रण काननू की दिशा में केंद्र सरकार को तेजी से कदम बढ़ाने ही होंगे। वरना, स्थिति अनियंत्रित हो जाएगी।

(लेखक राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान, भारत सरकार के सदस्य, राजनीतिक विश्लेषक और वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

उत्तर की बात

रोहित माहेश्वरी लखनऊ

बीजेपी और अपना दल में सब ठीक नहीं

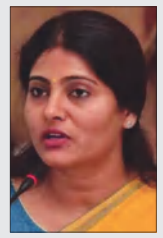

लोकसभा चुनाव के नतीजों में बीजेपी को यूपी में बड़ी हार का मुंह देखना पड़ा। दावों के विपरीत नतीजे आने के बाद से बीजेपी के अंदर तो खलबली और हलचल है ही, वहीं उससे जुड़े दल भी खुद को असहज महसूस कर रहे हैं। असहज हो रहे सहयोगी दलों में सबसे ऊपर नाम अपना दल सोनेलाल की नेता केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल का है, जिनके एक के बाद एक बयान योगी सरकार पर सवाल उठा रहे हैं।

असल में असहजता और नाराजगी इस कदर है कि बीते दिनों अपना दल एस प्रमुख अनुप्रिया पटेल ने आरक्षण के मुद्दे पर चिट्ठी लिखकर अपने ही सहयोगी दल की सरकार को घेरने का काम किया। अनुप्रिया पटेल ने सीएम योगी को चिट्ठी लिखकर मांग की थी कि आरक्षित पदों को अनारक्षित किए जाने की व्यवस्था पर रोक लगे। साक्षात्कार के आधार पर होने वाली भर्तियों में पिछड़ों और एससी-एसटी वर्ग की भर्ती नहीं करने का भी आरोप लगाया था। अनुप्रिया की चिट्ठी का जवाब सरकार ने दिया। लेकिन चिट्ठी लिखने और जवाब देने के बीच में जो राजनीति होनी थी वो तो हो ही गई। विरोधियों को भी यह कहने का मौका मिल गया कि एनडीए यूपी में कमजोर हो गया है और इनमें मतभेद व मनभेद बढ़ गए हैं।

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल की आरक्षण के मुद्दे पर लिखी गई चिट्ठी को लेकर सियासी घमासान अभी थमा ही नहीं था कि यूपी सरकार पर सवाल उठाते हुए उनका एक और बयान सामने आया है। अनुप्रिया पटेल ने पार्टी संस्थापक सोनेलाल की जयंती के मौके पर लखनऊ में जन स्वाभिमान दिवस मनाया। इस दौरान उन्होंने योगी सरकार पर तंज कसते हुए कहा, '६९ हजार शिक्षक भर्ती का मुद्दा हमने उठाया, पर यह हल नहीं हुआ। अन्य मुद्दे हल हुए। पीएम मोदी ने पिछड़ों के लिए इतना कुछ किया, लेकिन फिर भी कुछ बाकी रह गया। हमारे सभी सवाल हल हुए लेकिन एक सवाल का हल नहीं निकल पाया। ६९,००० शिक्षकों का मसला हल नहीं हो पाया और नुकसान हुआ।'

बीते दिनों लखनऊ से ऐसी खबरें सामने आईं, जिसे लेकर राजनीति के गलियारों में कयासों का दौर शुरू हो गया है। खबर के मुताबिक, बीजेपी की हार को लेकर हाल ही में समीक्षा बैठक बुलाई गई, जिसमें अपना दल (सोनेलाल गुट) के दो बड़े चेहरे नदारद रहे। अनुप्रिया पटेल के इंजीनियर पति आशीष पटेल यूपी सरकार में मंत्री होकर भी सीएम की बैठक से गायब रहे। वे इस अहम बैठक में क्यों नहीं पहुंचे? फिलहाल, इसका कारण तो स्पष्ट नहीं है। हालांकि, इतना जरूर कहा जा रहा है कि हो सकता है कि बीजेपी और अपना दल के बीच सब कुछ ठीक न हो। इस तनाव और तनातनी की असल वजह राजनीति के जानकार बताते हैं कि इस बार के चुनाव में प्रदेश में बीजेपी और उसके सहयोगियों को बड़ा झटका लगा है। पूर्वांचल में राजनीति करने वाला अपना दल (एस) केवल मिर्जापुर सीट ही जीत पाई। वहां से पार्टी प्रमुख अनुप्रिया पटेल खुद चुनाव मैदान में थीं। उन्हें जीत के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी, रॉबर्ट्सगंज में उनकी पार्टी को हार मिली। यही नहीं अनुप्रिया पटेल अपनी कुर्मी जाति की बहुलता वाली सीटों पर भी बीजेपी को जीत नहीं दिलवा सकीं। अनुप्रिया की पार्टी अपना दल (सोनीलाल) जो कुर्मी जाति की सियासत करती है जो मूलतः ओबीसी में आते हैं। बीते लोकसभा चुनाव में अनुप्रिय पटेल की जीत का मार्जिन जो २०१९ के चुनाव में २.३ लाख से ज्यादा से अब ३७ हजार पर आ गया। उन पर हार का भी खतरा मंडराने लगा। माना ये जा रहा है कि जो ओबीसी और दलित वर्ग का वोट एनडीए गठबंधन से छिटका है, उसका सबसे ज्यादा नुकसान छोटी पार्टियों को हुआ है। इन चुनाव परिणामों ने अनुप्रिया पटेल को मुखर होने के लिए मजबूर कर दिया। यूपी में उन्हें अब अपना जनाधार खिसकता हुआ दिखाई दे रहा है। अनुप्रिया तीसरी बार केंद्र में मंत्री बनी हैं। उनके पति आशीष पटेल प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। वहीं पिछले दस सालों में अनुप्रिया पटेल या उनकी पार्टी ने इस तरह से आरक्षण और ओबीसी के मुद्दों पर कभी आवाज नहीं उठाई थी।

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद अनुप्रिया पटेल को भाजपा के ऊपर हमलावर होते हुए देखा गया है। अनुप्रिया भाजपा से ज्यादा योगी सरकार पर हमलावर रुख अपनाई हुई हैं। कई मुद्दों को लेकर अनुप्रिया लगातार आवाज उठा रही हैं। अभी यूपी में १० सीटों पर विधानसभा उपचुनाव भी होने हैं। अब ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि अनुप्रिया पटेल इसको लेकर क्या कदम उठाती हैं।

(लेखक स्तंभकार, सामाजिक, राजनीतिक मामलों के जानकार एवं स्वतंत्र पत्रकार हैं)

शब्दजाल

क्रमांक १३१

१	२		३	■	४		५	६		■	७
८		■	९			■	१०		■	११	
त	■	१२		■	१३	१४	■	१५	१६	■	
१७	१८		■	१९	■	२०	२१	■	२२		
■		■	२३			■	२४		■	■	
२५	■	२६			■	२७		■	■	२८	
२९	३०	■		■	३१	■	३२		३३	■	
३४		■	■	३५		३६		■		■	
	■	३७			■		■	३८		३९	■
४०	४१		■	■	४२		४३	■	४४		४५
४६		■	४७	४८		■	४९	५०		■	
					■	५२			■	३३	

बाएं से दाएं

१. जयशंकर प्रसाद की एक रचना
४. मन को मोहनेवाले, कृष्ण,
८. लक्ष्मी ९. समय का छोटा भाग
१०. मिट्टी, ११. अल्प, थोड़ा
१२. दशरथ के ज्येष्ठ पुत्र
१३. आकाश, १५. मच्छर
१७. हंस की जाति का जल पंक्षी
२०. मुनाफा, २२. अंतःस्थल
२३. दूसरी बार
२४. मराठी में छोटा
२६. ताजमहल यहां स्थित है।
२७. रसना, २८. धोखा
२९. प्रहार ३२. लोभ,
३४. दुख
३५. चौकोर खानेवाली रचना
३७. भय, डर ३८. चाचा अंग्रेजी में
४०. अमीर ४२. धनिया, मिर्ची, हल्दी आदि का मिश्रण,
४४. भोज का निमंत्रण
४६. बड़ा सांप
४७. पौधा लगाने का पौधा
४९. तरंग ५१. शरीर की स्थूलता के कारण मांस का नीचे-ऊपर हिलना
५२. निशान, चिन्ह
५३. स्वच्छ

ऊपर से नीचे

१.खेल तमाशा २. मां का भाई
३. एक रत्न, फिल्म इल्जाम की नायिका
४. श्रेष्ठ, अमिताभ बच्चन की एक फिल्म, ५. राष्ट्रीय पक्षी
६. पचना
७. दादा कोडदेव की एक फिल्म
१२. भस्म, १४. नेक,
१६. सहने का भाव
१८. किनारा
१९. वह कमरा जिसके चारों ओर खिड़कियां हों।
२१. भल-भल का शब्द होना
२३. वर्णसंकर
२५. भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व गेंदबाज खिलाड़ी
३०. एक विदेशी शराब
३१. पंख
३३. जिसमें चमक हो
३५. जानवर खाते हैं
३६. सिख संप्रदाय का एक पंथ
३७. पत्र ३९. प्रेम अंग्रेजी में,
४१. एक गृह ४२. मेरा मराठी में
४३. इच्छा, चाह ४५. ओर, बगल
४७. गरदन, ४८. निरुद्ध
५०. शिव, एक

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
गुरुवार ११ जुलाई २०२४ ११

आप भी जुड़िए

यदि आपको लगता है कि **दोपहर का सामना** की खबरें, आलेख व अन्य सामग्री आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही हैं, इनका आप पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है या ये सिस्टम की खामियां उजागर कर रही हैं तो आप अपनी प्रतिक्रिया हमारे व्हॉट्स ऐप नंबर पर लिखकर भेज सकते हैं। साथ ही आप अपने विचार, आलेख, रचनाएं व सुझाव भी हम तक भेज सकते हैं, ताकि हम उनके मूल्यांकन के बाद उन्हें उचित स्थान दे सकें। बतौर एक जागृत पाठक आप अपनी समस्याओं को भी **सिटीजन रिपोर्टर** और **संपादक के नाम पत्र** में छपने के लिए भेज सकते हैं।

आपके सहयोग की अपेक्षा के साथ
निवासी संपादक

९३२४१७६७६९

दोपहर का सामना
सद्गुरु दर्शन, नागू सयाजी वाड़ी, दैनिक सामना मार्ग, न्यू प्रभादेवी, मुंबई- ४०००२५

बच्चों का कोना

ऐसे खेलें- लोकप्रिय सूडोकू खेल बच्चे भी खेल सकें, इस लिहाज से यहां अंकों और आकृतियों वाले सरल सूडोकू बनाए गए हैं। इसमें बाएं से दाएं व ऊपर से नीचे १ से ४ या ६ तक के अंकों व विभिन्न आकृतियों को इस तरह जमाएं कि किसी भी पंक्ति एवं बॉक्स में कोई भी रिपीट न हो। हर पहेली का एक ही हल है।

नंबर सूडोकू क्र. १३१

	2		5
			3
	5		
	4		2

सिमबोल सूडोकू क्र. १३१

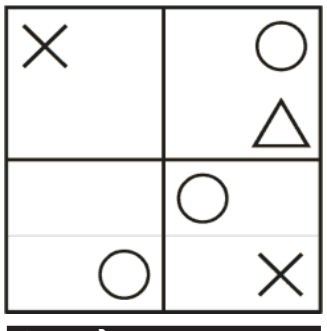

नंबर सूडोकू

3	4	1	2
2	1	4	3
1	2	3	4
4	3	2	1

उत्तर क्र. १३०

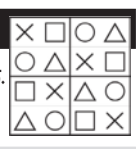

सिमबोल सूडोकू

(49)	47		7	8	11	10
	48	6		15	9	
44			16	3	14	13
	42	18			24	
	40			(1)		25
38	39		31	32	29	26
	36	34	33	30	28	27

नंबर गेम

क्र. १३१

ऐसे खेलें- नंबर गेम में कुछ रिक्त बॉक्स दिए गए हैं, शेष में नंबर लिखे हैं। पहेली के सबसे छोटे व सबसे बड़े नंबर को हाईलाइट किया गया है। आपको इन दोनों नंबरों के बीच के उन नंबरों को रिक्त बॉक्स में भरना है जो पहेली से नदारद हैं। इसका ख्याल रखें कि आप जो कोई नंबर लिखें उस नंबर के बॉक्स का कोई न हिस्सा या कोना लिखे हुए नंबर बॉक्स से सटा हो। बॉक्स करंट जारी रहे। आपकी पहेली सबसे छोटे नंबर से शुरू होकर सबसे बड़े नंबर पर खत्म होनी चाहिए। उदाहरण पहेली के हल में दर्शाया गया है।

उत्तर क्र. १३०

(49)	47	5	7	8	11	10
46	48	6	4	15	9	12
44	45	17	16	3	14	13
43	42	18	2	21	24	23
41	40	19	20	(1)	22	25
38	39	35	31	32	29	26
37	36	34	33	30	28	27

सू-डो-कू

क्र- १३१

				3	7			
6		9					8	
						1	2	6
				7	2			
						6	1	8
1		3		9	6	2		
	7		3				5	1
	8		5	1				9
	9							

सूडोकू उत्तर .१३०

2	8	3	9	6	4	1	5	7
6	7	5	3	1	8	4	9	2
4	9	1	7	5	2	3	6	8
5	1	8	2	3	9	6	7	4
3	4	2	8	7	6	9	1	5
7	6	9	5	4	1	8	2	3
9	5	4	1	8	7	2	3	6
8	2	7	6	9	3	5	4	1
1	3	6	4	2	5	7	8	9

ऐसे खेलें- पहेली के बाएं से दाएं व ऊपर से नीचे दिए गए ३×३ बॉक्स में १ से ९ तक के नंबर इस तरह जमाएं कि कोई नंबर रिपीट न हो। साथ ही हरेक खड़ी व लंबवत पंक्ति के किसी भी बॉक्स में कोई भी नंबर रिपीट न हो। हर पहेली का एक ही हल है।

काकूरो गेम

क्र. १३१

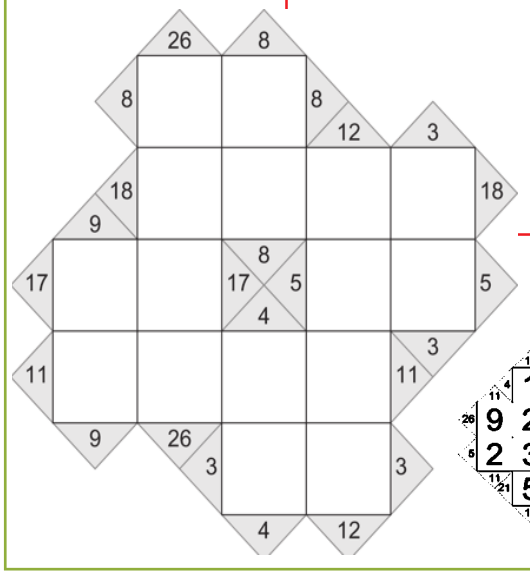

ऐसे खेलें- काकूरो संख्यात्मक खेल सूडोकू और वर्ग पहेली का परिष्कृत रूप है। इसमें सभी रिक्त स्थानों को १ से ९ अंकों से इस तरह भरना है, ताकि प्रत्येक खड़े या लंबवत जुड़े समूह में संख्याएं समान न हों और समूह की संख्याएं उस समूह के सामने के बॉक्स की जोड़ राशि बताएं। प्रत्येक समूह के सामने एक संख्या को बॉक्स में रखा गया है, जो उस समूह की सभी संख्याओं का कुल योग है।

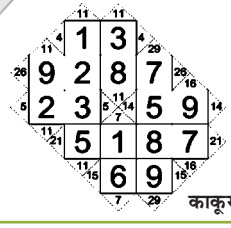

काकूरो उत्तर- १३०

दैनिक पंचांग

पं.अतुल शास्त्री
ज्योतिषाचार्य

तिथि	पंचमी
नक्षत्र	पूर्वाफाल्गुनी
पक्ष	शुक्ल
करण	बालव
योग	वरियान
वार	गुरुवार

सूर्य-चंद्र संबंधी गणनाएं

सूर्योदय	०५:४८.३६
चंद्रोदय	१०:२३:००
चंद्र राशि	सिंह /कन्या
सूर्य राशि	मिथुन
चंद्रास्त	२२:५७:४३
सूर्यास्त	०७:१५:३६
ऋतु	वर्षा

हिंदू मास एवं वर्ष

शक संवत्सर	१९४६
विक्रम संवत	२०८१
हिजरी सन्	१४४६
सूर्य	दक्षिणायन
दिशाशूल	दक्षिण

शुभ-अशुभ समय

राहुकाल	१४:१३ - १५:५४
यम घंट	०५:५० - ०७:३१
अभिजीत	१२:०६ - १२:५९
अमृतकाल	०९:११ - १०:१८

दिन का चौघड़िया

शुभ	०५:५० - ०७:३१	शुभ
रोग	०७:३१ - ०९:११	अशुभ
उद्वेग	०९:११ - १०:५२	अशुभ
चर	१०:५२ - १२:३२	शुभ
लाभ	१२:३२ - १४:१३	शुभ
अमृत	१४:१३ - १५:५४	शुभ
काल	१५:५४ - १७:३४	अशुभ
शुभ	१७:३४ - १९:१५	शुभ

रात का चौघड़िया

अमृत	१९:१५ - २०:३४	शुभ
चर	२०:३४ - २१:५४	शुभ
रोग	२१:५४ - २३:१३	अशुभ
काल	२३:१३ - ००:३३	अशुभ
लाभ	००:३३- ०१:५२	शुभ
उद्वेग	०१:५२- ०३:११	अशुभ
शुभ	०३:११- ०४:३१	शुभ
अमृत	०४:३१ - ०५:५०	शुभ

आपके सितारे

डॉ.बालकृष्ण मिश्र
ज्योतिषाचार्य

मेष: यदि कहीं निवेश करना चाह रहे हैं तो निवेश करने का समय ठीक है, लाभ प्राप्त होगा। **वृष:** अकारण गलतफहमी के कारण भ्रांति पैदा हो सकती है। भ्रांति दूर करने के लिए आपको हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। **मिथुन:** अपनी बुद्धिमानी के आधार पर कार्य को सुलझाते रहें, आर्थिक पक्ष भी मजबूत होगा। **कर्क:** कार्य की पूर्णता के लिए चुनौतियों का सामना भी करना पड़ सकता है। **सिंह:** धीरे-धीरे समय अनुकूल होगा। सारे अधूरे कार्य पूर्ण होंगे। आलस्य का परित्याग करना आवश्यक है। **कन्या:** व्यर्थ के खर्चों पर अंकुश लगाएं, नहीं तो किसी से कर्ज लेना पड़ेगा। धैर्य से हर कार्य पूर्ण करें। **तुला:** आर्थिक उन्नति के नए रास्ते खुलेंगे। आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे ठीक हो जाएगी। **वृश्चिक:** जीवनसाथी के साथ कहीं यात्रा पर जाने का संयोग बन रहा है। यात्रा को टालना ठीक नहीं है। **धनु:** जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है, उन पर किसी प्रकार का शक पैदा न करें। **मकर:** मित्रों से अच्छे संबंध बनाए रखें, इन्हीं के सहयोग से आपका कार्य बनेगा। आर्थिक पक्ष भी मजबूत होगा। **कुंभ:** किसी भी कार्य में व्यग्रता रखेंगे तो वह कार्य अधूरा रह जाएगा। अतः व्यग्रता को समाप्त करके ही कार्यारंभ करें। **मीन:** किसी मंदिर में देव दर्शन होने के आसार हैं। प्रयास करके देव दर्शन करें। आत्मबल बढ़ेगा।

दोपहर का सामना
www.hindisaamana.com
epaper.hindisaamana.com
गुरुवार ११ जुलाई २०२४ 13

जू में गिरा जूता लौटाया हाथी बना साथी!

कहा जाता है कि सबसे समझदार जानवरों में हाथी ही सबसे अव्वल है। कुछ ऐसी ही हाथी की समझदारी वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, एक परिवार जू में घूमने पहुंचा, उसी दौरान एक छोटे से बच्चे

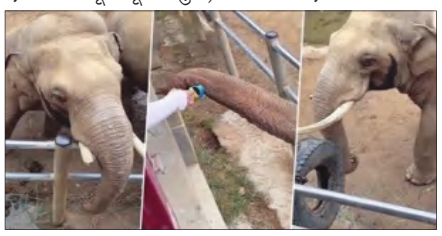

का जूता हाथी के बाड़े में गिर जाता है। हाथी समझदारी दिखाते हुए ये जूता अपनी सूंड से उठाकर वापस करता है। ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो को ५७ हजार से ज्यादा लाइक्स मिले है। जू के कर्मचारी के अनुसार, इस हाथी का नाम 'माउंटेन रेंज है और ये २५ साल का है। इस जू में आनेवाले लोगों का ये फेवरेट है। इस हाथी की समझदारी के कारण इसे ज्यादा खाना दिया गया। ऐसा कर्मचारी इस पोस्ट में जानकारी दी।

शख्स ने कोबरा को किया सम्मोहित

कहा जाता है कि किंग कोबरा सांप के जहर की एक बूंद किसी को भी पल भर में मौत के घाट उतार सकती है। यही वजह है कि अधिकांश लोग इस सांप का नाम सुनते ही खौफ खाने लगते हैं। वैसे कई लोग ऐसे भी होते हैं, जो सांपों से पंगा लेने से भी पीछे नहीं हटते हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसे देख लोगों के होश उड़ गए हैं। वीडियो में एक शख्स किंग कोबरा सांप के सामने हाथ घुमाकर उसे ऐसे वश में करता है, जैसे कि उसने नागराज पर कोई जादू कर दिया हो। वीडियो में नजर आ रहे शख्स की पहचान डेगौले पांडा के रूप में हुई है, जो अफ्रीकी देश बेनिन के नैटिटिंगौ का रहने वाला है। इस वीडियो को देखने के बाद लोग न सिर्फ हैरान हो रहे हैं, बल्कि अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं भी दर्ज करा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है- अगर जरा सा धुआं एक कोबरा को वश में कर सकता है तो फिर सोचिए कि ये बंदा क्या-क्या नहीं कर सकता है, वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है- लगता है सांप को चढ़ गई।

मणिपुर मसले का हल

राहुल से सीख सकते हैं मोदी!

एम. एम. सिंह

9 जुलाई को लोकसभा में अपने पहले भाषण में इनर मणिपुर के मणिपुर के मामले में सांसद बिमोल अकोइजाम ने एक भावुक सुलगता और संवेदनशील सवाल रखा। अकोइजाम ने कहा, 'हमारे प्रधानमंत्री चुप हैं, एक शब्द भी नहीं बोल रहे हैं और राष्ट्रपति के अभिभाषण में इसका जिक्र तक नहीं किया गया। यह चुप्पी सामान्य नहीं है। क्या यह चुप्पी पूर्वोत्तर और विशेष रूप से मणिपुर के लोगों को बता रही है कि आप भारतीय राज्य में कोई मायने नहीं रखते हैं।' मणिपुर में एक साल से अधिक समय से चली आ रही जातीय हिंसा, जिसमें २०० से अधिक लोगों की जान चली गई और ६०,००० से अधिक लोग विस्थापित हुए, पर केंद्र और राज्य की प्रतिक्रिया का मुख्य उद्देश्य चुप्पी और सांकेतिक प्रतीत होता है।

अकोइजाम के भाषण के एक दिन बाद राज्यसभा में प्रधानमंत्री की राज्य में संकट की स्वीकृति और उनके द्वारा की जा रही पुनर्स्थापनात्मक कार्रवाई की रूपरेखा एक लंबे समय से प्रतीक्षित कदम है, जिसे माना जा सकता है कि यह उनकी मजबूरी रही है। वरना उन्हें किसने रोक रखा था? कांग्रेस नेता राहुल गांधी की पूर्वोत्तर की यात्रा, जिसमें मणिपुर के रिबम, चुराचांदपुर और बिष्णुपुर के प्रभावित जिले शामिल हैं-विपक्ष के नेता के रूप में उनकी पहली यात्रा ने सत्तानशीनों की नींद हराम कर दी है। भाजपा और उनकी मीडिया, सोशल मीडिया टीम द्वारा राहुल गांधी की इस यात्रा को सवालों के कटघरे में खड़े किए जाने की कोशिशें औंधे मुंह गिरती नजर आ रही हैं। दरअसल, होना तो यह चाहिए था कि प्रधानमंत्री मोदी को इससे पहले कि विपक्ष मणिपुर के बाबत सवाल उठाए, एक संवेदनशील और कर्तव्यनिष्ठ प्रधानमंत्री के तौर पर इसे एक साल तक खिंचने ही नहीं देना चाहिए था। जब राहुल गांधी मणिपुर के जख्मों पर मरहम लगाने का काम कर रहे हैं तो दिल्ली को चाहिए कि वह अधिक तात्कालिकता और संवेदनशीलता की अनिवार्यता को सुदृढ़ करे।

बेशक, मणिपुर का संकट में आना अकेले एक साल के संघर्ष का कारण नहीं है। यह प्रशासनिक लापरवाही के बड़े पैटर्न का परिणाम है, जिसने इसकी क्षमता को नष्ट कर दिया है, जिससे राज्य के मैती और कुकी के बीच जातीय तनाव बढ़ गया है। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और बुनियादी ढांचे के सूचकांकों में गिरावट से पैदा हुए खतरे, पहचान की राजनीति का एक और अधिक विषैला तनाव उनमें भर रहा है। हालिया संकट के फैलने के बाद से जो एसटी दर्जे और कुकी-जो काउंटर की मेतेई की मांग के साथ शुरू हुआ कि यह उन्हें आर्थिक रूप से हाशिए पर डाल देगा। हालांकि, केंद्र और एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाले राज्य प्रशासन ने इसके लिए बार-बार 'बाहरी लोगों' को दोषी ठहराया है। उन्होंने इस आलोचना को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है कि मध्यस्थता के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए जा रहे हैं, विपक्षी नेताओं की यात्राओं को खारिज कर दिया गया है या जनवरी में थौबल से गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' को नौटंकी के रूप में प्रचारित किया गया है। हाल ही में लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद मुख्यमंत्री ने चुनाव में अपनी सरकार की विफलता को स्वीकार किया है।

राज्य में शांति व स्थिरता और आम सहमति बनाने में समय लगता है। गलतियों को स्वीकार करने में व्यावहारिकता होती है। इसके लिए चुप्पी को बातचीत से बदलने की क्षमता और दूसरों की गलतियों से सीखने की इच्छा की भी आवश्यकता होती है। राहुल गांधी मणिपुर में चुनाव से पहले भी यात्रा करते रहे हैं। उन्होंने वहां की चुनौतियों को समझने की कोशिश की और बार-बार पूर्वी सरकार को इस विषय में समझाने की कोशिश भी की। अब जबकि वहां की जनता का फैसला आ गया है, मोदी सरकार के लिए यह उचित ही जान पड़ता है कि वह विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व का अनुसरण करें। मणिपुर मसले का समाधान हठधर्मिता और बड़बोलेपन से नहीं, बल्कि भागीदारी और जुड़ाव के माध्यम से संभव है।

सड़े अंडों वाला 'धर्म गुरु'!

खगोलविदों ने खोजा अनोखा प्लैनेट

खगोलविदों ने पृथ्वी के पास एक अनोखे प्लैनेट की खोज की है। ये खोज जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप की मदद से की गई है। खगोल विदों ने दावा किया है कि पृथ्वी के पास एक प्लैनेट 'धर्म गुरु' मिला है, जिससे सड़े हुए अंडों जैसी बदबू आती है। इतना ही नहीं इस पर कांच की बारिश भी होती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तरह का ग्रह पहले कभी नहीं खोजा गया है। साइंटिस्ट ने इसका कारण भी खोजा है कि आखिर इस ग्रह पर ऐसी गंध क्यों हैं? वैज्ञानिकों का कहना है कि यह अपने आप में बहुत ही कम पाया जाने वाला ग्रह है। यहां का तापमान बहुत ज्यादा होता है, इससे यहां कांच की बारिश होती है। उन्होंने पाया है कि यहां हवा ८,०४६ किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलती है। उन्होंने साफ किया है कि इन हालात में यहां पर जीवन होना मुमकिन नहीं है। एचडी १८९७३३बी नाम का यह बाह्यग्रह पृथ्वी से केवल ६४ प्रकाशवर्ष की दूरी पर है। इसका मतलब है कि वहां प्रकाश गति से पहुंचने में ६४ साल लग जाएंगे, लेकिन साइंटिस्ट इसे भी पृथ्वी के काफी पास का ग्रह मान रहे हैं। उनका कहना है कि यह ग्रह हाइड्रोजन और हाइड्रोजन सल्फाइड से भरा हुआ है। यही वजह है कि वहां जरूर सड़े हुए अंडों की गंध मिलेगी। नेचर में प्रकाशित नए अध्ययन के मुताबिक, खगोलविदों ने जेम्स टेलीस्कोप की मदद से इस बाह्यग्रह के वायुमंडल पर कार्बन डाइऑक्साइड, ऑक्सीजन, पानी और कई भारी धातुओं की मौजूदगी पाई है। वैसे इसके अलावा वायुमंडल में जहरीली और जल सकने वाली हाइड्रोजन सल्फाइड गैस का मिलना चौंकाने वाली खोज है।

ऐसे होगी प्रेस की आजादी बहाल...

महेश राजपूत

रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) ने नेटवर्क ऑफ वुमन इन मीडिया, इंडिया (एनडब्ल्यूएमआई), फ्री स्पीच कलेक्टिव (एफएससी) और इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन (आईएफएफ) के साथ मिलकर भारत की नई सरकार से पत्रकारों की सुरक्षा और अपना काम करने की आजादी सुनिश्चित करने के लिए तुरंत उपाय करने का अनुरोध किया है।

इन संस्थाओं के अनुसार, भारत सरकार को प्रेस आजादी निर्णायक रूप से बहाल करने की आवश्यकता है, जो आरएसएफ की वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स २०२५ में १८० देशों में १५९ वें स्थान पर है। आरएसएफ ने एनडब्ल्यूएमआई, एफएससी और आईएफएफ के साथ मिलकर पत्रकारों की सुरक्षा, मीडिया आजादी की गारंटी सुनिश्चित करने के लिए १० उपाय सुझाए हैं। आरएसएफ की दक्षिण एशियाई डेस्क की सीला मेरकीर ने एक बयान में कहा है, 'भारत में प्रेस आजादी का ह्रास, जो पिछले दस वर्षों में हुआ है, बेहद चिंतनीय है क्योंकि यह देश उन ५२ देशों में शामिल है, जिन्होंने पार्टनरशिप फॉर इनफॉर्मेशन एंड डेमोक्रेसी के लिए हस्ताक्षर किए हैं। यह विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहे जाने वाले देश की नकारात्मक अंतर्राष्ट्रीय छवि बनाता है। भारत के पत्रकार प्रेस आजादी के गिरते माहौल में संघर्ष कर रहे हैं, ऐसे में भारतीय सिविल सोसाइटी संगठनों ने आरएसएफ के साथ मिलकर नई सरकार से तुरंत १० कदम उठाने को कहा है, ताकि पत्रकारों की सुरक्षा और नागरिकों के सूचना अधिकार को सुनिश्चित किया जा सके।'

२०१९ में भारत ने पार्टनरशिप फॉर इनफॉर्मेशन एंड डेमोक्रेसी पर ५१ देशों के साथ हस्ताक्षर किए थे। यह पहल आरएसएफ ने की थी, जिसका उद्देश्य किसी देश की तरफ से स्वतंत्र, विविध और भरोसेमंद जानकारी तक लोगों की पहुंच को बढ़ावा देने के प्रति प्रतिबद्धता को औपचारिक रूप से अंकित किया गया था। अन्य सिद्धांतों में पत्रकारों को सभी प्रकार की हिंसा, धमकियों, भेदभाव, मनमानी कैद और गैरवाजिब कानूनी कार्यवाहियों से बचाने की बातें शामिल थीं।

उच्च गुणवत्ता वाली स्वतंत्र पत्रकारिता सुनिश्चित करने वाले टिकाऊ व्यावसायिक मॉडल विकसित करने पर भी जोर दिया गया था।

सरकार को यह १० उपाय तुरंत करने चाहिए:

आतंकवाद विरोधी कानूनों को इस तरह सुधारें, ताकि उनका इस्तेमाल पत्रकारों के खिलाफ न किया जाए।

गैरकानूनी गतिविधि प्रतिरोधक संशोधन अधिनियम, २०१९ (यूएपीए) और जन सुरक्षा अधिनियम, १९७८ का मीडियाकर्मियों को दबाने के औजार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इसके अलावा, राज्य पत्रकारों के खिलाफ आपराधिक कानूनों का दुरुपयोग बंद करे।

ऐसे कानूनों को सुधारें, जिनका दुरुपयोग मीडिया को नियंत्रित और सेंसर करने के लिए किया जाता है।

२०२३ के कई कानूनों में सुधार किया जाए। टेलीकॉम अधिनियम, डिजिटल निजी डाटा संरक्षण अधिनियम, प्रेस एवं पत्रिकाओं का पंजीकरण अधिनियम, सूचना प्रसारण संशोधित नियम जो सरकार की मर्जी से तथ्य जांच इकाई बनाना चाहती है।

पत्रकारों को स्पाइवेयर से निशाना बनाने वाले मामलों की जांच के लिए स्वतंत्र आयोग का गठन करें।

कम से कम १५ भारतीय पत्रकारों को वर्ष २०२१ और २०२३ के बीच पेगासस स्पाइवेयर से निशाना बनाया गया था।

पत्रकारों के स्रोतों की गोपनीयता बचाएं

पत्रकारों के उपकरणों (मोबाइल, लैपटॉप आदि) की जब्ती परिभाषित, अपरिहार्य स्थितियों में होनी चाहिए जिनका नियंत्रण स्वतंत्र न्यायिक अधिकारी द्वारा होना चाहिए। यह पत्रकारों के स्रोतों की गोपनीयता बचाए रखने के लिए आवश्यक है, जो इस समय सुरक्षित नहीं है।

मीडिया संकेंद्रित होने से बचाएं

एक छोटी संख्या में कंपनियां और समूह देश के अधिकांश मीडिया संस्थानों के मालिक हैं। कानून बनाकर इन मोनोपॉली को समाप्त करना चाहिए और क्रॉस-ओनरशिप को सीमित करना चाहिए, ताकि मीडिया बहुलतावाद को बचाया जा सके।

पत्रकारों की सुरक्षा के लिए उपाय करें

पत्रकारों की शारीरिक और डिजिटल सुरक्षा के लिए त्वरित प्रतिसाद वाले उपाय करें खासकर जिन्हें धमकियां मिली हैं या खतरा है। महिला, वंचित समुदायों के पत्रकारों समेत पत्रकारों को साइबर-प्रताड़ना से बचाने के लिए उपाय करें, इन हमलों को मिलने वाली शह समाप्त करें और पत्रकारों को अपना काम करने दें।

मनमानी इंटरनेट बंदी पर रोक लगाएं

२०२३ में मनमानी इंटरनेट बंदियों के मामले में भारत लगातार छठे वर्ष शीर्ष पर रहा। मनमाने तरीके से की गई इन बंदियों से अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन होता है, पत्रकारों का कार्य प्रभावित होता है और इससे भ्रामक और गलत जानकारियां फैलाने को प्रोत्साहन मिलता है।

विदेशी मीडिया को भारत को कवर करने दें

भारत में बसे विदेशी पत्रकारों को वीजा और वर्क परमिट दिए जाने से २०१९ से इनकार किया जा रहा है। कार्य के अधिकार से वंचित कइयों को देश छोड़ने पर मजबूर किया गया है।

प्रेस वार्ताएं करें

प्रधानमंत्री और सरकार के अन्य निर्णय निर्माताओं को नियमित रूप से प्रेस वार्ताएं करनी चाहिए जिनमें सभी मीडिया को भाग लेने दिया जाए।

सभी पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा की जाए

पत्रकार-चाहे किसी संस्थान के कर्मी हों या फिर स्वतंत्र पत्रकार, लगातार नौकरी की असुरक्षा और कार्य के अधिकारों के हनन का सामना कर रहे हैं। मान्यता संबंधी कानूनों से महत्वपूर्ण सार्वजनिक कार्यक्रमों तक उनकी पहुंच सीमित की जा रही है और डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म के पत्रकारों को मान्यता नहीं दी जा रही। नई बनी सरकार को पत्रकार के कार्य के अधिकारों के लिए मिलने वाली कानूनी सुरक्षाओं को मजबूत करना चाहिए।

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
गुरुवार ११ जुलाई २०२४ १४

कटोरे को आंसुओं से भरना होगा!

पिता ने दी ३ साल की बच्ची को टीवी देखने की सजा

आजकल बच्चों को टीवी देखने से रोकना माता-पिता के लिए सबसे मुश्किल काम हो चुका है। टीवी की लत से छुटकारा दिलाने के लिए बहुत हैरान करने वाली कोशिश चीन के बीजिंग में एक पिता ने अपनी तीन साल की बच्ची के साथ की है। यहां एक मां अपनी तीन साल की बच्ची जियाजिया को खाने के लिए आवाज दे रही थी तो उसने अनसुना कर दिया। इस पर पिता ने टीवी बंद कर दिया, जिस पर बच्ची रोने लगी तो पिता ने उसको एक कटोरा देकर कहा कि तुम्हें इस कटोरे को आंसुओं से भरना होगा। इस दौरान जियाजिया की मां ने उसका एक वीडियो रिकॉर्ड कर लिया और उसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म डॉयिन पर शेयर कर दिया। वीडियो में बच्ची अपने चेहरे के नीचे एक कटोरा पकड़े हुए अपने आंसू इकट्ठा कर रही है।

बारात लेकर निकला बुलडोजर वाला दूल्हा!

संतकबीर नगर सीट पर भाजपा की हार से था निराश

भाजपा के कुछ समर्थकों को अब भी ये बात नहीं पच पा रही है कि यूपी में बीजेपी की हालत पतली हो चुकी है। वहां के कुछ समर्थकों के अंदर से निराशा खत्म नहीं हो पा रही है। यही वजह है कि ऊटपटांग हरकतें कर रहे हैं। यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुलडोजर बाबा के नाम से प्रसिद्ध हैं। अब मार्केट में बुलडोजर वाला दूल्हा सामने आया है। बता दें कि गोरखपुर के खजनी तहसील के निवासी मेहिन वर्मा के बेटे कृष्णा वर्मा ने अपनी शादी की बारात को यादगार बनाने के लिए कुछ ऐसा किया कि सड़कों पर लोगों का मेला लग गया। जब खलीलाबाद के ससुराल पक्ष के लोगों ने दूल्हे को ताना मारा कि इस बार बाबा जी की पार्टी खलीलाबाद संतकबीरनगर में हार गई तो यह बात दूल्हे कृष्णा वर्मा को नागवार गुजरी और उसने ठान लिया कि बारात कुछ खास तरीके से निकलेगी। जी हां, दूल्हा बुलडोजर पर सवार होकर अपनी बारात लेकर चला। यह सुनते ही परिवार और रिश्तेदारों ने उसे समझाने की खूब कोशिश की, 'अरे भाई, बुलडोजर पर बारात लेकर जाओगे तो लोग हंसेंगे' लेकिन कृष्णा वर्मा तो जिद पर अड़ गए। जब बारात निकली तो सड़कों की दोनों तरफ तमाशबीनों की भीड़ लग गई। हर कोई इस अनोखी बारात को देखने के लिए उमड़ पड़ा। लोग अपने फोन से फोटो और वीडियो बनाने लगे और पूरे इलाके में बारात की धूम मच गई।

वैज्ञानिकों ने तैयार किया राम सेतु का मानचित्र!

भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। शोधकर्ताओं ने समुद्र में ४० किलोमीटर गहराई तक पहुंचने में सक्षम उपग्रह के फोटोन (वाटर-पेनेट्रेटेड फोटॉन) कणों का उपयोग कर राम सेतु का विस्तृत मानचित्र तैयार किया है। उनका मानना है कि राम सेतु के बारे में गहन जानकारी देने वाली यह पहली रिपोर्ट है, जो इसकी उत्पत्ति के बारे में समझ बढ़ाएगी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की इकाई राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) के जोधपुर और हैदराबाद स्थित केंद्रों के वैज्ञानिकों ने नासा के उपग्रह का प्रयोग कर व्यापक अध्ययन रिपोर्ट तैयार की है। उन्होंने कहा है कि भारत और श्रीलंका को जोड़ने वाला यह सेतु भारत के धनुषकोडी से श्रीलंका के तलाईमन्नार द्वीप तक २९ किलोमीटर लंबा है। यह सेतु ९९.९८ प्रतिशत जलमग्न है। राम सेतु की दोनों तरफ लगभग १.५ किलोमीटर तक की शिखर रेखा अत्यधिक ऊबड़-खाबड़ है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि उपग्रह के लेजर अल्टीमीटर से फोटोन कणों को समुद्र के उथले क्षेत्रों में किसी भी संरचना की ऊंचाई मापने के लिए उपयोग में लाया जाता है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि सेतु के नीचे ११ संकरी नहरें भी दिखीं, जिनकी गहराई २-३ मीटर के बीच थी। इससे मन्नार की खाड़ी और पाक जलडमरूमध्य के बीच पानी का मुक्त प्रवाह या आदान-प्रदान होता है। रामेश्वरम के मंदिर अभिलेखों से पता चलता है कि यह पुल सन १४८० तक पानी के ऊपर था लेकिन, एक चक्रवात के दौरान डूब गया।

पुलिस वाले का ये रूप भी देख लो...

पुलिसवालों की नौकरी काफी मुश्किलों से भरी होती है। चाहे मौसम कोई भी हो या फिर कोई आपदा, वे हर दम नागरिकों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं। हालांकि, ऐसे वीडियो भी सामने आते हैं जिनमे पुलिसकर्मी नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार करते दिखते हैं। वैसे एक वीडियो ने इंटरनेट पर लोगों को भावुक कर दिया है। दरअसल, इस क्लिप में दिख रहा है कि पुलिसकर्मी ड्यूटी पर था, जब लंच टाइम हुआ तो बारिश होने लगी। कहीं सिर छिपाने की जगह नहीं थी तो वह बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे बैठ गया और दाल-रोटी खाने लगा। किसी ने यह वीडियो बनाकर इंटरनेट पर डाल दिया, जो अब लोगों का दिल जीत रहा है। यह क्लिप २६ सेकंड का है, जिसमें दिख रहा है कि बारिश से बचने के लिए पुलिसकर्मी सीमेंट के पाइप में बैठा है, जबकि दूसरा व्यक्ति पेड़ के नीचे बैठकर दाल-रोटी खा रहा है। हालांकि, बारिश की बूंदे उसके शरीर पर पड़ रही हैं। वह वीडियो बना रहे शख्स को उधर से जाने का इशारा करता है। फिलहाल, इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि यह वीडियो कब और कहां का है। इस पर तमाम यूजर्स कमेंट कर रहे हैं।

देश के अलग-अलग इलाकों में झमाझम बारिश हो रही है। इस बारिश में इकलौता छाता ही है, जो लोगों को भीगने से बचाता है। वैसे वो एक आदमी को ही अच्छे से बारिश के पानी से बचा सकता है। ऐसे में कपल्स का क्या होगा? तो अब घबराने की जरूरत नहीं है। बता दें कि मार्केट में कपल्स के लिए भी अनोखा छाता आ गया है। जी हां, सोशल मीडिया पर कपल्स वाले छाते का वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इंस्टाग्राम पर इस वीडियो को आशीष रावत नाम के शख्स ने शेयर किया है। वीडियो में आशीष कपल्स छाते को दिखला रहे हैं। ये छाता आधा पिंक तो आधा ब्लैक है। छाता के पिछले हिस्से को अलग-अलग किया जा सकता है। ऐसे में छाते की चौड़ाई ज्यादा हो जाती है। अंदर भी दो हिस्सों में छाते का डंडा बंटा हुआ है, जिससे बड़ी आसानी से वो खुल जाता है। आशीष खुद कहते हुए नजर आते हैं कि इस छाते का इस्तेमाल सिर्फ वही लोग कर सकते हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। जुगाड़ से बनाए गए इस कपल छाते को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। हालांकि, कुछ लोग खुद को सिंगल बता रहे हैं और कमेंट कर रहे हैं कि यह छाता उनके किसी काम का नहीं है। प्रदीप दवार नाम के एक यूजर ने लिखा है कि कपल छाता तो मिल गया, लुगाई की तलाश जारी है।

कपल वाला छाता!

एयरपोर्ट पर मिल गए बॉस!

ऑफिस से बहाने बनाकर घूमने निकली थी लड़की

अगर किस्मत खराब हो तो बिन बुलाए मुसीबत आ जाती है। कुछ ऐसा ही इंडोनेशिया में हुआ। हुआ यूं कि एक लड़की अपने ऑफिस में बहाना बनाकर घूमने के लिए निकल गई, लेकिन उसका झूठ पकड़ा गया। बता दें कि बाली की रहने वाली एक लड़की ने भी हाल ही में अपनी खराब किस्मत के बारे में बताया है। मिली जानकारी के अनुसार २३ साल की ग्रेस एक फ्रीलांसर हैं, जो इंडोनेशिया के बाली में रहती हैं। ग्रेस ने बताया कि वो यूरोप में थीं और घर (बाली) लौटने के लिए उनकी फ्लाइट थी। उन्हें फ्लाइट पकड़ना था, इस वजह से उस दिन वो ऑफिस नहीं जा सकती थीं। उन्होंने छुट्टी लेने के लिए ऑफिस में बहाना बनाया। उन्होंने कहा कि उनकी तबीयत खराब है और उन्हें डॉक्टर को दिखाने जाना है। वो एयरपोर्ट पहुंचीं और प्लेन में जाने के लिए लाइन में लगी थीं, तभी पीछे से किसी ने उनका नाम पुकारा। जैसे ही वो मुड़ीं, उन्होंने देखा कि उनके बॉस सामने खड़े हैं। बॉस को देखकर ग्रेस डर गईं। हालांकि, बॉस अच्छे मूड में थे, उन्होंने पूछा- 'तो ये है तुम्हारा अस्पताल?' आपको लग सकता है कि फिर तो ग्रेस को नौकरी से निकाल दिया गया होग। नहीं, ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। ग्रेस ने बताया कि दोनों ही एक दूसरे को देखकर हंसने लगे और ग्रेस ने उन्हें पूरी बात बताई।

कभी-कभी कोई ऐसी घटना सामने आती है कि विश्वास करना मुश्किल होता है। आपने बचपन में नागिन के बदले वाली कहानी भी सुनी होगी। कहा जाता है कि नाग की हत्या का बदला लेने के लिए नागिन बार-बार हत्यारे पर अटैक करती है। हम इस कहानी का जिक्र इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि यूपी के फतेहपुर में कुछ ऐसा ही मामला देखने को मिल रहा है। ऐसा लग रहा है कि एक सांप शख्स की जान लेकर ही मानेगा।

बता दें कि यहां फतेहपुर के एक युवक को सांप ने डेढ़ महीने के अंदर ६ बार काटा है। इलाज के बाद युवक ठीक भी हो जाता है। युवक का इलाज करने वाले डॉक्टर भी हैरान हैं। युवक जिसके डर से घर छोड़कर अपने चाचा के घर पर रहने लगा, जहां फिर से उसे सांप ने काट लिया। युवक के साथ-साथ परिजन भी खासा परेशान हैं। ये मामला फतेहपुर जिले के मलवा थाना क्षेत्र के सौरा गांव का है। २४ वर्षीय पीड़ित विकास से बातचीत की गई तो उसने हैरान कर देने वाली बातें बताईं।

जान लेकर ही मानेगा क्या?

एक शख्स को सांप ने डेढ़ महीने में ६ बार डसा

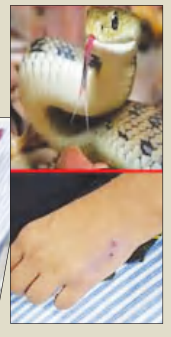

विकास ने बताया कि २ जून को रात ९ बजे बिस्तर से उतरते हुए पहली बार सांप ने काटा। १० जून की रात फिर से सांप ने काटा। उसके मन में सांप का डर बैठ गया और वह सावधानी बरतने लगा। सात दिन बाद १७ जून को घर में सांप ने उसे काट लिया। चौथी बार सांप ने चौथे दिन ही फिर से डस लिया। इसके बाद रिश्तेदारों और डॉक्टर ने सलाह दी कि कुछ दिनों के लिए तुम अपने घर से दूर रहो। सलाह मानते हुए युवक मौसी के घर शहर स्थित राधानगर में रहने के लिए चला गया, जहां शुक्रवार की रात लगभग १२ बजे उसे घर में ही सांप ने फिर डस लिया।

इसके बाद विकास मलवा थाना क्षेत्र के सौरा गांव में ही ६ जुलाई को अपने चाचा संतोष दुबे के घर के अंदर दोपहर को सो रहा था, जहां सांप ने छठी बार काट लिया। सर्पदंश से उसकी हालत खराब हो गई और परिजनों ने आनन-फानन अस्पताल में भर्ती कराया। युवक का यह भी कहना है कि उसे जब भी सांप ने काटा है तो शनिवार व रविवार का दिन था और सांप काटने से पहले ही उसे इस चीज का प्रत्येक बार आभास हो जाता है।

दोपहर का सामना
www.hindisaamana.com
epaper.hindisaamana.com
गुरुवार ११ जुलाई २०२४ १५

संपादक के नाम पत्र

घटिया सड़क बनाने वालों पर हो कठोर कार्रवाई

बदलापुर के बारे में आम लोगों की धारणा है कि यह शहर अच्छे वातावरण, बेहतरीन सड़कें, साफ- सफाई वाला शहर है। परंतु इस धारणा को बदलापुर स्टेशन को जाने वाले मार्ग ने गलत साबित कर दिया हैं। बदलापुर-पूर्व रेलवे स्टेशन से कात्रप मार्ग की स्थिति घटिया साबित हो

रही है। इन दिनों सीमेंट की सड़क इसलिए बनाई जाती हैं, ताकि लंबे समय तक मरम्मत की जरूरत न पड़े। बदलापुर की इस मुख्य सड़क को जहां २५ वर्ष के ऊपर चलना चाहिए था, उस सड़क ने १० वर्ष के भीतर ही भ्रष्टाचार का रंग दिखाना शुरू कर दिया है। इस सड़क को देखकर लगता है जैसे इसे उल्हासनगर के किसी रोड छाप ठेकेदार ने बनाया है। आज बदलापुर शहर की इस मुख्य सड़क पर गड्ढे पड़ गए हैं। सड़क को देखकर ऐसा लगता है, जैसे सड़क के ऊपरी सतह पर सीमेंट नहीं राख लगाई गई हो। घटिया सड़क के चलते जगह-जगह पानी जमा हो गया है। इस पानी के चलते तेज गति से आने जाने वाले वाहनों के चलने से उड़नेवाले छींटों से लोगों के कपड़े गंदे हो रहे हैं। बदलापुर नपा प्रशासन को चाहिए कि सड़क की दशा की जांच कर ठेकेदार तथा संबंधित इंजीनियर पर कठोर से कठोर कार्रवाई करे।

- किशोर पाटील, बदलापुर

प्लास्टिक कारखाने पर छापेमारी

- **365** किलो प्लास्टिक जप्त
- **10** हजार रुपए दंड वसूली

अनिल मिश्रा / उल्हासनगर

उल्हासनगर में सरकार द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक व थर्माकोल के बढ़ते चलन के कारण यहां के नदी-नालों की सफाई की ऐसी की तैसी हो गई है। 'दोपहर का सामना' ने उल्हासनगर मनपा प्रशासन की कार्य प्रणाली पर आवाज उठाते हुए पर्यावरण हानि की शंका जाहिर की थी। शहर में बेधड़क बिक रही प्लास्टिक व थर्माकोल ने प्रशासन की पोल खोलकर रख दी। खबर के प्रकाशन के बाद मनपा प्रशासन ने एक कारखाने पर कार्रवाई कर प्लास्टिक जप्त करते हुए दस हजार रुपए आर्थिक दंड लगाया है।

बता दें कि 'दोपहर का सामना' ने प्लास्टिक, थर्माकोल के धड़ल्ले से बेचने की खबर प्रकाशित की थी। खबर को गंभीरता से लेते हुए अजीज शेख (मनपा आयुक्त) के मार्गदर्शन में डॉ. किशोर गवस, अति. आयुक्त डॉ. सुभाष जाधव, उप-आयुक्त (आरोग्य), मनीष हिवरे, सहायक आयुक्त सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, विनोद केणे, एकनाथ पवार (मुख्य स्वच्छता निरीक्षक) के अलावा प्लास्टिक निर्मूलन पथक प्रमुख व प्रदूषण मंडल के अधिकारी श्रीमती सीमा दलवी व राजेश नादगावकर द्वारा उल्हासनगर शहर के कैंप नं. ०२ और ०३ स्थित पेनूमल कंपाउंड में छापामारी कर प्लास्टिक के कारखाने पर कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में ३६५ किलो प्लास्टिक जप्त कर १०,००० रुपए का आर्थिक दंड लगाया गया। इस दौरान अन्य एक से ५,००० रुपए की दंड वसूली गई।

मनपा की जनसंपर्क अधिकारी छाया डांगले ने बताया कि मानसून में नालों को प्लास्टिक की थैली बोतल, थर्माकोल जाम करती है। शहर का दौरा कर अजीज शेख ने संबंधित विभाग को आदेश दिया है।

251 लोगों पर एक्शन

शहर में स्वच्छता विभाग के द्वारा एक सप्ताह में गंदगी करने वाले २५१ लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनसे ९८,५५० रुपए व प्रतिबंधित प्लास्टिक की थैली का प्रयोग करने वाले विक्रेता के खिलाफ ५५,००० रुपए व ५०२ किलो प्लास्टिक की जप्ती करने के साथ ही १० व्यक्तियों पर कुल १,४८,५५० रुपए की दंडात्मक कारवाई की गई है। इतना ही नहीं, शहर की सभी मुख्य सड़कें, आंतरिक सड़कें, फुटपाथ, नालियों की विशेष सफाई व स्वच्छता करके नागरिकों में जनजागृति करना है, जिससे लोगों में स्वच्छता की आदत लगे। गंदगी फैलानेवालों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई शुरू रहेगी। इसके साथ ही डॉ. किशोर गवस (अतिरिक्त मनपा आयुक्त) को शहर स्वच्छ व सुंदर बनाने की जवाबदारी दी गई है।

डंक - कमलेश पांडेय 'तरुण'

क्यों बदला कोच?

क्यों न राहुल द्रविड़ को, दिया दोबारा चांस?
गौतम गंभीर में भला, क्या है इतना खास?
क्या है इतना खास, जो उन्हें कोच बनाया।
बिना परामर्श, विश्व चैंपियन कोच हटाया।।
कहे 'तरुण' वर्षों से, टीम तरासा जिसने।
नहीं बनेगा दोबारा, कहा क्या उसने?

सिटीजन रिपोर्टर में अपनी समस्याओं को भेजने के लिए हमारे संवाददाता संदीप पांडेय से ७०८१७५०१७१ पर संपर्क करें।

पाठकों की पाती

कल्याण में ट्रैफिक की समस्या गंभीर

'**दोपहर** का सामना' में छपी खबर 'कल्याण में ट्रैफिक की समस्या गंभीर' ने कल्याण की लचर यातायात व्यवस्था की पोल खोल दी है। ट्रैफिक पुलिसकर्मी इन दिनों यातायात का ठीक तरीके से संचालन करने पर नहीं, बल्कि वसूली पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। भीड़ भाड़वाले इलाकों में सिग्नल लगा तो है, लेकिन वह चल रहा है कि नहीं, इसका ख्याल रखने की सुध मनपा को भी नहीं है। ट्रैफिक से नागरिकों को सुबह शाम दोनों समय जूझना पड़ रहा है। अगर चौक पर ट्रैफिक की निगरानी अच्छी हो तो ट्रैफिक जाम की समस्या ही नहीं हो। सड़कों पर वाहनचालक उल्टा-सीधा अपनी गाड़ियां निकालते हैं, जिसके चलते पीक आवर में स्कूल बस में बैठे बच्चे तक इसे झेलते हैं।

सिग्नल है, चलता नहीं
ट्रैफिक पुलिस है, चौक पर नहीं
● कल्याण में ट्रैफिक की समस्या गंभीर ● वसूली में जुटी रहती है पुलिस
जगह से नदारद होते हैं ट्रैफिक पुलिस
जाम से परेशान विद्यार्थी

राज्य में है टीबी की दवाओं की किल्लत

'**दोपहर** का सामना' में छपी खबर 'राज्य में है टीबी की दवाओं की किल्लत' से सरकार के बड़े-बड़े दावों की पोल खुल गई है। राज्य में टीबी की दवाओं की भारी कमी है। ऐसे में सरकार और स्वास्थ्य विभाग क्या कर रहा है? टीबी से ग्रसित मरीजों को अगर दवाएं नहीं मिलेगी तो उनका क्या होगा? नागरिकों को सुविधा देने की बजाय उन्हें परेशान किया जा रहा है और उन्हें चिंतित होने का मौका दिया जा रहा है। सरकार को कम से कम मरीजों के पर्याप्त दवाओं का इंतजाम करना चाहिए। बीमारियां तो कई हैं। सभी की दवाएं होना जरूरी है। **- रोहन वाघमारे**, बदलापुर

अब तो स्वास्थ्य मंत्री ने भी माना
राज्य में है टीबी की दवाओं की किल्लत!
मंत्री के कबूलनामे से बढ़ा टीबी मरीजों का टेंशन ● टीबी मुक्त कैसे होगा प्रदेश, उठ रहे सवाल
शिवसेना ने स्वास्थ्य मंत्री से मांगा जवाब
केंद्र ने दिया है दवा खरीदने का अधिकार

मेहनतकश

सगीर अंसारी

समाजसेवा के जरिए कम उम्र में बनाई पहचान

कोई पैसे के बल पर तो कोई अपने रसूख के दम पर लेकिन कुछ ऐसे लोग भी समाज में हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत से लोगों की निस्वार्थ मदद की और उनके दुख में खड़े रहे। ऐसे ही एक समाजसेवक नसीम अहमद खान ने काफी कम उम्र में ही लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। उत्तर प्रदेश के खलीलाबाद जिला से ताल्लुक रखने वाले नसीम खान के पिता मुनीर अहमद वर्ष १९६० में काम की तलाश में मुंबई आए थे और यहां के मशहूर क्षेत्र भायखला के मुस्तफा बाजार में लकड़ा कारोबारी अपने रिश्तेदार के पास रहकर अपने काम की शुरुआत की। काफी मेहनत के बाद उन्होंने धारावी में खुद का लकड़े का काम शुरू किया। समय का पहिया घूमता रहा और वह तरक्की करते गए। इसी दौरान नसीम खान का वर्ष १९७० में जन्म हुआ। स्नातक तक की शिक्षा प्राप्त करने के बाद नसीम खान ने अपने पिता का काम संभाल लिया। हालांकि, बड़ा परिवार होने के बावजूद नसीम खान ने अपने एक भाई सहित अपने तीन चचेरे भाइयों की जिम्मेदारी खुद उठाई और उनका कारोबार शुरू कराया। गोवंडी जैसे स्लम क्षेत्र में परवरिश पाने वाले नसीम खान ने लोगों की समस्याओं को काफी नजदीक से देखा था। इस वजह से उनके दिल में बचपन से ही समाजसेवा का जज्बा था। उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर लोगों की समस्याओं को अधिकारियों व राजनेताओं तक पहुंचाया। हालांकि, समाजसेवा में इतना नाकाफी होने पर नसीम खान ने वर्ष २००९ में अपने मित्रों जहांगीर शेख व अन्य के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। इसके बाद क्षेत्र के विकास के लिए हर मुमकिन कोशिश की। इनकी समाजसेवा को सराहते हुए पार्टी ने पहले उन्हें अल्पसंख्यक सेल का तालुका अध्यक्ष बनाया और वर्ष २०१२ में पार्टी के बेसिक पैनल में तालुका अध्यक्ष बनाया। लोगों की समस्याओं को हल करने के साथ अपने परिवार को भी बखूबी देखा और अपने दो पुत्रों को शिक्षित किया। बड़े बेटे नदीम खान को एडवोकेट बनाया, जबकि दूसरे बेटे फहीम खान को बीकॉम तक की शिक्षा दिलाई, जो आज अपने पिता नसीम खान से जुड़ा हुआ है। नसीम खान ने हमेशा ही तन-मन से लोगों की सेवा की और कॉविड-१९ के दौरान जहां लोग अपनी और परिवार की जान की हिफाजत में लगे थे, वहीं नसीम खान ने अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों की हर मुमकिन मदद की। आज भी दिन हो या रात, नसीम जी तन-मन से लोगों की सेवा में जुटे रहते हैं।

(यदि आप भी मेहनतकश हैं और अपने जीवन के संघर्ष को एक उपलब्धि मानते हैं तो हमें लिख भेजें या व्हाट्सऐप करें।)

किस्सों का सबक

डॉ. दीनदयाल मुरारका

अनाथों के नाथ

जीवन में यदि हम दूसरों की मदद करने का प्रण लेते हैं, तो हमारा संकल्प समाज में एक बड़ा परिवर्तन ला सकता है। इसका जीता-जागता उदाहरण ऑस्ट्रिया में देखने को मिला। वहां पर पैस्टोला नामक एक छात्र डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहा था। एक दिन जब वह कहीं जा रहा था तो रास्ते में उसे एक अनाथ बच्चा मिला। एक छोटे से बच्चे को अकेला देखकर पैस्टोला ने उसे अपने साथ ले लिया। उसने उसके अभिभावकों का पता लगाने की कोशिश की, किंतु जब कुछ पता न चला तो पैस्टोला ने उसे एक अनाथालय में रखवा दिया। उसे उस बालक से बेहद लगाव हो गया थ वह अक्सर उस बालक को अनाथालय में देखने आता था। उसके लिए कुछ उपहार भी लाता था। धीरे-धीरे पैस्टोला ने नोट किया कि अनाथालय में बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था तो है, लेकिन वहां के कर्मचारियों में दया भाव नहीं है इसलिए बच्चे उन कर्मचारियों के संरक्षण में ढंग से विकसित नहीं हो पा रहे हैं। पैस्टोला ने अपनी पढ़ाई खत्म होते ही एक आंदोलन चलाया और निःसंतान तथा छोटी गृहस्थी वालों से अनुरोध किया कि वे अनाथ बच्चों को अपने परिवार में सम्मिलित कर लें और उन्हें लाड-प्यार से पालें। ऐसा करने से बच्चों का समुचित विकास हो पाएगा और उन्हें जीने की राह मिल जाएगी।

पैस्टोला के इस आंदोलन का लोगों पर बहुत सकारात्मक असर हुआ। अनेक उदार धनी और शिक्षित लोग ऐसे असहाय बच्चों को अपने परिवार में शामिल करने के लिए आगे आए। आत्मीयता एवं अपनत्व भरे माहौल में अब उन बच्चों का विकास पहले से बहुत अच्छी तरीके से होने लगा। पैस्टोला ने अनाथ बच्चों की देख-रेख में अपना जीवन लगा दिया। वह इस कारण से आजीवन अविवाहित भी रहे।

सुंबुल को ये क्या हुआ?

*एक जमाना था जब सितारे अपनी बीमारी को छिपाते थे। शो बिजनेस होने के कारण शायद सितारों को लगता था कि शायद ऐसी खबर उनके ग्लैमर में पैबंद जैसा लगेगा। पर अब बात दूसरी है। अब तो नायिकाएं अपना बेबी बंप बड़े शौक से दिखाती हैं। खैर, हम यहां बात 'इमली' व 'काव्या' टीवी सीरियल फेम ऐक्ट्रेस **सुंबुल तौकीर** की कर रहे हैं। उन्हें टाइफाइड हो गया है और इसके बावजूद वह 'काव्या' की शूटिंग करते हुए दिख रही हैं। सुंबुल ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे सेट पर 'काव्या' के लुक में ग्लूकोज ड्रिप के साथ नजर आ रही हैं। सुंबुल ने लिखा, 'डियर टाइफाइड, भाग जाओ।' वैसे काफी लोग कन्फ्यूज हैं कि कहीं यह शो का हिस्सा तो नहीं है।*

कालीन भैया की 'करोड़ी' डील

*मिर्जापुर का तीसरा सीजन इन दिनों ओटीटी पर धूम मचा रहा है। अब मिर्जापुर की चर्चा हो और कालीन भैया का नाम नहीं आए, ऐसा हो नहीं सकता। सीजन ३ में हालांकि कालीन भैया के हिस्से में ज्यादा फुटेज नहीं आया है पर वो कहते हैं न कि नाम ही काफी है। अब सुनने में आ रहा है कि कालीन भैया 'मिर्जापुर' के हाइएस्ट पेड ऐक्टर हैं। जी हां, यदि रिपोर्ट्स पर यकीन करें तो एक्टर **पंकज त्रिपाठी** ने इस वेब सीरीज के सीजन ३ के लिए करीब १० करोड़ फीस चार्ज की है यानी हर एपिसोड के १ करोड़। मजे की बात है कि पंकज को अपने करियर की शुरुआत में एक छोटे से टीवी शो के लिए केवल १,७०० रुपए फीस मिली थी। पर अब तो वे मिर्जापुर की गद्दी पर बैठे हैं तो उसकी कीमत तो मिलनी ही चाहिए।*

केन्जा ने किया कमाल बनी पहली 'मिस एआई'

*मिस इंडिया, मिस वर्ल्ड, मिस यूनिवर्स आदि के बारे में तो सभी जानते हैं। इसमें जीती-जागती सुंदरियां भाग लेती हैं और खिताब जीतती हैं। अब उन्हें टफ कंपिटीशन मिलनेवाला है, वह भी एआई से। हाल ही में वर्ल्ड लेबल पर कंपिटीशन हुआ और उसमें मोरक्को की एआई को 'मिस एआई' चुना गया। जी हां, मोरक्को की हिजाब पहनने वाली एआई-जनरेटेड मॉडल व इन्फ्लुएंसर **केन्जा लेइली,** दुनिया की पहली 'मिस एआई' बन गई हैं। १,५०० से अधिक कंप्यूटराइज्ड मॉडल्स को हराकर यह खिताब जीतने वाली केन्जा ने कहा, 'इंसानों की तरह भावनाएं नहीं महसूस कर सकती लेकिन...मैं बहुत उत्साहित हूं।' इस पीजेंट में हिंदुस्थान की एआई मॉडल जारा शातवारी ने भी भाग लिया था। अब आया कुछ समझ में ये दुनिया कहां जा रही है।*

नरक में सड़ोगे भड़की जिया

*ये सोशल मीडिया भी अजीब चीज है, कुछ लोग सेलीब्रेट्रिज के पोस्ट पर ऐसे-ऐसे कमेंट करते हैं कि शैतान भी शरमा जाए। मगर हर सेलिब्रेटी एक जैसा नहीं होता। कभी-कभार ऐसे ट्रोल्स को करारा जवाब भी मिलता है। अब हाल ही में एक मस्त नजारा देखने को मिला। 'बिग बॉस ओटीटी २' फेम अभिनेत्री **जिया शंकर** ने कुछ अश्वेत लोगों संग अपनी तस्वीर पोस्ट की थी। बस कुछ मनचले चालू हो गए। पोस्ट पर कभी भद्दे कमेंट कर दिए। इस पर जिया ने ऐसे भद्दा कमेंट करने वाले ट्रोल से कहा है, 'उम्मीद है कि तुम नरक में सड़ोगे! एक साधारण तस्वीर है फिर भी तुम पॉर्न के बारे में सोच रहे हो।' ट्रोल ने कहा था, 'मुझे अपने दिमाग से नफरत हो रही है।' अब जिया की इस घुड़की ने उस ट्रोल की बोलती बंद कर दी।*

जैकलीन हाजिर हो!

जैकलीन फर्नांडीज एक बार फिर सुर्खियों में हैं। असल में जब से उनका नाम महाठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा है, तब से उनका सुख-चैन गायब हो गया है। सुकेश ने २०० करोड़ रुपए की ठगी की थी। सुकेश ने जैकलीन को उन्हीं पैसों से कई महंगे गिफ्ट दिए बस फंस गई बेचारी। जैकलीन से ईडी और पुलिस कई बार पूछताछ कर चुकी है, अब एक बार फिर उन्हें हाजिर होने को कहा गया है। इसके लिए ईडी ने अभिनेत्री को समन भेजा है। अब सोचने की बात यह है कि एक ही बार ईडी जैकलीन से सारी बातें क्यों नहीं पूछ लेती। बार-बार बुलाकर पूछताछ करना कहीं जैकलीन के फिल्मी ग्लैमर के कारण तो नहीं? अब सवाल तो उठेंगे ही।